@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 28 जुलाई 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 264 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

लोकसभा में जितेंद्र सिंह ने पेश किया पेपर लीक विरोधी बिल

स्पीकर बोले- 'ये सुधार का प्रथम कदम'

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को लोकसभा में पेपर लीक विरोधी बिल पेश किया। यह कदम नीट पेपर लीक के खिलाफ कई सप्ताह तक चले देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के बाद उठाया गया है। शून्यकाल के दौरान सदन में जारी विपक्ष सदस्यों के हंगामे के बीच मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक-2026 पेश किया। इस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने सदन की मेज थपथपाते हुए अपना समर्थन दिया। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ने विधेयक पर संशोधन प्रस्तुत करने के लिए दोपहर एक बजे तक का समय निर्धारित किया। स्पीकर ओम बिरला ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण विधेयक है। इससे सदन और देश की मंशाओं पर व्यापक चर्चा होगी। सभी दल के लोग इस विषय पर बहुत दिनों से मांग कर रहे थे। ये सुधार का प्रथम कदम है।' स्पीकर ने आगे कहा, 'मैं सोचता हूं कि सदन में इस विधेयक पर चर्चा हो। सभी इस पर अपने मत व्यक्त करें, ताकि किस तरीके से हम देश के अंदर पेपर लीक को रोकने का एक समुचित कदम उठा सकें।'

इसी बीच, विपक्ष की नारेबाजी और हंगामा बरकरार रहा। स्पीकर ओम बिरला ने विपक्ष के सदस्यों से अनुरोध करते हुए कहा, 'इस विषय पर बोलने का आपको (विपक्षी सदस्यों को) बोलने का पर्याप्त समय दिया जाएगा। सदन की जितनी सहमति होगी, उतना समय इस विधेयक पर चर्चा के लिए दिया जाएगा। मेरा आग्रह है कि इस महत्वपूर्ण विधेयक पर सदन का सहयोग करें और चर्चा करें।' उन्होंने विपक्षी सदस्यों से कहा, 'आप बहुत दिन से इस विषय पर चर्चा की मांग कर रहे थे। इस पर आज चर्चा है। विधेयक के अलावा आप

जो भी सुझाव देंगे, निश्चित रूप से उन सुझावों पर सरकार अमल लाने का प्रयास करेगी। यही लोकतंत्र है, जहां सबके मत और विचार आएं। लोकतंत्र की इस प्रक्रिया में मैं सदन से अपेक्षा करता हूं कि नारेबाजी और तख्तियां दिखाने की जगह चर्चा करें। स्पीकर ओम बिरला के बार-बार अनुरोध के बावजूद विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा जारी रखा। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

● 'हंगामा नहीं चर्चा करें...' सदन में विपक्ष के लगातार विरोध पर बोले किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों से फिर अपील की कि वे संसद में हंगामा करने के बजाय 'पब्लिक एग्जामिनेशन' (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लें। उन्होंने कहा कि कहा कि यह ऐतिहासिक विधेयक देशभर के छात्रों की चिंताओं को दूर करने और पेपर लीक में शामिल दोषियों को समयबद्ध व सख्त सजा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया है। रिजजु ने इस विधेयक पर विपक्ष से खुली चर्चा करने के लिए आग्रह किया। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे परीक्षा सुधारों के लिए पीएम मोदी द्वारा घोषित उपायों पर विचार करें, जिसमें एक उच्च-स्तरीय टास्क फोर्स का गठन और प्रस्तावित कानून शामिल है। रिजिजू ने कहा, 'मैं उनसे अपील करना चाहता हूं कि वे प्रधानमंत्री द्वारा आज लिए गए महत्वपूर्ण फैसले पर विचार करें। परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए उपाय घोषित किए गए हैं, एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है और परीक्षा प्रणाली में सुधार करने तथा भविष्य में कोई लीक न हो ।

सुप्रीम कोर्ट बोला- प्रदर्शन पर पुलिस की बर्बरता सही नहीं

आंदोलन एक संवैधानिक अधिकार

प्रोटोकॉल तय हो | पुलिस से मारपीट भी चिंताजनक

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने साथ ही कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना उतनी ही चिंता की बात है और सरकार से इस पर जवाब मांगा जा सकता है। अब कोर्ट मंगलवार को इन

सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में आरोप है कि NEET पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की। ये याचिकाएं 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संसद मार्च से जुड़ी हैं।

संसद मार्च में छात्रों पर पैलेट गन चलाने वाले आरएएफ जवान की पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के विरोध में संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन के इस्तेमाल के मामले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। जांच टीम ने उस रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवान की पहचान कर ली है, जिसने प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन से फायरिंग की थी। सीआरपीएफ से जुड़े सूत्रों के अनुसार जांच में सामने आया है कि संबंधित जवान ने कुल सात राउंड फायर किए थे। इनमें पांच राउंड प्रदर्शनकारियों को लगे, जबकि दो राउंड जमीन पर लगे। सभी फायरिंग कनॉट प्लेस क्षेत्र में हुई थी। अब जांच टीम यह भी पता लगा रही है कि किन परिस्थितियों में पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया और फायरिंग किन-किन स्थानों पर हुई। सीआरपीएफ की आंतरिक जांच टीम पूरे घटनाक्रम की पड़ताल कर रही है। सूत्रों के मुताबिक जांच रिपोर्ट अगले एक सप्ताह में आने की संभावना है।

बिहार बंद हिंसा: सिवान में एके-47 से फायरिंग करने वाला पुलिस कर्मी सस्पेंड

एजेंसी

सिवान। बिहार बंद के दौरान 25 जुलाई को सिवान में हुए बवाल और एके-47 से फायरिंग के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक पूरन कुमार झा के निर्देश पर फायरिंग करने वाले सिपाही अभिषेक कुमार पटेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस कार्रवाई

के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। वहीं, कुछ पुलिस जवानों में इस निर्णय को लेकर नाराजगी की भी चर्चा है। एसपी पूरन कुमार झा ने बताया कि मुख्यालय के निर्देश पर सिपाही अभिषेक कुमार पटेल को निलंबित किया गया है। मामले की विभागीय जांच भी कराई जाएगी और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोनम वांगचुक को अस्पताल से मिली छुट्टी, बोले- काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं

एजेंसी

नई दिल्ली । सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। वांगचुक 28 जून से दिल्ली के जंतर-मंतर पर परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर अनशन पर बैठे थे। उन्होंने 26 दिन बाद 24 जुलाई को अपना अनशन समाप्त किया था। वांगचुक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'आखिरकार मुझे अस्पताल से छुट्टी मिल रही है। मैं महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाऊंगा और फिर पहाड़ों पर वापस लौटूंगा। आप सभी का धन्यवाद। मेदांता अस्पताल, गुड़गांव के डॉक्टरों और स्टाफ की पूरी टीम का भी बहुत-बहुत आभार।' वांगचुक ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'आज आखिर वह दिन आ गया है, जब मुझे अस्पताल से छुट्टी मिल रही है। अब मैं काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। धीरे-धीरे खाना शुरू कर दिया है और शरीर में ताकत लौट रही है। लद्दाख लौटने से पहले मैं राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करूंगा। आपको याद होगा कि इस अभियान की शुरुआत से पहले भी हम राजघाट गए थे और वहां श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद जंतर-मंतर पहुंचे थे।'

महबूबा मुफ्ती को अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए थी: उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को जंतर-मंतर पर बल प्रयोग के बारे में अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए थी, न कि इसके लिए एआई जनरेटेड वीडियो को जिम्मेदार ठहराना चाहिए था। मीडिया से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने महबूबा मुफ्ती पर जम्मू-कश्मीर के बाहर के कुछ वर्गों को खुश करने की कोशिश करने और व्यापक आलोचना के बावजूद अपनी कही बात को न मानने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि मुफ्ती जंतर-मंतर पर जम्मू-कश्मीर के लोगों की बात रखने नहीं गई थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुफ्ती की बातों से कश्मीर घाटी में बल प्रयोग को सही ठहराया गया और उसका समर्थन भी किया गया। उन्होंने कहा कि भले ही उग्रवाद एक चुनौती बना हुआ है, लेकिन इससे आम लोगों के खिलाफ मनमानी कार्रवाई को सही नहीं ठहराया जा सकता। उमर अब्दुल्ला ने कहा, 'अगर यहां उग्रवाद है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि लोगों को बिना वजह गिरफ्तार किया जाए या उनके पासपोर्ट रोक दिए जाएं।'

राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू को लेकर बैठक

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू की प्रगति को लेकर बैठक ली। उन्होंने विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को एमओयू के क्रियान्वयन में गति लाने के सख्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के एमओयू को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन एमओयू के धरातल पर लागू होने से प्रदेश की आर्थिक प्रगति के साथ ही रोजगार के अवसर सृजित होंगे। ऐसे में इन एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग के लिए सभी विभाग लक्ष्य निर्धारित करते हुए भूमि आवंटन सहित अन्य स्वीकृतियों की प्रक्रियाओं में तेजी लाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि एमओयू के समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही, उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने एवं संबंधित निवेशकों से निरंतर संवाद रखने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में ऊर्जा, उद्योग, खनन, पर्यटन, स्वायत शासन, कृषि, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, आयुष, स्कूल शिक्षा, युवा एवं खेल, तकनीकी शिक्षा सहित अन्य विभागों से संबंधित एमओयू की प्रगति को लेकर चर्चा की गई।

ई20 विवाद: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर किया मानहानि केस

एजेंसी

मुंबई । केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया है। फिलहाल, हाईकोर्ट ने गडकरी की याचिका को मंजूर किया है और अंतरिम राहत की मांग पर सुनवाई तय की है। यह मामला एआई से बने कथित डीपफेक वीडियो और सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट से जुड़ा है, जिनमें नितिन गडकरी और उनके परिवार को ई20 एथेनॉल पॉलिसी से जोड़ा गया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने याचिका में विवादित सामग्री के प्रसार पर रोक लगाने की मांग की है। नितिन गडकरी ने इस मामले में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'मेटा' (फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी) और 'एक्स' को प्रतिवादी बनाया है। याचिका के अनुसार, सोशल मीडिया पर कई पोस्ट और वीडियो में दावा किया गया है कि गडकरी और उनके परिवार के सदस्यों को केंद्र सरकार की एथेनॉल पॉलिसी से आर्थिक लाभ हुआ है।

हालांकि, इन आरोपों को केंद्रीय मंत्री ने बेबुनियाद और झूठ करार दिया है। उन्होंने कहा कि ये आरोप

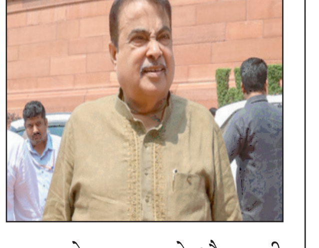

जनता को गुमराह करने और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए गढ़े गए हैं।

अपनी याचिका में गडकरी ने कहा कि ई20 एथेनॉल पॉलिसी पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आती है, न कि सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय में है। इस वजह से ये आरोप तथ्यों के आधार पर गलत हैं।

ई20 के खिलाफ 'आप' का अभियान तेज,केजरीवाल ने की युवाओं से राष्ट्रीय टाउनहॉल में शामिल होने की अपील

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार की ई 20 नीति को लेकर एक बार फिर अपनी आवाज बुलंद की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से देश के युवाओं से एकजुट होकर इस मुद्दे पर अपनी राय रखने और आंदोलन का हिस्सा बनने की अपील की है। ई 20 के मुद्दे पर भी देश के युवाओं को संगठित होकर अपनी बात मजबूती से रखनी होगी। ई 20 पर भी हमें एक होकर आवाज उठानी पड़ेगी।' उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि यह केवल किसी एक संगठन या राजनीतिक दल का विषय नहीं है, बल्कि देश के भविष्य और आम जनता से जुड़ा मुद्दा है। इसलिए अधिक से अधिक युवाओं को इस अभियान में भाग लेना चाहिए।

'काला हिरण' पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

सोशल मीडिया से टीजर हटाने का निर्देश | अमित जानी को लगाई फटकार

एजेंसी

नई दिल्ली । बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी' के बीच चल रहे विवाद मामले पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और यूट्यूब पर मौजूद फिल्म से जुड़े लिंक हटाने का निर्देश दिया है। इतना ही नहीं, अदालत ने फिल्म के निर्माता अमित जानी के रवैये पर भी नाराजगी जताई और उन्हें कड़ी फटकार लगाई। दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान अदालत ने अमित जानी के वकील से कहा कि ऐसा लगता है कि पिछली सुनवाई में कोई आदेश पारित नहीं होने पर आपको हिम्मत मिल गई है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, ''आपको इस बात से हिम्मत मिल रही है कि पिछली बार कोई आदेश पारित नहीं हुआ था। आपको लगता है कि आप कानून से ऊपर हैं। आप दिन-प्रतिदिन बदतर होते जा रहे हैं। आप किसी आम व्यक्ति के साथ भी ऐसा नहीं कर सकते।'' अदालत ने फिल्म के प्रमोशनल कंटेंट को लेकर नाराजगी

जाहिर की। सुनवाई के दौरान अमित जानी की ओर से पेश वकील ने अदालत में दलील दी कि अभी केवल फिल्म का टीजर जारी किया गया है और इससे किसी के व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ एक टीजर है। इसमें कहीं भी सलमान खान का नाम नहीं लिया गया है। इसमें कोई डीपफेक या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार किया गया वीडियो भी नहीं है। सार्वजनिक घटनाओं पर आधारित कहानी दिखाने पर किसी का विशेष अधिकार नहीं हो सकता।'' वहीं, सलमान खान की ओर से पेश वकील ने इन दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि फिल्म में भले ही नाम न लिया गया हो, लेकिन अभिनेता की पहचान और छवि का स्पष्ट रूप से इस्तेमाल किया गया है।

'वंदे मातरम भारत की आत्मा'

● इसे सांप्रदायिक रंग देने वाले सफल नहीं होंगे: भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी, उत्तर प्रदेश के मंत्री अनिल राजभर और बिहार के पूर्व मंत्री सुरेश कुमार शर्मा एंटी-पेपर लीक बिल और एनटीए सुधार टास्क फोर्स पर प्रतिक्रियाएं दी। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने बातचीत में कहा, 'पीएम नरेंद्र मोदी समस्याओं को सुलझाने के लिए बहुत समझदारी से काम कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से कुछ लोग लगातार राजनीतिक रुकावटें पैदा करने में लगे हुए हैं। आज जंतर-मंतर पर छात्रों और युवाओं का लोकतांत्रिक जोश और जज्बा सम्मान के काबिल है। हालांकि सभी को सतर्क रहने की जरूरत है ताकि वैश्विक संकट के इस दौर में कोई ऐसी ताकत न उभरे जो देश में अस्थिरता का माहौल बनाए और भारत को संकट का सामना कर रहे देशों की श्रेणी में धकेल दे।' मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, 'मेरा मानना है कि वंदे मातरम को लेकर जो राजनीतिक असहिष्णुता और सांप्रदायिक छुआछूत का माहौल है, उसे खत्म किया जाना चाहिए। वंदे मातरम भारत की आत्मा है। यह भारत के सम्मान, गौरव और शान से जुड़ा है और जो लोग इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं, वे सफल नहीं होंगे।'

परेशान कतई न हों, हर उचित समस्या का निष्पक्षता से कराएंगे समाधान: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

● 'शिकायतों का निस्तारण और समस्याओं का समाधान शीघ्रता से कराया जाए'

एजेंसी

लखनऊ । यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक व्यक्ति से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यहां आए लोगों से कहा कि आप परेशान कतई न हों, सरकार हर उचित समस्या का निष्पक्ष समाधान कराएगी। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों से भी बातचीत की, उनकी पढ़ाई और रूचि के बारे में भी जाना, फिर सभी को चॉकलेट भी दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं-शिकायतें सुनीं। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि परेशान न हों, सबकी उचित समस्या पर प्रभावी कार्रवाई कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि यहां आई शिकायतों का निस्तारण और समस्याओं का समाधान शीघ्रता से कराया

जाए। मुख्यमंत्री 'जनता दर्शन' में आए फरियादियों के पास पहुंचे और एक-एक कर उनके प्रार्थना पत्र लेते हुए शिकायतों व समस्याओं को सुना। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा-परेशान न हों, सबकी उचित समस्या पर प्रभावी कार्रवाई कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने पास में खड़े अधिकारियों को निर्देशित किया कि यहां आई शिकायतों का निस्तारण और समस्याओं का समाधान शीघ्रता से कराया जाए। अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी का निस्तारण निष्पक्ष और समयबद्ध होना चाहिए। अपराध व जमीन पर जबरन कब्जा किए जाने संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सीजेपी सदस्यों की कथित होटल पार्टी का वीडियो वायरल

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के जंतर-मंतर पर कई दिनों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) का एक कथित होटल पार्टी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद संगठन की कार्यशैली, नेतृत्व और आंदोलन की फंडिंग को लेकर सोशल मीडिया पर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। वीडियो को वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया है, जिसके बाद आंदोलन और संगठन को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। NEET-UG परीक्षा में कथित धांधली के खिलाफ कई सप्ताह तक चले आंदोलन के बाद 25 जुलाई 2026 को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों की बड़ी जीत बताया गया। इसके तुरंत बाद सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो वायरल हुआ, जिसमें CJP के कुछ लोग एक होटल में पार्टी करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में जश्न का माहौल दिखाई दे रहा है, जहां नाच-गाना भी चल रहा है। वीडियो शेयर करते हुए महेश जेठमलानी ने सवाल उठाया कि क्या वास्तव में ऐसा हो रहा है और क्या CJP नेतृत्व दिल्ली के एक होटल में पार्टी कर रहा है। महेश जेठमलानी ने कहा कि दिल्ली में कई दिनों तक विरोध प्रदर्शन चले। उन्होंने सवाल किया कि इस दौरान यात्रा, खाने और रहने का खर्च किसने उठाया और इस आंदोलन की फंडिंग किसके द्वारा की गई। उन्होंने इससे पहले भी छ्छ्क्के आंदोलन और नेतृत्व को लेकर कई बार बयान दिए हैं।

अमित मालवीय ने वीडियो को लेकर क्या कहा?: भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी यह वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने लिखा कि हर किसी को कड़ी मेहनत के बाद आराम करने और जश्न मनाने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए समय और जगह का भी महत्व होता है।

आज से दिल्ली में हो सकती है झमाझम, दिल्ली समेत कई इलाकों में गिरेगा तापमान

-आईएमडी ने मंगलवार-बुधवार को बारिश को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीआर के कई इलाकों में झमाझम बारिश की उम्मीद है। मौसम विभाग की मानें तो सोमवार से बारिश का दौर फिर शुरू हो सकता है जो पूरी जुलाई लोगों को भिगोता रहेगा। वहीं सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में बादल छाए रहेंगे। सुबह से लेकर रात तक कई दौर में बारिश हो सकती है। यह बारिश हल्की से मध्यम स्तर की होगी।

दिल्ली समेत नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और गाजियाबाद में सोमवार से मॉनसून सक्रिय होने जा रहा है। ऐसे में बारिश के चलते तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी और मौसम में ठंडक होगी। एनसीआर में सुबह से दोपहर के बीच बहुत हल्की बारिश के साथ कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश हो सकती है। रात में भी बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो सोमवार को दक्षिण-पश्चिमी दिशा से हवाएं 10-20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी, जबकि अधिकतम तापमान गिरावट के साथ 34 से 36 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा जो सामान्य से काफी कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, इससे गर्मी से राहत मिलेगी।

इस दौरान एनसीआर में उमस का स्तर ऊंचा बना रहेगा, जिससे मौसम कुछ हद तक चिपचिपा हो सकता है, लेकिन बादलों और बारिश की वजह से तेज गर्मी से राहत मिलेगी। आईएमडी के मुताबिक एनसीआर के अन्य शहरों, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में भी कमोबेश यही स्थिति रहने वाली है। वहां भी आंशिक से सामान्यतः बादल छाए रहेंगे और एक-दो दौर की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। वहीं मंगलवार से बारिश की गतिविधियां और बढ़ने वाली हैं जो जुलाई के इस आखिरी सप्ताह तक जारी रहेंगी। आईएमडी ने मंगलवार और बुधवार को मध्यम बारिश को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। अगले कुछ दिनों में तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में ज्यादा बारिश नहीं हुई, लेकिन मानसूनी धाराएं सक्रिय होने से आने वाले दिनों में राहत की उम्मीद है। जलभराव वाले इलाकों में सावधानी बरतें, छतरी या रेनकोट जरूर साथ रखें और ट्रैफिक में देरी की आशंका को ध्यान में रखकर निकलें। बिजली गिरने की संभावना वाले इलाकों में खुले में न रहें। आगे के दिनों में मानसून और सक्रिय होने से तापमान सामान्य से थोड़ा नीचे रह सकता है।

वांगचुक को अस्पताल से मिल सकती है छुट्टी, डिस्चार्ज होते ही सीधे जा सकते हैं राजघाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में 26 दिन अनशन पर रहे सोनम वांगचुक को मेदांता अस्पताल से सोमवार को छुट्टी मिल सकती है। यहां से डिस्चार्ज होते ही वांगचुक सीधे राजघाट पहुंच सकते हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक वांगचुक को आईसीयू से वॉर्ड में शिफ्ट किया जा चुका है। बता दें सोनम वांगचुक तबीयत खराब होने के चलते पिछले कई दिनों से गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती थे। अनशन के दौरान पुलिस ने उन्हें उठाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया था, लेकिन बाद में कोर्ट के आदेश पर सोनम मेदांता अस्पताल में भर्ती हुए थे। हालांकि यह भी खबर आ रही है कि सोनम अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सीधे अपने घर नहीं जाएंगे बल्कि दिल्ली के राजघाट जा सकते हैं। वे यहां महात्मा गांधी की समाधि पर जाएंगे और श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। ऐसे में एक सवाल उठ रहा है कि क्या वे कॉकरोच जनता पार्टी के लोगों से मिलने जंतर-मंतर भी जाएंगे, फिलहाल इसे लेकर कोई स्पष्ट खबर नहीं है, लेकिन हो सकता है कि वे राजघाट से सीधे घर जाएं और कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़े कुछ लोग उनसे मिलें। बता दें सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के अभिजीत दिपके के साथ मिलकर अनशन किया था, हालांकि केंद्र सरकार के आग्रह पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में उन्होंने अपना अनशन तोड़ दिया था। केंद्र सरकार ने उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

30 दिन में निपटाएं सभी लंबित विवेचनाएं : पुलिस आयुक्त

वाराणसी (एजेंसी)। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कैंप कार्यालय में कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी विवेचना 30 दिन से अधिक लंबित न रहे तथा सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जघन्य अपराध, गैंग्सटर, गोवध और एनडीपीएस अधिनियम से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने इन सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने ई-समन, ई-नोटिस, ई-वारंट जैसे डिजिटल उपकरणों के प्रभावी उपयोग और डिजिटल साक्ष्यों के समयबद्ध अपलोड के भी निर्देश दिए। गैर-जमानती वारंटों के निष्पादन हेतु तीन दिवसीय अभियान चलाकर अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। मोहित अग्रवाल ने मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रखने पर जोर दिया। उन्होंने महिला अपराधों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए तत्काल एफआईआर, निष्पक्ष विवेचना और त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। आगामी त्योहारों के मद्देनजर पुलिस आयुक्त ने संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता, गश्त, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, समुचित यातायात प्रबंधन और निरंतर निगरानी के निर्देश दिए। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय) शिवहरी मीणा सहित सभी राजपत्रित अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि सभी थाना प्रभारी गूगल मीट के माध्यम से जुड़े।

पानी की टंकी में मृत मिला पूरा परिवार, इलाके में छाया मातम, पुलिस जांच में जुटी

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर जिले के लोहारकी गांव में एक ही परिवार के चार सदस्य पानी की टंकी में मृत मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शवों का पता रविवार देर रात चला। इस घटना के बाद गांव में मातम छा गया। पुलिस आत्महत्या के शक समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक घटना रविवार रात करीब 9 बजे की है। रामदेवरा एसएचओ ने बताया कि जसराज के भाई ने उसे पानी की टंकी में कूदते हुए देखा और शोर मचाया। परिवार के सदस्य और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन जब तक वे टंकी तक पहुंचे, तब तक चारों की मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान जसराज सुथार (29), उसकी पत्नी निर्मा (25), 10 साल के बेटे भरत और 5 साल की बेटी मनीषा के तौर पर हुई है। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने टंकी से शव निकाले। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, सबूत इकट्ठा किए और महिला के रिश्तेदारों को सूचना दी। अधिकारियों ने कहा कि घटना की असली वजह का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही चलेगा। पुलिस परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है, ताकि इस घटना के कारणों का पता लगाया जा सके। शुरुआती जांच से पता चलता है कि पति-पत्नी के बीच घरेलू झगड़ा हो सकता है सभी पहलुओं की जांच जारी है। इस घटना से लोहारकी गांव और आसपास के इलाकों के लोग गहरे सदमे में हैं। घटना के बारे में सुनकर ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जांच पूरी होने तक कोई अटकलें न लगाएं।

मुंबई एयरपोर्ट पर बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, कोलंबो से लौटा था

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। वह कथित तौर पर फर्जी तरीके से बनवाए दस्तावेजों के आधार पर भारत में रह रहा था। कोलंबो से लौटते समय हवाई अड्डे पर उसे पकड़ा गया। पुलिस ने खुलासा किया कि कोलकाता में रहते हुए आरोपी ने आधार कार्ड और पैन कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज बनवाए थे, जिसके बाद उसने भारतीय पासपोर्ट हासिल किया। इन पासपोर्ट के जरिए वह मालदीव और कोलंबो की यात्रा कर चुका था। आरोपी की पहचान बाबू बिस्वास उर्फ तपस बिस्वास के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि कोलंबो से लौटते समय मुंबई एयरपोर्ट पहुंचने के बाद आरोपी तपस इमिग्रेशन काउंटर पर स्टांप लगवाने पहुंचा था। सहायक इमिग्रेशन अधिकारी को उसके पासपोर्ट पर शक हुआ। अधिकारी ने उससे पूछताछ की, जिस दौरान संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने बताया कि आगे पूछताछ के लिए इमिग्रेशन विंग के प्रभारी और ड्यूटी अधिकारियों के सामने पेश किया गया। इसके बाद यह साफ हो गया कि वह बांग्लादेश के फरीदपुर का रहने वाला है। पुष्टि तब हुई जब उसने घर पर अपनी पत्नी को व्हाट्सएप पर कॉल किया और उससे बांग्लादेशी नागरिकता के प्रमाण के तौर पर कुछ दस्तावेज भेजने को कहा। इसके बाद उसे बाबू विश्वास के पिता के नाम पर बांग्लादेश में रजिस्टर्ड जमीन के दस्तावेजों की फोटोकॉपी मिली।

फुटपाथ हादसे में मृतकों के परिजनों को पूरा मुआवजा देने के आदेश : हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मजबूरी में फुटपाथ पर सो रहे लोगों को सड़क हादसे का जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 2015 के मादीपुर मेट्रो स्टेशन के नीचे हुए दर्दनाक हादसे में मृतकों के परिजनों और घायलों का 50 प्रतिशत मुआवजा घटाने के आदेश को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि फुटपाथ पर सोना उनकी लापरवाही नहीं, बल्कि परिस्थितियों की मजबूरी थी। ऐसे में उन्हें उचित और पूरा मुआवजा मिलना चाहिए। यह हादसा अक्टूबर 2015 में हुआ था, जब एक तेज रफ्तार ट्रक फुटपाथ पर चढ़ गया और वहां सो रहे लोगों को कुचल दिया। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे।

बेंगलुरु : प्रदर्शन में उमर खालिद-शरजील इमाम के समर्थन में तख्ती लेने पर एफआईआर

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में छात्र प्रदर्शन के दौरान जेल में बंद कार्यकर्ताओं उमर खालिद और शरजील इमाम के समर्थन में तख्तियां दिखाने वाली एक अज्ञात महिला पर पुलिस ने प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। यह कार्रवाई शुक्रवार शाम हुई घटना के संबंध में की गई है। बंदोबस्त ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस उपनिरीक्षक की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज हुआ है। शिकायत के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब पांच से साढ़े पांच बजे के बीच, बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के बीच एक युवती को 'उमर खालिद जिंदाबाद', 'शरजील इमाम जिंदाबाद' और 'उखाड़ ले बीएलआर पुलिस' जैसे नारे लिखी तख्तियां पकड़े देखा गया।

सही निकली राहुल गांधी की बात, आरएएफ जवान ने पैलेट गन से किए थे सात फायर

-सीजेपी के प्रदर्शनकारी हुए थे घायल जिसमें एक पत्रकार भी था शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर कॉकरोज जनता पार्टी (सीजेपी) की अगुवाई में जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के इस्?तेमाल को लेकर सनसनीखेज खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि आरएएफ की तरफ से प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन का इस्?तेमाल किया गया था। सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फ़ोर्स (सीआरपीएफ) को पता चला है कि उसकी रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के एक जवान ने जिसे 20 जुलाई को संसद तक विरोध मार्च के दौरान कनॉट प्लेस इलाके में तैनात किया था, अपनी पैलेट गन से कम से कम सात राउंड फायर किए। एक अखबार में प्रकाशित खबर के मुताबिक पांच राउंड प्रदर्शनकारियों को लगे, जबकि दो ज़मीन पर लगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीआरपीएफ ने इस बात की जांच शुरू की थी कि क्या प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई में आरएएफ जवानों ने पेलेट गन का इस्तेमाल किया था। विरोध मार्च के दौरान पैलेट गन से लगी चोटों के लिए कम से कम तीन लोगों गुरुग्राम में काम करने वाले इरशाद शेख, दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र साहिल लोचब और एक पत्रकार का अस्पतालों में इलाज किया गया। एक सूत्र ने बताया कि आरएएफ जवानों द्वारा की गई लॉग एंट्रीज़ की जांच के बाद यह पता चला है कि कनॉट प्लेस में आरएएफ के एक जवान ने कुल सात पेलेट राउंड फायर किए थे। ये राउंड तब फायर किए गए जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया और पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। आरपीएफ के डीजी ने अपना पहले वाला बयान दोहराया कि अब, चूंकि आंदोलन वापस ले लिया गया है और जमा हुए लोग चले गए हैं, इसलिए हम घटना के बाद पेशेवर तरीके से समीक्षा करेंगे जैसा कि हम हर बड़े काम के बाद करते हैं और फिर आपको फोर्स हेडक्वार्टर का नजरिया बताएंगे।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी बीते 24 जुलाई को सरकार पर प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पैलेट गन का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था और कहा था कि 'अपराधी शिक्षा मंत्री' धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटना ही होगा। राहुल गांधी ने दिल्ली में छात्रों के विरोध प्रदर्शन में पैलेट गन के इस्तेमाल से घायल हुए युवक साहिल को मीडिया के सामने पेश किया था और कहा था कि ऐसे 'हजारों युवाओं' के खिलाफ बर्बर कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा था कि सरकार कह रही है कि पैलेट गन का इस्तेमाल नहीं हुआ, जबकि उस समय पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया जब यह युवक देश का तिरंगा लेकर खड़ा था।

पेपर लीक जवाबदेही को लेकर शिवकुमार के बयान पर भाजपा हुई हमलावर

मुख्यमंत्री बोले- पेपर लीक होने पर डिप्टी कमिश्नर होंगे जिम्मेदार

-भाजपा ने कहा- जिम्मेदारी अधिकारियों की नहीं, सरकार और मुख्यमंत्री की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में छात्र आंदोलन और पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अब पेपर लीक मामलों में जवाबदेही तय करने को लेकर कर्नाटक की राजनीति गरमा गई है। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के उस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है, जिसमें उन्होंने कहा कि यदि राज्य में भविष्य में किसी भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होता है तो संबंधित जिले के डिप्टी कमिश्नर को जिम्मेदार माना जाएगा। भाजपा ने इस बयान को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है।

भाजपा का आरोप है कि राज्य सरकार भर्ती परीक्षाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय पहले से ही अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराने की तैयारी कर रही है। पार्टी का कहना है कि परीक्षा प्रणाली की जवाबदेही अंततः सरकार और मुख्यमंत्री की होती है, इसलिए भविष्य में किसी भी पेपर लीक की स्थिति में मुख्यमंत्री को जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए।

कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के साथ कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में कांग्रेस राजनीतिक जवाबदेही की मांग करती है, जबकि कांग्रेस शासित राज्यों में वही जिम्मेदारी अधिकारियों पर डालने की कोशिश की जा रही है। आर. अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री का ध्यान भर्ती प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने पर होना चाहिए, न कि संभावित घटनाओं के लिए पहले से जिला प्रशासन को जिम्मेदार घोषित करने पर। उन्होंने इसे कांग्रेस का दोहरे मानदंड वाला रवैया बताते हुए कहा कि राजनीतिक नेतृत्व अपनी जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रहा है। भाजपा ने स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में कर्नाटक में किसी भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है तो उसकी राजनीतिक जिम्मेदारी मुख्यमंत्री और राज्य सरकार की होगी।

चढ़ावा चोरी मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, नई एसआईटी अफसरों ने नाम पेश करेगी सरकार

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान यूपी सरकार नई एसआईटी के गठन से जुड़े अधिकारियों के नाम कोर्ट में पेश कर सकती है। बता दें राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नई एसआईटी का गठन किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में 13 जुलाई को सुनवाई में यूपी सरकार को एक सीनियर आईपीएस अधिकारी की अगुवाई में नई एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया था। इससे पहले अयोध्या स्थित राम मंदिर का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट की 22 जुलाई को हुई बैठक में मंदिर में पूजा-पाठ की पूरी व्यवस्था के लिए गठित 'धार्मिक समिति' का पुनर्गठन करके उसमें अयोध्या के पांच संतों समेत कुल नौ सदस्यों को शामिल करने और ट्रस्ट का एक प्रवक्ता तथा सचिव नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन और कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने बताया कि बैठक में ट्रस्ट के सीईओ पद के लिये बड़ी संख्या में आवेदन आने की वजह से नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के लिए मांगा गया एक माह का अतिरिक्त समय देने पर भी सहमति बनी, साथ ही इस कार्य में हो रहे देरी को देखते हुए एक सचिव की नियुक्ति का फैसला लिया गया। बैठक में ट्रस्ट के सदस्यों ने सावन के महीने में श्रद्धालुओं की संख्या में संभावित बढ़ोत्तरी के लिए की गई तैयारियों, ट्रस्टी के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया में हुई प्रगति और कई प्रशासनिक व वित्तीय मुद्दों की समीक्षा की। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ने बताया कि ट्रस्टी मंडल ने अनियमितताएं सामने आने के बाद बैंक की प्रक्रिया और गंभीरता के अभाव पर निराशा प्रकट की है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट की वित्त समिति को बैंक के साथ संबंधों पर और मानक प्रक्रियाओं पर पुनर्विचार कर समुचित निर्णय लेने को कहा है।

फिर लौट रहा कोरोना ! नए मामलों ने बढ़ाई टेंशन, अस्पतालों ने की तैयारी

-10 नए मामले से मचा हड़कंप, स्वास्थ्य विभाग ने भी निगरानी बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना के नए मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण भारत में खासतौर पर एक बार फिर कोविड-19 के कुछ और मामलों के सामने आने से डर बढ़ गया है। पहले से ही 39 कोरोना मामलों को झेल रहे आंध्र प्रदेश में पिछले 24 घंटों में 10 नए मामले सामने आए हैं और कुल केस 49 हो गए हैं। इससे कोरोना की नई लहर आने का खतरा पैदा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आंध्र प्रदेश में कोविड-19 का कहर शुरू होने के साथ ही उत्तर भारत में भी कुछ केस सामने आए हैं। हालांकि इससे मौतें अभी तक दक्षिण भारत में ही हुई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आंध्रप्रदेश में 10 नए मामले सामने आने से आसपास हड़कंप मचा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने अपने बुलेटिन में जानकारी देते हुए बताया है कि अब इस राज्य में कुल मामले बढ़कर 49 हो गए हैं। खास बात है कि ये मामले कई शहरों के हैं, ऐसे में यह डर भी सता रहा है कि कोरोना का दायरा एक शहर न होकर कई शहरों तक फैल गया है। बुलेटिन के मुताबिक 10 नए मामलों में से 3 गुंटूर जिले से, 2 एनटीआर जिले से और 1-1 मामला अल्लूरी सीताराम राजू, एलुरु, कृष्णा, तिरुपति और विशाखापत्तनम जिलों से हैं। इस राज्य में अभी तक 302 संदिग्ध सैंपलों की जांच की गई है, जिसमें से 49 पॉजिटिव निकल चुके हैं। जहां तक कोरोना के आउटब्रेक का मामला है तो सबसे ज्यादा मामले पूर्वी गोदावरी से हैं और यहां 11 केस मिले हैं। इसके बाद गुंटूर में 9, कडपा में 8, विशाखापत्तनम में 5 और एनटीआर में 3 मामले हैं। काकीनाडा, एलुरु और बापटला में 2-2 मामले हैं, जबकि कुछ अन्य जिलों में 1-1 मामला दर्ज हुआ है।

इन सभी 49 कोविड मरीजों में 24 लोग अस्पताल में भर्ती हैं और इनका इलाज चल रहा है। जबकि 16 मरीज कोविड के माइल्ड लक्षणों के साथ घर पर आइसोलेशन में हैं। अभी तक 5 मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं. जबकि चार लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल रोजाना नए मामले मिलने के चलते प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है और स्वास्थ्य विभाग ने भी अलग-अलग जिलों में निगरानी बढ़ा दी है। जिला रैपिड रिस्पॉन्स टीमें भी मरीजों की हालत को बारीकी से देख रही हैं और उनसे जुड़े लोगों को ट्रैक कर रही हैं ताकि उनके संपर्क में आए लोगों का पता चल सके और उनकी भी जांच की जा सके। विभाग का कहना है कि मरीजों की जांच के लिए आरटी-पीसीआर किट उपलब्ध हैं। अस्पतालों में कोविड की तैयारियां चाक-चौबंद की जा रही हैं।

विजय के बाद धनुष के राजनीति में एंट्री के संकेत?

-समाज सेवा की अपील के बाद राजनीतिक गलियारे में अटकलें हुईं तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता और निर्देशक धनुष के राजनीति में आने की अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं। हाल ही में आयोजित एक ब्लड डोनेशन कैंप में उन्होंने अपने प्रशंसकों से समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनके संभावित राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

रविवार को धनुष के प्रशंसकों की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में अभिनेता ने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का एक मंच पर एकत्र होना अपने आप में बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि इस एकजुटता को केवल फिल्मी आयोजनों, ऑडियो लॉन्च या फैन मीट तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। अपने संबोधन में धनुष ने प्रशंसकों से अपने आसपास रहने वाले जरूरतमंद परिवारों की पहचान कर हर संभव मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि उनके प्रशंसक समाज के लिए सकारात्मक कार्य करेंगे तो उन्हें उन पर और अधिक गर्व होगा। अभिनेता के इस संदेश का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई यूजर्स ने अनुमान लगाया कि अभिनेता थलपति विजय की तरह धनुष भी भविष्य में राजनीति का रुख कर सकते हैं। कुछ लोगों ने लिखा कि तमिलनाडु की राजनीति में एक नई और सशक्त आवाज की जरूरत है, जबकि कुछ ने यहां तक कयास लगाए कि धनुष जल्द अपनी राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि, धनुष ने अपने संबोधन में कहीं भी राजनीति में प्रवेश या किसी राजनीतिक दल के गठन का ऐलान नहीं किया। उनकी ओर से केवल समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। ऐसे में उनके राजनीति में आने की चर्चाएं फिलहाल केवल अटकलों तक ही सीमित हैं। वैसे भी तमिलनाडु में फिल्मी सितारों के राजनीति में आने की लंबी परंपरा रही है। हाल के वर्षों में अभिनेता थलपति विजय के राजनीतिक सफर की शुरुआत के बाद अब धनुष को लेकर भी चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि, उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर स्थिति तभी स्पष्ट होगी जब वह स्वयं इस संबंध में कोई औपचारिक घोषणा करेंगे।

सोची समझी रणनीति है प्रधान का इस्तीफा, अब होगा बड़ा सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में भड़के छात्र आंदोलन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। आंदोलन की शुरुआत से ही छात्र इसकी मांग कर रहे थे। अपने फैसलों पर अडिग रहने के लिए मशहूर सरकार को इस संवेदनशील मुद्दे पर छात्रों के दबाव के आगे कदम पीछे खींचने पड़े हैं। शीर्ष सरकारी सूत्रों के अनुसार, केंद्र के इस कदम के पीछे असंतोष को शांत करने और स्थिति को बिगड़ने से रोकने की एक सोची-समझी रणनीति है।

सरकार का मुख्य उद्देश्य छात्रों के असंतोष और गुस्से को किसी भी राजनीतिक या देश-विरोधी ताकतों द्वारा भुनाए जाने से रोकना था। केंद्र सरकार ने प्रमुख राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं को अपनी विफलता के रूप में स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री का स्पष्ट मानना था कि प्रभावित छात्रों द्वारा उठाई गई चिंताएं और मांगें पूरी तरह से जायज थीं, जिसके चलते जवाबदेही तय करते हुए यह इस्तीफा स्वीकार किया गया।

अपने इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने एक भावुक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि बीते दिनों के घटनाक्रम ने उन्हें गहराई से दुखी किया है और यह मुद्दा उनकी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे नहीं चाहते कि कोई भी देश-विरोधी ताकतें इस संवेदनशील स्थिति का फायदा उठाएं। देश की एकता अक्षुण्ण रहनी चाहिए और किसी भी मासूम छात्र का भविष्य कानूनी उलझनों में नहीं फंसना चाहिए। छात्र अपना बहुमूल्य समय पढ़ाई और करियर बनाने में लगाएं, इसी सोच के साथ उन्होंने अपना त्यागपत्र सौंपा।

सरकारी सूत्रों के मुताबिक, सरकार पहले दिन से ही इस बात को लेकर बेहद गंभीर थी कि आंदोलनकारी छात्रों का इस्तेमाल राजनीतिक मोहरे के रूप में न किया जाए। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग को पूरा करके सरकार का उद्देश्य यही था कि छात्र लंबे समय तक चलने वाले आंदोलनों को छोड़कर वापस अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकें। इस कदम से जंतर-मंतर जैसे प्रमुख स्थानों पर जारी विरोध-प्रदर्शनों को शांत करने में मदद मिलेगी। तात्कालिक राजनीतिक गतिरोध समाप्त होने के बाद अब केंद्र सरकार का पूरा ध्यान परीक्षा प्रणाली में बड़े और संरचनात्मक सुधारों पर केंद्रित हो गया है। भावी योजनाओं के तहत राष्ट्रीय स्तर की सभी प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं को चरणबद्ध तरीके से कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) फॉर्मेट में ट्रांसफर किया जाएगा ताकि पेपर लीक की गुंजाइश पूरी तरह खत्म हो सके। साथ ही राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की निगरानी को भी और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

60 छात्रों ने वेस्ट-टू-आर्ट प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

अयोध्या। अयोध्या में कुशमाहा स्थित एमआरएफ (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) स्वच्छ केंद्र में शनिवार को फैजाबाद जीनियस इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए वेस्ट-टू-आर्ट प्रतियोगिता और एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अयोध्या नगर निगम, सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एजुकेशन (सीईई) और लेंडिंग हैंड्स फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से हुआ। कार्यक्रम में कॉलेज के 60 विद्यार्थियों ने 10 समूहों में भाग लिया। एमआरएफ केंद्र पर विद्यार्थियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरे के प्रकार, स्रोत स्तर पर गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण और पुनर्चक्रण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। उन्होंने केंद्र का भ्रमण कर कचरे की छंटाई और रीसाइक्लिंग की कार्यप्रणाली भी देखी। अपर नगर आयुक्त भारत भार्गव ने कहा कि स्वच्छ शहर के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से घरों में गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने और कूड़ा संग्रहण वाहन को पृथक कचरा ही देने का आग्रह किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पुनर्चक्रण योग्य सामग्री से उपयोगी और आकर्षक कलाकृतियां तैयार कर प्रदर्शित कीं। नगर निगम अधिकारियों ने उनका मूल्यांकन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन समूहों को पुरस्कृत किया गया। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र दिए गए। कार्यक्रम में मुख्य सफाई निरीक्षक अकील खान, सहायक सफाई निरीक्षक राकेश वर्मा सहित अन्य अधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे।

हरियाणा में विशेष गहन पुनरीक्षण का पहले चरण का कार्य पूरा

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने कहा कि प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण के पहले चरण का कार्य 100 प्रतिशत पूरा हो गया है। अब 31 जुलाई को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की जाएगी जिसे वेबसाइट के साथ हर जगह प्रकाशित किया जाएगा। उन्होंने यह बात सेक्टर-17 स्थित हरियाणा सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान एडिशनल सीईओ श्रीमती रितु और श्री अपूर्व व ज्वाइंट सीईओ श्री राज कुमार लोहान भी मौजूद रहे। उन्होंने एसआईआर के दौरान कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों का सहयोग के लिए धन्यवाद करते हुए कहा कि 20629 बीएलओ द्वारा 2 करोड़ 6 लाख 55 हजार से ज्यादा मतदाताओं को फॉर्म वितरित किए गए जिनमें से 1 करोड़ 72 लाख 71 हजार 361 मतदाताओं के फॉर्म डिजिटाइज किए गए हैं। जबकि 33 लाख 84 हजार 568 मतदाताओं के नाम दर्ज नहीं हो सके। इनमें से 13,75,278 जो स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके हैं 7,66,205 मृत, 2,04,916 पहले से दर्ज मतदाता जबकि 9,36,646 मतदाता अनुपस्थित पाए गए तथा 1,01,523 ऐसे मतदाता है जिन्होंने किसी अन्य कारण से गणना प्रपत्र वापिस जमा नहीं किए हैं। उन्होंने कहा कि अब 31 जुलाई से 30 अगस्त तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। अगर किसी मतदाता का नाम 31 जुलाई को प्रकाशित होने वाली लिस्ट में नहीं है तो वह फार्म 6 भर अपना नाम पुनः दर्ज करवा सकते हैं। फाइनल लिस्ट में उनका नाम शामिल कर लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी मतदाता का नाम बिना सुनवाई के नहीं कटेगा। ईआरओ के निर्णय पर मतदाता 15 दिन के अंदर जिला स्तर पर अपील कर सकता है फिर भी समस्या आती है तो 30 दिन के अंदर मुख्य निर्वाचन अधिकारी को अपील कर सकता है। 3 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। दावे व आपत्तियों के साथ-साथ 28 सितंबर तक नोटिस फेज व आपत्तियों के समाधान का कार्य भी चलेगा। नोटिस फेज में बीएलओ की तरफ से ऐसे मतदाताओं को नोटिस दिया जाएगा जिनका पिछले विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से मिलान नहीं हो पाया है या फिर मिलान में किसी भी प्रकार की विसंगतियाँ पाई गई हैं। फॉर्म 6 के माध्यम से पात्र व्यक्ति खुद का नाम मतदाता सूची में जो? सकते हैं। 01 जुलाई, 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को वोटर बनने के लिए फार्म 6 भरने की सुविधा दी गई है। जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में छूट गए हैं या जो किन्हीं वजहों से गणना प्रपत्र नहीं भर सके थे वह भी फॉर्म 6 भर सकते हैं। फॉर्म 7 के तहत मतदाता अपना नाम हटवाने के लिए भर सकते हैं जिनका नाम पहले से ही मतदाता सूची में है। फॉर्म 8 की मदद से मतदाता अपने मतदाता कार्ड में कुछ बदलाव करने या कोई गलती है तो उसे सुधारने के लिए भर सकते हैं। यह सुविधा ऑनलाइन भी उपलब्ध रहेगी। एसआईआर प्रक्रिया के सफल संचालन के लिए राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी , जिला निर्वाचन अधिकारी मुख्य रूप से कार्य कर रहे हैं। अगले फेज के लिए सहायक ईआरओ भी कार्य से जु ेंगे। जबकि मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा हर जिले की रिपोर्ट ली जा रही है। वहीं विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 37055 बूथ स्तरीय एजेंट भी इस प्रक्रिया में सहयोग कर रहे हैं। इसमें 19051 भारतीय जनता पार्टी, 15818 कांग्रेस, 1476 इनेलो, 54 आम आदमी पार्टी, 314 कम्युनिस्ट पार्टी, 342 जननायक जनता पार्टी द्वारा नियुक्त बीएलए-टू हैं।

अमरूद के बहाने खेला खूनी खेल, मधु को मारने की साजिश का संदीप ने खुद किया खुलासा

बागपत। घरेलू कलह में एक पति द्वारा अपनी ही पत्नी की बेरहमी से हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी पति ने पहले पत्नी को अमरूद तोड़ने के बहाने नलकूप पर बुलाया और फिर गला घोंटकर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद थाने पहुंचकर अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। यूपी के बागपत स्थित बराल गांव के रहने वाले संदीप का अपनी पत्नी मधु के साथ अक्सर विवाद रहता था। इसी कलह के चलते संदीप ने अपनी पत्नी को रास्ते से हटाने की खौफनाक साजिश रची। वह मधु को अमरूद तोड़ने के बहाने गांव के ही एक नलकूप पर ले गया। वहां मौका पाकर उसने मधु का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद संदीप सीधे पुलिस थाने पहुंचा

और पुलिसकर्मियों को पूरी घटना की जानकारी दी। हत्या की सूचना मिलते ही गांगनौली से मधु के मायके वाले थाने पहुंच गए। मधु के भाई कपिल ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2006 में उनकी बड़ी बहन प्रीति की शादी संदीप से हुई थी। बीमारी के चलते तीन साल बाद प्रीति का निधन हो गया था, जिसके बाद परिवार ने छोटी बहन मधु की शादी संदीप से करा दी। मधु और संदीप के दो बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा मौक्ष और बेटी मानवी है। कपिल का आरोप है कि संदीप अक्सर मधु के साथ मारपीट करता था और प्रताड़ित करता था, जिसकी शिकायत मधु ने कई बार अपने मायके में की थी। शनिवार को जब कपिल अपनी बहन से मिलने बहन के गांव पहुंचा, तो उसकी सास राजबाला ने गुमराह करते हुए बताया कि मधु डॉक्टर के पास गई है। इस पर कपिल वापस लौट गया, लेकिन कुछ ही देर बाद उसे अपनी बहन की हत्या की दुखद खबर मिली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने नलकूप पर पड़े मधु के शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपी संदीप को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उससे कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार, आरोपी संदीप का एक भाई (राजीव) यूपी पुलिस में दरोगा (सब-इंस्पेक्टर) के पद पर तैनात है। पुलिस हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है ताकि मृतका को न्याय मिल सके।

नशे में वृद्ध ने फंदा लगाकर दी जान, इस हरकत से परेशान होकर परिजनों ने कमरे में किया था बंद

बांदा। राज्य सेतु निगम में मिक्सर ऑपरेटर के पद से सेवानिवृत्त एक वृद्ध ने शुक्रवार की शाम फंदा लगाकर जान दे दी। घरवालों ने उन्हें शराब पीकर हंगामा व गाली-गलौज करने पर घर के अंदर बंद कर दिया था। शाम को जब पत्नी घर पहुंची और दरवाजा खोला तो घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना मटौंध क्षेत्र के गांव खैराड़ा निवासी रामू रैकवार (63) राज्य सेतु निगम में मिक्सर मशीन ऑपरेटर के पद पर काम करते थे और तीन साल पहले सेवानिवृत्त हुए थे। घर में वह पत्नी जमुना देवी व दो बेटों के साथ रहते थे। बड़े पुत्र मातादीन ने बताया कि उसके पिता अधिक शराब पीते थे और सुबह से ही नशे में रहते थे। शराब पीने के बाद वह परिजन को गाली-गलौज करते थे और हंगामा करते रहते थे। शुक्रवार की सुबह वह शराब के नशे में खुदकुशी करने के लिए ट्रेन की पटरी पर जा पहुंचे थे। उन्हें पकड़कर घर लाया गया और उन्हें कमरे में बंद कर दिया। शाम को जब मां घर पहुंची और दरवाजा खोला तो पिता का शव छत पर लगी धन्नी से रस्सी के सहारे लटक रहा था। यह देख मां ने शोर मचाया तो पड़ोस के लोग आ गए। सूचना पर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मातादीन ने बताया कि बृहस्पतिवार को पिता रामू ने परिवारिक भाई सुशील को फोन किया और कहा कि वह ट्रेन से कटने के लिए जा रहे हैं। यह बात पता चलने पर तुरंत उनकी खोजबीन की गई तो वह ट्रेन की पटरी पर मिले थे।

NAME CHANGE
I FARID AHMED S/O ZAHIR UD DIN R/O H.NO 313/71 D PLOT NO OLD -73 , 3RD FLOOR ANAND NAGAR INDER LOK DELHI -110035 have changed my name to MD FARID Permanently for all future

NAME CHANGE
I SURJEET KAUR KOHLI W/O PARAMJIT SINGH KOHLI R/O 20/9 ASHOK NAGAR WEST DELHI 110018 have changed my name to SURJEET KAUR Permanently for all future

NAME CHANGE
I, JITENDER TANWAR S/o SH.MADAN SINGH TANWAR R/o H NO E-84-A, E-BLOCK, GALI NO-11, SHYAM VIHAR PHASE 1 DINDARPUR, Najafgarh, PO: Najafgarh, DIST: South West Delhi, Delhi - 110043, have changed the name of my minor daughter JANNAT TANWAR aged 14 years and he shall hereafter be known as RAMYA for all purposes.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. IRFAN KHAN IS OWNER AND IN POSSESSION OF "SECOND FLOOR WITHOUT ITS ROOF RIGHTS (LHS UNIT), ADMEASURING 50 SQ. YARDS PART OF PROPERTY BEARING NO. 17-A OUT OF KHASRA NO. 25/41 SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE KHUREJI KHAS, ABADI OF GALI NO. 06, KRISHAN KUNJ EXTENSION, KRISHAN KUNJ-II, LAXMI NAGAR, ILLAQA SHAHDARA, DELHI-110092" AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 07.05.2026 (DOC. NO. 2026/5/I/3987) EXECUTED BY MR. SANJEEV KUMAR AND MR. SUNIL KUMAR. AND PREVIOUSLY MR. SANJEEV KUMAR AND MR. SUNIL BOTH HAD ACQUIRED THE SAID PROPERTY AFTER THE DEATH OF THEIR FATHER NAMELY MR. SOHAN LAL WHO DIED ON 08.11.2021 AS PER REGD. WILL DT. 14.10.2020 EXECUTED BY THEIR FATHER MR. SOHAN LAL. NOW MRS. JAGRITI GOSWAMI AND MR. YOGESH SHARMA ARE GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY FROM OWNER / SELLER MR. IRFAN KHAN, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH PNB HOUSING FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521.

NAME CHANGE
I, MOHAMMED YAMEEN S/O BUNDA KHAN R/O H NO D-37, DDA 4-STOREY FLAT, MATA SUNDARI ROAD, NEAR BARA KHAMBA FLYOVER, I P ESTATE, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name to MOHD YAMIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SWATI KHERA W/O KESHAV NAGPAL R/O HOUSE NO.F-6, STREET NO.3, MOTHER DAIRY, WEST CHANDER NAGAR, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 HAVE CHANGED MY NAME TO SWATI NAGPAL.

NAME CHANGE
I, hitherto known as UTKARSH DEV alias UTKARSH S/o VINOD KUMAR D-121, Millenium School, Sector-41, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201301, have changed my name and shall hereafter be known as UTKARSH DEV. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, Ravinder Kumar Pahuja S/o Shri Chander Bhan Pahuja Resident of 705/3 T-5, ward no.3, near Likhi Nath Kutia, Mehrauli, New Delhi-110030 have changed my name Ravinder Kumar to Ravinder Kumar Pahuja for all future purposes.

NAME CHANGE
I PARVEZ ALAM S/O MOHD JUBER R/O C-411 OLD SEEMAPURI EAST DELHI 110095 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD PARVEZ

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण जनता को इस माध्यम से सूचित किया जाता है कि श्रीमती संजू देवी, पत्नी श्री लाला जी प्रसाद, उपरोक्त संपत्ति क्रय करने की इच्छुक हैं, निर्मित संपत्ति संख्या 995/125 (पुराना) एवं नया संख्या IX/2030, क्षेत्रफल 42 वर्ग गज, खसरा संख्या 22 में स्थित, आबादी गली नं. 6, कैलाश नगर, ग्राम सीलमपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली, उक्त संपत्ति की वर्तमान स्वामिनी श्रीमती सपना जैन हैं, जिन्होंने यह संपत्ति श्री राज कुमार पुत्र श्री किशन चन्द से दिनांक 19.08.1999 की पंजीकृत सामान्य मुख्तारनामा, जो दस्तावेज संख्या 5665, वॉल्यूम संख्या 91, पृष्ठ संख्या 69 से 71, दिनांक 19.08.1999 को विधिवत पंजीकृत है, तथा उसके साथ निष्पादित Agreement to Sell एवं वसीयतनामा के आधार पर प्राप्त की थी, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति के क्रय हेतु Vastu Housing Finance Corporation Ltd., नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है, यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा पक्ष को उपरोक्त वर्णित संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, दावा, हित, आपत्ति, बंधक, ग्रहणाधिकार अथवा कोई अन्य दावा/आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 (सात) दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति के समर्थन में संबंधित दस्तावेजों सहित लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को रजिस्टर्ड डाक एवं ई-मेल के माध्यम से नीचे दिए गए पते पर प्रेषित करें। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा अथवा आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह माना जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार, दावा अथवा आपत्ति नहीं है तथा बाद में प्राप्त होने वाला कोई भी दावा या आपत्ति उक्त संपत्ति के संबंध में निरस्त एवं अमान्य मानी जाएगी।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, Sonu alias Jay Singh Kasana S/O Rajendra Prasad Kasana R/O H.No 29, Ram Vihar Colony, Loni Dehat, PO: Loni, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have changed my name and shall hereafter be known as Jay Singh Kasana

NAME CHANGE
I, MANGE RAM S/O MEHAR CHAND R/O Moradabad, PO: Modi Nagar, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204, have changed the name of my minor son YAGNIK aged 15 years and he shall hereafter be known as YUGANK.

NAME CHANGE
I, DEVI SINGH S/O DARSHAN SINGH R/O 866, NAEE RORI, Vijay Nagar, Modinagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204, have changed the name of my minor daughter GORI aged 14 years and she shall hereafter be known as MAHI.

BEDAKHAL
We, UMAPATI SINGH and my wife VANDANA DEVI declare as under that we disowned my Son ANAND from my all movable/ immovable/Patrick properties/assets for his wrong behaviour. We shall not be held responsible for any kind of acts done by him in money or transactions and police cases and criminal activity illegal/legal and property purposes in the future. That he debarred from entering my premises situated at H NO-218-19, 1ST FLOOR, KHICHRIPUR BUS STAND, DELHI-110091.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Premwati is the owner and in possession of a Freehold Residential Second Floor, Without Roof rights, built on Eastern Side Portion, House bearing Municipal No. 309/1, Built on Plot No. 135 to 136, area measuring 100 Sq. yards i.e, 83.61 Sq. meter, Gali No. 4, Situated at Khurd Bagh Kare Khan, area of Village Sadhora Khurd, Delhi. Our client acquired the said property by virtue of a Relinquishment Deed dated 12.03.2024 Doc. No. 2024/19/I/2657, Book No. 1, Vol No. 10495, Pg. No. 157 to 164, SRO-I Kashmere Gate & Relinquishment Deed dated 06.01.2025 Doc. No. 2025/19/I/306, Book No. 1, Vol No. 11695, Pg. No. 181 to 190, SRO-I Kashmere Gate., in the chain documents below mentioned document not available i.e., Death Certificate & SMC of Late Mr. Chuttan, Death certificate & SMC of Late Mr. Bhure Ram, Death Certificate & SMC of Late Mr. Hans Raj & Death certificate & SMC of Mrs. Saroj Devi, Death Certificate & SMC of Late Mr. Om Parkash died on 23.8.2023., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and same property sold too be Laxmi Singh and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Burari Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, Senti Singh W/o Ramvir Singh R/o H.No.- 526, Band Gali, Arthala Khara Kuan, Mohan Nagar, Ghaziabad Uttar Pradesh - 201007 have changed my name and shall hereafter be known as KM Senti Singh

NAME CHANGE
I, J RADHA mother of JC-442380Y, Rank-SUB Name-JINKA RAMESH BABU R/O VPO-YOUSUFGUDA, TEHSIL-KHAIRATHABAD, DIST-HYDERABAD, TELANGANA-508045, have changed my name from J RADHA to JINKA RADHA for all future purposes vide Affidavit dated 27/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, J LAXMAIAH father of JC-442380Y, Rank-SUB Name-JINKA RAMESH BABU R/O VPO-YOUSUFGUDA, TEHSIL-KHAIRATHABAD, DIST-HYDERABAD, TELANGANA-508045, have changed my name from J LAXMAIAH to JINKA LAXMAIAH for all future purposes vide Affidavit dated 27/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MORE RAMRAO IS LEGALLY FATHER OF NO -2815241L, RANK-L/HAV, NAME- MORE MADHAV RAMRAO, Presently Residing VILL-DHANORA (KD.), POST-KARKHELI TAH-DHARMABAD, DIST-NANDED STATE-MAHARASHTRA, PIN-431808 HAVE CHANGED MY NAME FROM MORE RAMRAO TO RAMRAO VITHALRAO MORE FOR ALL FUTURE PURPOSES AND IN MY SON'S SERVICE RECORD MY DATE OF WRONGLY MENTIONED AS 01/01/1961 CORRECT DATE OF BIRTH IS 01/01/1954 VIDE AFFIDAVIT DATED 27/07/2026 Before Public Notory Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मीना देवी, पत्नी श्री लानलान कुमार, जो संपत्ति आईडी - 1BUQQYW1 की मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 49.33 + 49.33 = 98.66 वर्ग गज है और जो खेवट/खाता संख्या 394//377, खातोनी संख्या 438, मु. संख्या 85, किला संख्या 11/3 (0-11), और खेवट/खाता संख्या 395//378, खातोनी संख्या 439, मु. संख्या 85, किला संख्या 20 (8-0), और खेवट/खाता संख्या 397//380, खातोनी संख्या 441, मु. में स्थित है। क्रमांक 85, किला क्रमांक 21 (7-9), क्षेत्रफल 49.33 + 49.33 = 98.66 वर्ग गज, वाका मोजा बल्लभगढ़ (लक्ष्मण कॉलोनी), तहसील बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद, हरियाणा। (दस्तावेज के अनुसार संपार्श्विक का विवरण, जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा गया है)। स्वामी ने नीचे उल्लिखित दो विक्रय विलेखों के माध्यम से उक्त संपत्ति खरीदी है- विक्रय विलेख दस्तावेज संख्या 1965, पुस्तक संख्या 1, दिनांक 26.06.2024, श्रीमती शोभा गर्ग पत्नी श्री तुलसी राम गर्ग द्वारा निष्पादित (कुल भूमि क्षेत्र 49.33 वर्ग गज) बिक्रीनामा दस्तावेज़ संख्या 408, पुस्तक संख्या 1, दिनांक 11.04.2025, श्रीमती अमीना बानो पत्नी श्री नज़ीर खान द्वारा निष्पादित। कुल भूमि क्षेत्र 49.33 वर्ग गज। स्वामित्व दस्तावेजों में मूल विलेख गायब है। विलेख हस्तांतरण विलेख (दस्तावेज संख्या 2418, बही संख्या 1, दिनांक 20.06.2019) श्रीमती पूनम पत्नी श्री टेक चंद बंसल द्वारा श्रीमती शोभा गर्ग पत्नी श्री तुलसी राम गर्ग के पक्ष में निष्पादित किया गया था। कुल भूमि क्षेत्र 49.33 वर्ग गज है। गायब विलेख के संबंध में पुलिस स्टेशन अमन विहार/ई-पुलिस स्टेशन, जिला रोहिणी/अपराध शाखा, दिल्ली में दिनांक 22/07/2026 को शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसकी पुष्टि एलआर संख्या 471335/2026 से हो चुकी है। श्रीमती मीना देवी पत्नी श्री लानलान कुमार उक्त संपत्ति की वास्तविक और वैध स्वामी हैं। स्वामी उक्त संपत्ति के विरुद्ध उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, फरीदाबाद शाखा से ऋण सुविधा ले रही हैं और ऋणदाता ऋण की सुरक्षा के लिए उक्त संपत्ति पर अपना प्रभार स्थापित करेगा। यदि उक्त संपत्ति में दस्तावेजों के आधार पर या अन्यथा किसी भी प्रकार का कोई अधिकार, दावा, हक या हित रखने वाला कोई व्यक्ति/संस्था/वित्तदाता/बैंक, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपने दावे को, उसके समर्थन में दस्तावेजों सहित, अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा इसके बाद किसी भी प्रकार के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
दीपक मलिक (एडवोकेट)
दुकान ङ 2, कटारिया कॉम्प्लेक्स, दयानंद कॉलोनी, गुड़गांव

NAME CHANGE
I, ABHISHEK MAZUMDER S/O. KINKAR MAJUMDER R/O. C-296, GALI NO-40, MAHAVIR ENCLAVE PART-3, UTTAM NAGAR DELHI-110059, Have Changed My Name To ABHISHEK MAJUMDER .

NAME CHANGE
I PREM NATH CHAURASIYA S/O LATE SALIK RAM R/O 2094/4C GALI NO 17 PREM NAGAR NEW DELHI 110008 CHANGED MY NAME TO PREM NATH CHAURASIA

NAME CHANGE
I JITENDER KUMAR CHAURASIYA S/0 PREM NATH CHAURASIA R/0 2094/4C GALI NO 17 PREM NAGAR NEW DELHI 110008 CHANGED MY NAME TO JITENDER KUMAR CHAURASIA

NAME CHANGE
I, JIJABAI IS LEGALLY MOTHER/OF NO-2815241L, RANK-L/HAV NAME- MORE MADHAV RAMRAO, Presently residing , VILL-DHANORA(KD.), POST- KARKHELI, TEH- DHARMABAD, DIST-NANDED, STATE-MAHARASHTRA, PIN-431808 Have Changed my name from JIJABAI TO JIJABAI RAMRAO MORE and date of Birth from 01/01/1969 for all future purpose vide affidavit dated 27/07/2026 Before Public Notary Delhi

NAME CHANGE
I, NO-15794624F Rank-HAV (DMT) Name-MOHAMMAD AKRAM Residing at VILL-SAMANDPUR, PO-SAGRI, TEHSIL-SAGRI, DIST-AZAMGARH, UTTAR PRADESH-276138, have changed my mother's name from SABILA KHATOON to SAVILA KHATUN for all future purposes vide Affidavit dated 27/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, SAMEERA KHATOON D/O MOHD HATIM at A-4/32-B DDA FLATS INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to SAMEERA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD MUQEEM S/O MOHD SALEEM at PLOT NO 437 SHAHZADA BAGH PH-1 INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to MOHD MUQEEM for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, NAVYA SHARMA D/O RAVI PARKASH SHARMA R/O, RZ-13M/1, Kailash Puri, Indira Park, South West Delhi, Delhi-110045 declare that name of my father has been wrongly written as RAVI PRAKASH SHARMA in my 10th and12th Class Educational Documents. The actual name of my father is RAVI PARKASH SHARMA which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I, SUDESH KHANNA W/O LATE MADAN LAL KHANNA R/O 122 B/1A, GAUTAM NAGAR, ANDREWSGANJ, NEW DELHI-110049 do hereby in my all senses and sound disposing mind without any pressure, coercion or undue influence from any corner, state that I bequeath all my 100% movable and immovable assets in favour of my son Rohit Khanna as a reward of his selfless service and duty towards me. Whereas I have made a full and final bank transfer to the accounts of the children of my daughter Anjali Gupta i.e. Abhinav Gupta and Raghav Gupta from The PPF account of my late husband Madan Lal Khanna as a successory right of my daughter Anjali Gupta and now on Anjali Gupta or her successors shall not have any right in any of my movable and immovable properties.

NAME CHANGE
I, PRIYANKA, is legally wife of Army No. 2805412Y, Rank - HAV, Name - KHOT GANESH YASHWANT, presently residing at Vill - Lonarwadi, Post - Lonarwadi, Teh - Kavathe Mahankal, Dist - Sangli, State - Maharashtra, Pin - 416411, have changed my name from PRIYANKA to PRIYANKA GANESH KHOT and date of birth from 07/10/1990 to 07/10/1994 for all future purposes. Vide affidavit dated 27/07/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, GURIYA DEVI mother of NO-14661646P Rank-HAV Name-KAMATA PRASAD residing at VILL-PAPRENDA, PO-KAPIL, TEHSIL-BINDKI, DIST-FATEHPUR, UTTAR PRADESH-212659 have changed my name from GURIYA DEVI to GUDIYA for all future purposes vide Affidavit dated 27/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VINEET, S/O MAHESH KUMAR, R/O 627, JAIN BAZAR, KILHORE PATTI, VPO JHARSA, GURGAON, HARYANA-122003, HAVE CHANGED MY NAME TO VINEET KUMAR FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE
I MD AFASAR S/0 MD MADANI R/0 A317/3 INDRA ENCLAVE-2 KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI 110086 CHANGED MY NAME TO AFSAR

NAME CHANGE
I, MEENA MAZUMDER W/O. KINKAR MAJUMDER R/O. C-296, GALI NO-40, MAHAVIR ENCLAVE PART-3, UTTAM NAGAR DELHI-110059, Have Changed My Name To MEENA MAJUMDER .

NAME CHANGE
I, KINKAR MAZUMDER S/O. NARAYAN MAJUMDER R/O. C-296, GALI NO-40, MAHAVIR ENCLAVE PART-3, UTTAM NAGAR DELHI-110059, Have Changed My Name To KINKAR MAJUMDER .

NAME CHANGE
I, PAMABAI, is legally mother of Army No. 2805412Y, Rank - HAV, Name - KHOT GANESH YASHWANT, presently residing at Vill - Lonarwadi, Post - Lonarwadi, Teh - Kavathe Mahankal, Dist - Sangli, State - Maharashtra, Pin - 416411, have changed my name from PAMABAI to PAMABAI YASHWANT KHOT and date of birth from 06/10/1943 to 04/12/1965 for all future purposes. Vide affidavit dated 27/07/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, SUMITRA DEVI W/o Rajender Kumar R/o 19 A1-Block, Vinoba Enclave, Jharoda Kalan, Delhi-110072, have changed my name to SUMITRA permanently.

NAME CHANGE
I, SEEMA KAUR W/O. ANMOL SINGH R/O H NO-131, FIRST FLOOR, KH.17/24, AND 25, ARYA NAGAR, NILOTHI EXTN., DELHI-110041, Have Changed My Name To SEEMA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Shahnawaz S/o Sheruddin R/o D-33, Near Mansoori Chowk, Shaheed Nagar, Sahibabad, Chikamberpur, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201006 declare that name of mine, my wife and my minor son has been wrongly written as Shahnwaj, Nafeesa Begum and Shadaab in my minor son Shadab aged 17 years in his 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor son are Shahnawaz, Nafeesa Begam and Shadab.

NAME CHANGE
I, AJEET S/o Rajpal R/o 82, Meerpur, Hinu Mandola, Loni Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed my name to AJIT TYAGI permanently.

NAME CHANGE
I, ARPIT GUPTA S/o AJAY KUMAR GUPTA, R/o SE-213, Shastri Nagar, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed the name of my minor son VISHAN GUPTA alias VEDANSH GUPTA aged 01 years and he Shall Hereafter be Known as VEDANSH GUPTA.

NAME CHANGE
I, SAPAN DAS S/o Dibakar Das R/o G-47, KH.No.757, Shiv Mandir, Gali No.14, Jagjeet Nagar, Garhi Mendu, Delhi-110053, have changed my name to SWAPAN DAS permanently

NAME CHANGE
I, EFRA D/o DEEN MOHAMMAD R/o H.NO.D-444/4, Buland Masjid, Shastri Park, Delhi-110053, have changed my name to IFRA permanently.

NAME CHANGE
I,DINU MOHAMMAD S/o MOHD HANIF R/o B/311, KH.NO.75/1, Buland Masjid Fish Market, Shastri Park, Delhi-110053, have changed my name to DEEN MOHAMMAD permanently

NAME CHANGE
I, Pradyumn Saxena S/o-Anand Saxena R/O B82, jal vayu Vihar sector 30, Gurgaon Haryana 122001 have changed my name from Pradyumn Saxena to Pradyumna Saxena for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Parul, Daughter of BACHCHU SINGH, resident of Plot No. 444/3, Khasra No. 444, 3rd Floor, Extended Lal Dora, Mundka, P.O. Nangloi, District West Delhi, Delhi-110041, have changed my name from Parul to Parul Chaudhary for All purposes.

NAME CHANGE
I PATHAK VIJAYKUMAR RAMPYARE legally father of Army no - 13628795M Rank - Sep, Name - PATHAK AMITKUMAR VIJAYKUMAR, Presently Residing At - Shahad, Post- Shahad, Teh - Ulhasnagar, Dist - Thane, State- Maharashtra, Pin - 421301 have changed my name from PATHAK VIJAYKUMAR RAMPYARE to VIJAYKUMAR RAMPYARE PATHAK for all future purposes, Vide affidavit dated 27/07/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, KARAMUNGE MANGESH SURYAKANT, is legally father and natural guardian of Master ADARSH, son of Army No. 2809773P, Rank - HAV, Name - KARAMUNGE MANGESH SURYAKANT, presently residing at Vill - Navgharwadi, Post - Panbhosi, Teh - Kandhar, Dist - Nanded, State - Maharashtra, Pin - 431714, have changed the name of my minor son from ADARSH to ADARSH MANGESH KARAMUNGE for all future purposes. Vide affidavit dated 27/07/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, KARAMUNGE MANGESH SURYAKANT, is legally father and natural guardian of Master ARUSH, son of Army No. 2809773P, Rank - HAV, Name - KARAMUNGE MANGESH SURYAKANT, presently residing at Vill - Navgharwadi, Post - Panbhosi, Teh - Kandhar, Dist - Nanded, State - Maharashtra, Pin - 431714, have changed the name of my minor son from ARUSH to ARUSH MANGESH KARAMUNGE for all future purposes. Vide affidavit dated 27/07/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, PARVATIBAI, is legally mother of Army No. 2809773P, Rank - HAV, Name - KARAMUNGE MANGESH SURYAKANT, presently residing at Vill - Navgharwadi, Post - Panbhosi, Teh - Kandhar, Dist - Nanded, State - Maharashtra, Pin - 431714, have changed my name from PARVATIBAI to PARVATIBAI SURYAKANT KARAMUNGE and date of birth from 23/09/1959 to 01/01/ 1971 for all future purposes. Vide affidavit dated 27/07/2026 before Public Notary, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client (1) Ms. Neha Sharma D/o Mr. Jasbir Sharma & (2) Mrs. Savita Sharma W/o Mr. Sushil Kumar is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-up Second Floor Without Roof Rights, of Property Bearing No. 74, area measuring 91 Sq. Yds., i.e. 76.08 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 965/106, Situated in the Village Sikdarpur, in the abadi of Gali No. 8, Balbir Nagar Extn., Illaqa Shahdara, Delhi-110032. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 20.06.2025, duly registered as Doc. No. 2025/23/I/4875, in Book No. 1, Vol. No. 6268, on Page No. 41-60, on dated 20.06.2025, in the office of SR IVA-Shahdara, Delhi. In the chain of documents, (1) Original Sale Deed dated 27.09.2012 executed by Mr. Ram Avtar Sharma in favour of Mr. Nitin Kumar duly registered as Doc. No. 4987, in Book No. 1, Vol. No. 1327, on Page No. 174-181, on in the office of SR IVA-Shahdara, Delhi. (2) Original Sale Deed dated 23.08.2013 executed by Mr. Nitin Kumar in favour of Mrs. Poonam Sharma duly registered as Doc. No. 4127, in Book No. 1, Vol. No. 1565, on Page No. 21-28, on in the office of SR IVA-Shahdara, Delhi., are not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And the said property is presently financed / mortgaged with Tata Capital Housing Finance Ltd., Branch: Preet Vihar, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **(1) ओसाबों मेलोडी (2) रेमंड इमोवोन पुत्रः** इमोवोन दोनों के **पताः I-12,** डेल्टा-2, ग्रेटर नोएडा (यूपी) **(3) करीम रिदवान उर्फ एरिक उर्फ सिल्वा पुत्रः** एलिसन उर्फ रेमन **(4) ओसास क्लिफोर्ड पुत्रः** क्लिफोर्ड, **दोनों का पताः** I-40, बीटा-2, ग्रेटर नोएडा (यूपी) ने **FIR No. 32/19, U/s 419/420/468/471/120B IPC 66D L.T.Act & 14 Foreigner Act, थानाः स्पेशल सेल, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) ओसाबों मेलोडी (2) रेमंड इमोवोन (3) करीम रिदवान उर्फ एरिक उर्फ सिल्वा (4) ओसास क्लिफोर्ड** मिल नहीं रहें हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गए है कि उक्त अभियुक्त **(1) ओसाबों मेलोडी (2) रेमंड इमोवोन (3) करीम रिदवान उर्फ एरिक उर्फ सिल्वा (4) ओसास क्लिफोर्ड** फरार हो गए है(या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहें हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 32/19, U/s 419/420/468/471/120B IPC 66D L.T.Act & 14 Foreigner Act, थानाः स्पेशल सेल, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **(1) ओसाबों मेलोडी (2) रेमंड इमोवोन (3) करीम रिदवान उर्फ एरिक उर्फ सिल्वा (4) ओसास क्लिफोर्ड** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री मृदुल गुप्ता
माननीय सीजेएम/नई दिल्ली ज़िला
पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/9868/Spl.Cell/2026
(Court Matter)

माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, अम्बिकापुर ग्राम-केरता
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
ई-निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 727 — दिनांक 27/07/2026

माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित् अम्बिकापुर ग्राम केरता जिला सूरजपुर (छ०ग०) में पेराई सत्र 2026-27 हेतु 2500 टी.सी.डी. के शक्कर कारखाना हेतु मैकेनिकल, इलेक्ट्रीकल, इन्स्ट्रूमेन्ट, एवं अन्य सामाग्री निर्माता/अधिकृत विक्रेताओं से क्रय करने हेतु एवं अन्य जनरल सामाग्री क्रय तथा सर्विसिंग, रिपेयरिंग फेब्रीकेशन एवं सिविल कार्य हेतु कुल 03 ई-निविदा निम्नलिखित तिथि अनुसार आमंत्रित की जाती है। इच्छूक निर्माता कम्पनी, अधिकृत फर्म तथा जनरल सप्लायर/निविदाकार द्वारा ई-निविदा में भाग लेने के लिए ई-टेण्डर के वेबसाईट में जाकर पृथक-पृथक ई-निविदा हेतु फार्म राशि 2311.00 रूपये (2000 रूपये एवं 311 रूपये चिप्स द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज) ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-Procurement Portal: http://eproc.cgstate.gov.in) से फार्म डाऊनलोड कर भरकर अपलोड़ कर सकते है।

क्रं.	ई-निविदा का विवरण	ई-निविदा प्रपत्र क्रय एवं जमा हेतु अंतिम तिथि एवं समय	ई-निविदा को खोलने की तिथि एवं समय
01	Mechanical, Electrical, Instrument, & Other Items Purchase & AMC Servicing Works E-Tender (Only Manufacturer & Authorized Dealers)	दिनांक 28/07/2026 को समय शाम 07.00 बजे से 11/08/2026 को समय दोपहर 12.00 बजे तक फार्म भर कर/अपलोड करने पर मान्य होगा।	दिनांक 11/08/2026 को समय अपराह्न 12:05 बजे के बाद
02	General Mechanical, Electrical, Instrument & Other Items Purchase, E-Tender (Non Authorized)		दिनांक 11/08/2026 को समय अपराह्न 01:00 बजे के बाद
03	General AMC, Servicing & Febrication & Civil Works E-Tender (Non Authorized)		दिनांक 11/08/2026 को समय अपराह्न 02.00 बजे के बाद

उपरोक्त समस्त 03 ई-निविदाओं से सम्बंधित विस्तृत जानकारी एवं निविदा प्रपत्र हेतु कारखाने के Website- www.mahamayasugar.com एवं शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-Procurement Portal: http://eproc.cgstate.gov.in) पर देखा एवं डाऊनलोड किया जा सकता है। एवं कारखाना प्रबंधन द्वारा मात्रा में कमी या वृद्धि किया जा सकता है एवं बिना कारण बताए निविदा निरस्त किया जा सकता है।

प्रबंध संचालक

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पंजाब सरकार युवाओं के साथ कर रही है धोखा : सैनी

एक्साइज इंस्पेक्टर के परीक्षा परिणाम और फार्मेसी के पेपर लीक मामले में सरकार को घेरा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब में आप पार्टी की सरकार पर युवाओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि हाल ही में पंजाब में एक्साइज इंस्पेक्टर के परीक्षा परिणाम में भारी गड़बड़ी हुई है, पास हुए युवाओं के नाम अजीबोग़रीब हैं। इसके साथ ही अन्य प्रकार की गड़बड़ियां सामने आई है। यही नहीं चार दिन पहले पंजाब सरकार द्वारा आयोजित फार्मेसी का पेपर भी लीक हुआ है जो कि आप पार्टी की सरकार का प्रतिभावान युवाओं के साथ धोखा है। नायब सिंह सैनी पंजाब के फगवाड़ा में आयोजित रक्तदान शिविर एवं एंबुलेंस के लोकार्पण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला, राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल, संत गुरचरण सिंह पांडवा के अलावा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम के आयोजक सांपला फाउंडेशन तथा नव्या हेल्पिंग हैंड्स की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि इन्होंने सेवा को अपना मिशन बनाया है। समाज में ऐसे संगठनों की संख्या जितनी बढ़ेगी, हमारा देश उतना ही मजबूत बनेगा। उन्होंने मासूम बेटी नव्या को असमय खो देने की गहरी पीड़ा व्यक्त करते

हुए उनके परिवार द्वारा उसकी याद में की जा रही सेवा की विराट साधना को नमन किया। उन्होंने युवाओं को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि रक्त की कोई फैक्टरी नहीं होती। इसे किसी मशीन में तैयार नहीं किया जा सकता। विज्ञान ने बहुत प्रगति की है, लेकिन रक्त का निर्माण केवल मानव शरीर में होता है। जरूरतमंद तक यह तभी पहुंचता है, जब कोई रक्तदान करता है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब की धरती वीरों की धरती है। सेवा और बलिदान की धरती है। श्री गुरु तेग बहादुर जी का त्याग, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की वीरता और शहीद-ए-आजम भगत सिंह का बलिदान हमें सिखाता है कि जीवन की महानता उसके उद्देश्य में होती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कारगिल विजय दिवस पर उन वीर सैनिकों को भी श्रद्धापूर्वक नमन किया, भारत माता की रक्षा करते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि हमारे वीर जवानों ने अपना रक्त देकर राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा की और आज हमारे रक्तदाता अपना रक्त देकर मानव जीवन की रक्षा करने का संकल्प ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने हरियाणा सरकार द्वारा नशा के ख़िलाफ़ चलाए जा रहे अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि युवाओं को मैराथन एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है , क्योंकि अगर एक युवा नशा करता है तो उसके परिवार पर प्रतिकूल असर पड़ता है और गरीबी के दलदल में धंसता चला जाता है।

मरम्मत, स्वच्छता और पढ़ाई पर खर्च होगा सीसीडब्ल्यूएफ फंड

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सरकारी स्कूलों के संबंध में अहम फैसला लेते हुए कंसोलिडेटेड चिल्ड्रन्स वेलफेयर फंड (सीसीडब्ल्यूएफ) का उपयोग अब स्कूल मरम्मत, स्वच्छता और पढ़ाई पर करने का फैसला लिया है। सीसीडब्ल्यूएफ फंड के उपयोग के नए नियम लागू करते हुए स्कूल प्रबंधन समितियों को मरम्मत, स्वच्छता, शैक्षणिक गतिविधियों और आवश्यक संसाधनों पर राशि खर्च करने का अधिकार दिया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि अब इस फंड का उपयोग स्कूलों की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने, विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने और आवश्यक रखरखाव कार्यों पर किया जाएगा। इसके साथ ही वर्ष 2011 और 2014 में जारी पूर्व आदेशों को निरस्त कर नई गाइडलाइन प्रभावी कर दी गई है। शिक्षा विभाग की ओर से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों, डाइट, बीआईटीई और जीईईटीआई को भेजे गए आदेश में कहा गया है कि स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) विद्यार्थियों से प्राप्त सीसीडब्ल्यूएफ राशि का उपयोग आवश्यकता के अनुसार निर्धारित कार्यों पर कर सकेंगी। विभाग का उद्देश्य स्कूलों की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना तथा विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करना है।

हरियाणा सरकार ग्रुप डी कर्मचारियों के लिए आयोजित करेगी इंडक्शन कार्यक्रम

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने हाल ही में नियुक्त हुए ग्रुप-डी कर्मचारियों के लिए 29 जुलाई को पंचकूला के सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम में राज्य स्तरीय इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित करने का फैसला किया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सैनी बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस संबंध में मानव संसाधन विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों और उपायुक्तों को निर्देश जारी किए हैं। इंडक्शन कार्यक्रम का मतलब परिचय या प्रशिक्षण कार्यक्रम होता है। यह किसी नए कर्मचारी या छात्र को उसके नए कार्यस्थल (कंपनी) या शैक्षणिक संस्थान (कॉलेज/विश्वविद्यालय) के माहौल, नियमों, संस्कृति और तौर-तरीकों से परिचित कराने की एक प्रक्रिया है ताकि वह वहां कार्य करते समय सहज महसूस कर सकें। विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, 16 अक्टूबर 2025 या उसके बाद नियुक्त सभी ग्रुप-डी कर्मचारियों को इस कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा। कर्मचारियों के साथ उनके माता-पिता या जीवनसाथी को भी कार्यक्रम में आने की अनुमति दी गई है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि पूरे कार्यक्रम का समन्वय मानव संसाधन विभाग करेगा। सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पूर्ण सहयोग करें और जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें।

पंचकूला में 28 जुलाई को होगी बिजली संबंधी शिकायतों की होगी सुनवाई

चंडीगढ़। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम सर्कल फोरम पंचकूला के उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के चेयरमैन एवं सदस्य मंच की कार्यवाही 28 जुलाई (मंगलवार) को सुबह 11.30 बजे से अधीक्षण अभियंता, पंचकूला के कार्यालय, एससीओ नंबर - 96, पहली मंजिल, सेक्टर-5, पंचकूला में की जाएगी। इस दौरान केवल पंचकूला जिला के उपभोक्ताओं से सम्बन्धित शिकायतों की सुनवाई की जाएगी। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली की आपूर्ति उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि मंच के सदस्य, पंचकूला जिले के उपभोक्ताओं की सभी प्रकार की समस्याओं की सुनवाई करेंगे जिनमें मुख्यतः बिलिंग, वोल्टेज, मीटरिंग से सम्बंधित शिकायतें, कनैक्शन काटने और जोड़ने बिजली आपूर्ति में बाधाएं, कार्यकुशलता, सुरक्षा, विश्वसनीयता में कमी और हरियाणा बिजली विनियामक आयोग के आदेशों की अवहेलना आदि शामिल हैं । बहरहाल, मंच द्वारा बिजली अधिनियम की धारा

डिग्री ज्ञान का प्रमाण देती है, चरित्र जीवन का परिचय देता है: नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरु नानक खालसा कालेज यमुनानगर में आयोजित उत्कर्ष 2026 कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि श्री गुरु नानक देव जी की पवित्र शिक्षाओं से प्रेरित इस शिक्षण संस्थान में आकर मेरा हृदय गर्व,आत्मीयता और आशा से भर गया है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु नानक खालसा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने वर्षों से शिक्षा के माध्यम से जिस सामाजिक चेतना का निर्माण किया है,वह वास्तव में राष्ट्र निर्माण की एक प्रेरणादायी यात्रा है। उन्होंने 160 मेधावी विद्यार्थी व खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित करते हुए कहा कि मुझे इस मंच पर तीन ऐसे दृश्य एक साथ दिखाई दे रहे हैं,जो किसी भी समाज के उज्ज्वल भविष्य की पहचान होते हैं। एक ओर वे विद्यार्थी हैं,जिन्होंने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से कॉलेज और विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। दूसरी ओर वे खिलाड़ी हैं,जिन्होंने खेल के मैदान में अपने पसीने को पदकों में बदलकर हरियाणा और भारत का गौरव बढ़ाया है और तीसरी ओर वे युवा हैं,जिनके हाथों में आज रोजगार के नियुक्ति पत्र हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि डिग्री आपके ज्ञान का प्रमाण देती है, लेकिन आपका चरित्र आपके जीवन का परिचय देता है।

अंत्योदय का संकल्प,प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना : मनोहर लाल

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना 2.0 के तहत एक दिवसीय अन्त्योदय मेला आयोजित

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना 2.0 का उद्देश्य अंत्योदय परिवारों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाना तथा उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाना है। इस योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को स्वरोजगार, कौशल विकास, वित्तीय सहायता एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं से जोडक़र उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध

कराने के साथ-साथ रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से भी जोड़ा जाएगा, ताकि उनमें स्वावलंबन की भावना को बढ़ावा मिले और उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल करनाल में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना 2.0 प्रथम चरण के तहत आयोजित एक दिवसीय अन्त्योदय मेले में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने के उपरांत बोल रहे थे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों से मेले में उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी भी प्राप्त की। मेले में बड़ी संख्या में आए नागरिकों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं एवं सुझावों को सुना।

उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को एक ही स्थान पर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी, मौके पर आवेदन करने की सुविधा तथा पात्रता अनुसार लाभ उपलब्ध कराने की प्रभावी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का यह प्रयास केवल योजनाओं की जानकारी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक पात्र परिवार को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोडक़र उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब सरकारी सेवाएं स्वयं जनता के द्वार तक पहुँचती हैं, तभी सुशासन का वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होता है।

अम्बाला से मथुरा-वृंदावन के लिए सीधी एसी बस सेवा शुरू

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज के प्रयासों से भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा-वृंदावन जाने वाले श्रद्धालुओं को अम्बाला से अब प्रतिदिन सीधी एसी बस सेवा का लाभ मिलेगा। परिवहन मंत्री अनिल विज के प्रयासों से बस सेवा अम्बाला से प्रारंभ हो गई है जिसका श्रद्धालुओं को अत्यधिक लाभ मिलेगा क्योंकि अब तक अम्बाला से मथुरा-वृंदावन के लिए कोई सीधी बस सेवा उपलब्ध नहीं थी। इस बस सेवा के प्रारंभ होने से श्रद्धालुओं ने परिवहन मंत्री अनिल विज का आभार भी व्यक्त किया है। मथुरा-वृंदावन के लिए एसी बस प्रतिदिन प्रातः 5:30 बजे अम्बाला से चलेगी जबकि नौ घंटे के सफर के बाद दोपहर 2:30 बजे गंतव्य पर पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में बस रात्रि 8:30 बजे मथुरा से चलेगी जो कि नौ घंटे के सफर के बाद अम्बाला पहुंचेगी। इस बस सेवा के प्रारंभ होने से धार्मिक स्थली जाने के लिए यात्रियों को सुविधा उपलब्ध होगी। अम्बाला ही नहीं बल्कि पंचकूला, यमुनानगर, हिमाचल प्रदेश आदि जगहों से भी यात्रियों को इस बस सेवा का लाभ मिलेगा तथा भजन-कीर्तन करते हुए श्रद्धालु श्रीकृष्ण स्थली जाएंगे। रोडवेज ने इस रूट के लिए दो बसें आरक्षित की हैं। दोनों बसें बारी-बारी से संचालित होंगी, जिससे सेवा नियमित बनी रहे। अभी तक अम्बाला से मथुरा-वृंदावन के लिए सीधी रोडवेज बस सेवा उपलब्ध नहीं थी, जिससे श्रद्धालुओं को कई बार बस बदलनी पड़ती थी। नई सेवा शुरू होने से यात्रियों का समय तो बचेगा ही, परेशानी भी कम होगी। बस प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे अंबाला छावनी बस अड्डे से रवाना होगी जोकि करनाल, पानीपत होते हुए दिल्ली, फरीदाबाद, बल्लभगढ़ और पलवल से करीब 395 किलोमीटर की दूरी तय कर दोपहर लगभग 2:30 बजे वृंदावन और मथुरा पहुंचेगी।

त्रुटिरहित मतदाता सूची ही लोकतंत्र का मुख्य आधार : डीसी

एजेंसी

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया में त्रुटिरहित मतदाता सूची का अहम योगदान है। एक जुलाई 2026 को अहर्ता तिथि मानते हुए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर-2026 प्रक्रिया संचालित की जा रही है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 31 जुलाई 2026 को झज्जर जिला के सभी चारों बेरी,बहादुरगढ़, झज्जर और बादली विधानसभा क्षेत्रों की प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद 1 अगस्त से 30 अगस्त 2026 तक मतदाता सूची में नाम जोडने़, नाम हटाने, संशोधन कराने अथवा अन्य त्रुटियों के संबंध में दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की कि वे प्रारूप सूची में अपना नाम, पता तथा अन्य विवरण सावधानीपूर्वक जांचें और किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर निर्धारित अवधि के भीतर अपना दावा या आपत्ति अवश्य प्रस्तुत करें। उन्होंने बताया कि प्राप्त सभी दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 28 सितंबर 2026 तक किया जाएगा तथा 3 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की

जाएगी। डीसी ने एसआईआर-2026 प्रक्रिया के दूसरे चरण की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रत्येक गतिविधि को समयबद्ध, पारदर्शी और जिम्मेदारी के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण प्रक्रिया का प्रत्येक चरण पूरी सतर्कता और शुद्धता के साथ संपन्न होना चाहिए, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सही विवरण के साथ मतदाता सूची में शामिल हो सके। डीसी ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में प्रत्येक सजग मतदाता की भागीदारी महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी पात्र नागरिक मतदाता सूची का सत्यापन करें और आवश्यकता होने पर निर्धारित अवधि में दावा एवं आपत्ति दर्ज कराकर इस अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं और मतदाता सूची में अपने नाम व विवरण का समय रहते सत्यापन अवश्य करें। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला झज्जर में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से संचालित करने के लिए 27 जुलाई को चुनाव अधिकारियों का विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

निपुण प्रशिक्षण से अनुपस्थित शिक्षकों का विवरण 29 जुलाई तक भेजने के निर्देश

एजेंसी

जींद। हरियाणा विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने निपुण हरियाणा मिशन के तहत आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में प्रदेश के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए वर्ष 2022-23 से लेकर वर्ष 2025-26 तक आयोजित निपुण मिशन के विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अनुपस्थित रहे शिक्षकों का विस्तृत विवरण निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए हैं। जिला समन्वयक एफएलएन राजेश वशिष्ठ ने बताया कि यह निर्देश 25 जुलाई को सहायक निदेशक (अकादमिक) द्वारा जारी किए गए हैं। विभाग द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए प्रभावी एवं सुव्यवस्थित शिक्षक प्रशिक्षण कायक्रम तैयार करने के उद्देश्य से यह जानकारी एकत्रित की जा रही है।

विभाग चाहता है कि जिन शिक्षकों ने पूर्व वर्षों में आयोजित प्रशिक्षणों में भाग नहीं लिया, उनकी पहचान कर भविष्य की प्रशिक्षण योजनाओं में उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जा सके। पत्र के अनुसार वर्ष 2022-23 से अबतक निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।इनमें नवंबर 2022 का एफएलएन रिफ्रेशर प्रशिक्षण जून 2023 का छह दिवसीय एफएलएन शिक्षक प्रशिक्षण, सितंबर-अक्टूबर 2023 का छह दिवसीय ईसीसीई बालवाटिका-3 प्रशिक्षण, मई-जून 2024 में कक्षा चौथी एवं पांचवीं के पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति पर चार दिवसीय प्रशिक्षण, नवंबर-दिसंबर 2024 में बालवाटिका के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण, जून 2025 में कक्षा पहली से तीसरी के शिक्षकों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण तथा जनवरी 2026 में स्ट्रक्चर्ड ग्रुपिंग एवं रेमेडिएशन विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शामिल हैं। निदेशालय ने सभी जिलों को निर्देशित किया है कि वे इन सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अनुपस्थित रहे शिक्षकों के नाम, विद्यालय तथा अन्य आवश्यक विवरण निर्धारित गूगल शीट में सावधानीपूर्वक भरें। विभाग ने विशेष रूप से यह भी कहा है कि भेजी जाने वाली सूचना पूर्णतः सत्यापित होनी चाहिए ताकि आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना वास्तविक आवश्यकता के अनुरूप बनाई जा सके।

अंत्योदय मेलों के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने में सहभागी बन रही सरकार : एडीसी

एजेंसी

बादली/झज्जर। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति को सरकार की जनकल्याणकारी योजना से जोड?र उसको आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सकारात्मक जनहितकारी सोच के परिणामस्वरूप आज प्रदेश भर में विधानसभा क्षेत्र अनुरूप अंत्योदय मेले लगे हैं जिनके माध्यम से एक साथ जरूरतमंद पात्र परिवारों को लाभान्वित किया जा रहा है। यह बात एडीसी जगनिवास ने कही। वे झज्जर जिला के बादली विधानसभा क्षेत्र में लगे अंत्योदय मेले में लाभार्थियों से सीधा संवाद कर रहे थे।

दिनभर हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत बादली स्थित बीडीपीओ कार्यालय में डीसी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में अंत्योदय परिवार उत्थान मेले का आयोजन हुआ। एडीसी जगनिवास ने विभिन्न विभागों के स्टॉल का अवलोकन कर अधिकारियों को पात्र परिवारों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंद परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोडकर आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार व जिला

प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र परिवार को उसकी आवश्यकता के अनुरूप स्वरोजगार, कौशल विकास, ऋण सुविधा एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिले। किसी भी पात्र व्यक्ति को जानकारी के अभाव में योजनाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। एडीसी जगनिवास ने लाभार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक पात्र परिवार तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। मेले में पहुंचे लाभार्थियों ने एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए हरियाणा सरकार और जिला प्रशासन की पहल की सराहना की।

सैनी ने युवाओं के साथ लगाई दौड़, नशा मुक्त हरियाणा के संकल्प को किया मजबूत

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यमुनानगर के जगाधरी में आयोजित राज्य स्तरीय नशा मुक्ति जनजागरण दौड़ में युवाओं के साथ दौड़ लगाकर प्रदेश को नशामुक्त बनाने का संदेश दिया। मटका चौक से 10 किलोमीटर मैराथन को हरी झंडी दिखाने के बाद मुख्यमंत्री स्वयं भी कुछ दूरी तक प्रतिभागियों के साथ दौड़े। उन्होंने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज के भविष्य को प्रभावित करता है। राज्य सरकार युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने और नशे के खिलाफ जनआंदोलन खड़ा करने के लिए लगातार अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम का शुभारंभ गुब्बारे छोड़कर किया और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कुछ दूरी तक दौड़ने के बाद उन्होंने खुले वाहन से पूरे रूट का निरीक्षण भी किया तथा बाद में फिर युवाओं के बीच पहुंचकर उनके साथ कदम मिलाए। आयोजन स्थल पर सुबह चार बजे से ही प्रतिभागियों का पहुंचना शुरू हो गया था। कार्यक्रम से पहले फिटनेस विशेषज्ञों की देखरेख में जुम्बा सत्र आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। जिला प्रशासन के अनुसार प्रतियोगिता के लिए लगभग 1.13

लाख प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें करीब 38 हजार महिलाएं शामिल थीं। आयोजन में पैरालिंपियन नवदीप सिंह, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज नीरज गोयत, हरियाणवी कलाकार एमडी देसी रॉकस्टार तथा गायक सतविंद्र सत्ती भी उपस्थित रहे। 75 वर्षीय त्रिलोकी नाथ ने भी दौड़ में भाग लेकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में मोहित तथा महिला वर्ग में भारती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले बने गरीब परिवारों के आत्मनिर्भर भविष्य की मजबूत नींव : राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने आज बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली तथा मेले में पहुंचे लाभार्थियों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं को भी जाना। इस दौरान परिवार पहचान पत्र कोऑर्डिनेटर डॉ सतीश खोला, बादशाहपुर के एसडीएम संजीव सिंगला भी मौजूद रहे। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने उपस्थितजन को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने का एक सशक्त माध्यम हैं। इन मेलों के जरिए पात्र परिवारों को एक ही स्थान पर सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके जीवन में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन आएगा। उन्होंने

कहा कि हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में 'अंत्योदय' के मूल मंत्र को धरातल पर उतारते हुए समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही है। सरकार की प्राथमिकता है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार केवल सहायता प्राप्त करने वाले न रहें, बल्कि उन्हें ऐसा अवसर मिले जिससे वे अपने पैरों पर खड़े होकर सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना इसी सोच का परिणाम है, जिसके माध्यम से गरीब परिवारों की आय बढ़ाने, उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने तथा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। राव नरबीर सिंह ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे। राव नरबीर सिंह ने सभी प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को उसकी पात्रता के अनुरूप योजनाओं की पूरी जानकारी दी जाए।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस राष्ट्र चेतना का अभियान, हर जिले में होंगे कार्यक्रम: डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता की अध्यक्षता में पानीपत भाजपा कार्यालय में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के आयोजन को लेकर प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में 14 प्रदेश के सभी जिलों, मंडलों और बूथ स्तर तक आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई तथा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई। बैठक में राज्यसभा सांसद संजय भाटिया, विधायक घनश्यामदास अरोड़ा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, जगदीश चौपड़ा, नीति सेन भाटिया, पूर्व मंत्री सीमा त्रिखा, जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री के पॉलिसिटी एडवाइजर तरूण भंडारी सहित पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस करोड़ों लोगों के दर्द, संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने का दिवस है। उन्होंने कहा कि देश का विभाजन इतिहास की सबसे दुखद घटनाओं में से एक था और नई पीढ़ी को उस दौर की वास्तविकता तथा राष्ट्रीय एकता के महत्व से अवगत कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जिले में प्रदर्शनी, संगोष्ठी, विचार गोष्ठी,, विभाजन की विभीषिका पर आधारित प्रदर्शनी, प्रबुद्धजन संवाद, युवा सम्मेलन तथा विभाजन पीड़ित परिवारों के सम्मान एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही स्कूलों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से जनजागरण अभियान चलाया जाएगा, ताकि युवा पीढ़ी इतिहास से सीख लेकर राष्ट्र की एकता और अखंडता को सर्वोपरि रखने का संकल्प ले। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर मनाया जाने वाला यह दिवस केवल अतीत को याद करने का नहीं।

कई दिनों की गिरावट के बाद सोना-चांदी फिर चमके

चांदी 2300 और सोना 658 रुपए महंगा हुआ

मुंबई ।

सोने और चांदी के दामों में सप्ताह के पहले`` दिन सोमवार को जोरदार तेजी देखी गई, जिससे इन बहुमूल्य धातुओं को पिछले कई दिनों से जारी गिरावट से राहत मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी 2300 रुपए उछलकर कारोबार कर रही है, जबकि सोना भी 658 रुपए महंगा हो गया है। विशेषज्ञों ने अमेरिकी डॉलर की कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी को इस तेजी की मुख्य वजह बताया है। सोमवार के कारोबार में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी 2300 रुपए की बढ़त के साथ 2,24,501 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। वहीं, सोना 658 रुपए चढ़कर 1,43,764 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी गोल्ड रेट 0.52 फीसदी की तेजी के साथ 4,091 डॉलर प्रति औंस पर देखा गया, जबकि चांदी 1.31 फीसदी बढ़कर 59.68 रुपए प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। निवेशकों और खरीदारों के लिए, 22 कैरेट सोने का भाव 1,32,840 से 1,32,990 प्रति 10 ग्राम के बीच है, जिससे 1 तोला (11.66 ग्राम) 22 कैरेट सोने की कीमत लगभग 1,54,900 से 1,55,100 के बीच बैठती है।

वहीं, 24 कैरेट सोने का भाव 1,44,920 से 1,45,080 प्रति 10 ग्राम है, जिसके आधार पर 1 तोला 24 कैरेट सोने की कीमत करीब 1,68,900 से 1,69,100 रुपए के आसपास है। सोने के दाम शहर और ज्वेलर्स के हिसाब से थोड़े अलग हो सकते हैं, और ज्वेलरी खरीदते समय मेकिंग चार्ज, जीएसटी व अन्य शुल्क अलग से जोड़े जाते हैं।

गोल्ड जूलर मास्टर चेन्स 400 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी के पास पहुंचा

नई दिल्ली ।

स्वर्ण आभूषण विनिर्माता और थोक वितरक कंपनी मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स लिमिटेड ने पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रारंभिक दस्तावेज जमा कराए हैं। प्रस्तावित आईपीओ में 400 करोड़ रुपए तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे, साथ ही एक प्रमोटर द्वारा 59.06 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी लाई जाएगी। कंपनी द्वारा दाखिल दस्तावेजों के अनुसार नए शेयरों के निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग मुख्य रूप से कार्यशील पूंजी संबंधी जरूरतों को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स अपनी विनिर्माण क्षमता और व्यापक थोक वितरण नेटवर्क के माध्यम से देशभर के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करती है। कंपनी के पास 80,000 से अधिक आभूषण डिजाइनों का एक विस्तृत संग्रह है।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई ।

एशिया के अधिकांश शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। जापान का निक्केई 225 करीब 0.35 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स लगभग 0.58 फीसदी जबूत रहा। अमेरिकी बाजारों में बीते शुक्रवार को मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। डॉव जोंस 0.46 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 0.05 फीसदी की मामूली तेजी रही। वहीं नैस्डैक कंपोजिट 0.64 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 776, निफ्टी 228 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं पिछले सप्ताह बाजार में गिरावट रही थी जिससे अब बाजार उबर गया है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 776.01 अंक बढ़कर 76,835.78 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 228.50 अंक उछलकर 23,995.95 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान 2646 शेयरों में तेजी रही जबकि 1530 शेयर गिरे जबकि 176 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया।

निफ्टी में सबसे ज्यादा बढ़त इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में रही। वहीं एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी बैंक और डॉ. रेड्डीज लैब्स के शेयरों में बढ़त रही। आज निफ्टी मीडिया में सबसे अधिक बढ़त रही। इसके बाद निफ्टी और निफ्टी रियल्टी का नंबर आता है जबकि निफ्टी ऑटो और निफ्टी फार्मा में अधिक बढ़त नहीं रही।

अन्य सेक्टरों की बात करें तो निफ्टी एफएमसीजी के अलावा निफ्टी बैंक और निफ्टी इंफ्रा में 0.66 फीसदी, व निफ्टी मेटल के शेयरों में बढ़त रही। व्यापक बाजारों की बात करें तो निफ्टी मिडकैप 100 में 1 फीसदी की बढ़त रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 1.3 फीसदी की तेजी आई।

वहीं आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में उछाल आया। सुबह शुरुआत में निफ्टी 50 156 अंक की बढ़त के साथ 23,923.05 के स्तर पर कारोबार किया। वहीं सेंसेक्स 537 अंक चढ़कर 76,596.31 पर पहुंच गया। यह बढ़त इस उम्मीद पर आधारित थी कि मध्य-पूर्व में सैन्य टकराव टल गया है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें नियंत्रण में रहेंगी।

कच्चे तेल में भारी गिरावट, ब्रेंट 90 डॉलर के नीचे

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम, महंगे ईंधन के खतरे से भारत को मिली फौरी राहत

नई दिल ली ।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव में नरमी के संकेतों के बीच वैश्विक कच्चे तेल के बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बीते दो दिनों से अमेरिका और ईरान के बीच एक-दूसरे पर रोक रहने से कच्चे तेल की कीमतें नरम पड़ गई हैं,

जिससे दुनियाभर में महंगे पेट्रोल-डीजल के बढ़ते खतरे को फौरी राहत मिली है।

सोमवार को इंट्राडे में ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे फिसलकर करीब 6.34 फीसदी टूट गया, वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी लगभग 6.31 फीसदी गिरकर 84.73 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एक महीने में 20 फीसदी उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल पार करने के बाद यह राहत भरी गिरावट आई है। यह गिरावट पश्चिम एशिया में तनाव कम होने का सीधा परिणाम है।

लगातार 13 रातों के हवाई हमलों के बाद पिछले दो दिन से खाड़ी देशों में शांति है। ईरान ने भी कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की। ईरान समर्थित हूतियों के सऊदी अरामको पर हमले के दावे की पुष्टि न होने से भी बाजार ने राहत महसूस की।

अब तकनीकी रूप से बाजार ओवरबॉट जोन से बाहर आकर सामान्य होता दिख रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

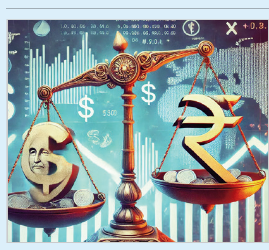

भारतीय रुपया सोमवार को 68 पैसे बढ़कर 95.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जबकि शुक्रवार को यह 96.57 पर बंद हुआ था। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सोमवार को 96.18 प्रति डॉलर पर खुला। हालांकि शुरुआती बढ़त का कुछ हिस्सा गंवाने के बाद यह 96.28 प्रति डॉलर पर कारोबार करता देखा गया। इसके बावजूद यह पिछले बंद भाव की तुलना में 28 पैसे की बढ़त में रहा। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और अमेरिका तथा ईरान की ओर से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेत मिलने के बाद वैश्विक बाजारों में बने सकारात्मक रुख से रुपये को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक भी ऊंचे स्तर से नीचे आया, जबकि घरेलू शेयर बाजार में मजबूत लिवाली का रुख देखने को मिला, जिससे स्थानीय मुद्रा को और मजबूती मिली। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.04 पर आ गया।

पतंजलि आटे में कीटनाशक की मात्रा ज्यादा पाई गई, कंपनी ने खेप वापस बुलाई

शेयर 37 फीसदी से ज्यादा गिरे, यह 552 से अब 344 रुपए के आसपास आ गया

मुंबई, ।

बाबा रामदेव की पतंजलि फूड्स के एक ब्रांडेड गेहूं के आटे की खेप में क्लोरपायरीफोस नामक कीटनाशक का अंश अधिकतम तय लिमिट से कहीं ज्यादा निकला जिसके कारण आटे की खेप वापस बुलानी पड़ी। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया, क्योंकि जांच में इस आटे में कीटनाशक की मात्रा तय सीमा से अधिक पाई गई। यह आदेश केरल के कोट्टायम में खाद्य सुरक्षा सहायक आयुक्त के कार्यालय की ओर से जारी किया गया था। दरअसल, इस खेप में क्लोरपायरीफोस नामक कीटनाशक का अंश अधिकतम तय लिमिट से कहीं ज्यादा निकला, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रिकॉल का आदेश 20 जुलाई को जारी हुआ था और पतंजलि फूड्स को यह 24 जुलाई को प्राप्त हुआ। कंपनी ने यह साफ नहीं किया है कि इस प्रभावित खेप का बैच नंबर क्या है, कितनी मात्रा में आटा प्रभावित हुआ है,

और यह आटा किन बाजारों में बेचा गया था।हालांकि, पतंजलि फूड्स ने यह भी कहा कि इस रिकॉल का उनके वित्तीय या परिचालन गतिविधियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, सिवाय उस प्रभावित खेप के मूल्य के, जिसे वापस मंगाया जा रहा है। पतंजलि फूड्स के लिए यह साल अच्छा नहीं जा रहा, खासकर इसके शेयरों में निवेश करने वाले निवेशकों का। पतंजलि फूड्स के शेयर इस साल अबतक 37 फीसदी से ज्यादा गिरे। यह 552 रुपए से अब 344 रुपए के आसपास आ गया। बाजार में कंपनी के आटे की खेप को मार्केट से वापस लेने की जानकारी के बाद पतंजलि फूड का शेयर सोमवार सुबह एक प्रतिशत से ऊपर चढ़कर 344.50 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। सोमवार को शुरुआती कारोबार में पतंजलि फूड्स के शेयर 341 रुपए प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे थे। हालांकि पिछले कुछ हफ्तों में शेयर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

बीती 15 जुलाई को ही कंपनी के शेयर में जनवरी 2020 के बाद से एक ही दिन में सबसे बड़ी गिरावट आई थी।

किआ की भारतीय बाजार में हाइब्रिड क्रांति की तैयारी

हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ पेश करेगी माइलेज-फ्रेंडली कारें

मुंबई ।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हाइब्रिड वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए दक्षिण कोरियाई कार निर्माता किआ भारत में अपने हाइब्रिड लाइनअप को आक्रामक रूप से विस्तार देने की तैयारी में है।

पेट्रोल-डीजल की ऊंची लागत और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सीमित चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते, कंपनी आने वाले वर्षों में प्रीमियम एसयूवी से लेकर कॉम्पैक्ट और एमपीवी सेगमेंट तक कई स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड मॉडल पेश करने की रणनीति पर काम कर रही है। किआ अपनी वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय एसयूवी सोरेंटो हाइब्रिड के साथ भारतीय प्रीमियम सेगमेंट में प्रवेश करेगी, जिसमें 1.6-लीटर टर्बो-पेट्रोल स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन मिलने की उम्मीद है। यह कार बेहतर माइलेज और फीचर्स चाहने वाले ग्राहकों को आकर्षित करेगी।

इसके बाद कंपनी अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली सेल्टोस एसयूवी का हाइब्रिड संस्करण लाने पर विचार कर रही है। मारुति ग्रैंड विटारा और टोयोटा हाइराइडर जैसी हाइब्रिड गाड़ियों के बढ़ते दबदबे को देखते हुए,

इसमें 1.5-लीटर पेट्रोल आधारित स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सिस्टम दिया जा सकता है, जो शानदार पिकअप और माइलेज प्रदान करेगा। एमपीवी सेगमेंट में, किआ कैरेंस और उसके आगामी वेरिएंट्स में भी हाइब्रिड पावरट्रेन मिल सकता है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा और वाणिज्यिक उपयोग के लिए रनिंग कॉस्ट में कमी आएगी। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में सोनट के अगली पीढ़ी के मॉडल में 1.2-लीटर पेट्रोल-बेस्ड स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सेटअप की योजना है, जो शहरी ट्रैफिक में ईंधन दक्षता को दोगुना कर देगा। ऑटो विशेषज्ञों का मानना है.

कि ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और रेंज एंग्जाइटी जैसी चुनौतियों के बीच, स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड तकनीक ग्राहकों को शानदार माइलेज और कम उत्सर्जन का बेहतरीन संतुलन प्रदान करती है।

टेलीकॉम डेटा अब सिर्फ भारत में ही होगा स्टोर

दूरसंचार विभाग ने टेलीकम्युनिकेशन एक्ट 2023 के तहत जारी किए नए नियम

मुंबई ।

केंद्र सरकार ने डिजिटल सुरक्षा मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने टेलीकम्युनिकेशन एक्ट 2023 के तहत नए नियम लागू किए हैं, जिनके अनुसार अब टेलीकॉम नेटवर्क से जुड़ा कोई भी डेटा भारत के बाहर स्टोर या ट्रांसफर नहीं किया जा सकेगा। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और संवेदनशील जानकारी को देश के भीतर सुरक्षित रखने के उद्देश्य से लिया गया है। नए नियमों के तहत, कॉल, मैसेज और नेटवर्क से जुड़ी सभी जानकारी अब देश के भीतर ही सुरक्षित रखनी होगी। मोबाइल टॉवर कंपनियों, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाताओं और क्लाउड नेटवर्क सेवा देने वालों को डेटा भारतीय सर्वर पर ही स्टोर करना अनिवार्य होगा।

इससे संवेदनशील डेटा की सुरक्षा बेहतर होगी और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई आसान बनेगी। जरूरत पड़ने पर सरकार को किसी भी नेटवर्क की जांच और ऑडिट का अधिकार होगा, राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में बिना पूर्व सूचना कार्रवाई संभव होगी। इन नियमों का असर डेटा सेंटर उद्योग पर भी पड़ेगा, जिससे नए डेटा सेंटर और निवेश-रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

बैंक अगस्त में 14 दिन बंद रहेंगे, जा निए कब-कब रहेगा अवकाश

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन समेत कई त्योहारों और साप्ताहिक अवकाशों से कामकाज रहेगा प्रभावित

नई दिल लि ।

अगर आप अगस्त में बैंक जाकर ड्राफ्ट बनवाने या चेक क्लियरेंस जैसा कोई जरूरी काम निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो अपने प्लान पर फिर से विचार कर लें। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हॉलिडे कैलेंडर के मुताबिक, अगले साल अगस्त में कुल 14 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा, जिससे ग्राहकों को असुविधा हो सकती है। ये अवकाश साप्ताहिक छुट्टियों (रविवार और दूसरे व चौथे शनिवार) के साथ-साथ स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन जैसे बड़े राष्ट्रीय पर्वों और विभिन्न क्षेत्रीय त्योहारों के चलते होंगे। इसका मतलब है कि लगभग आधा महीना बैंकों में कामकाज नहीं होगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई या एक्सिस बैंक सहित सभी प्रमुख बैंकों की शाखाएं इन दिनों बंद रहेंगी। हालांकि, अलग-अलग राज्यों के हिसाब से छुट्टियों की तारीखों में थोड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, अलग-अलग राज्यों के हिसाब से छुट्टियों की तारीखों में थोड़ा बदलाव हो सकता है। बैंक ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे असुविधा से बचने के लिए अपने बैंकिंग कार्य समय से पहले ही निपटा लें, ताकि किसी भी जरूरी काम में देरी न हो।

अगस्त 2026 में कब-कब बंद रहेंगे बैंक

- 2 अगस्त (रविवार)- साप्ताहिक छुट्टी की वजह से पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।
- 4 अगस्त- केर पूजा की वजह से केवल अगरतला में बैंक बंद रहेंगे।
- 8 अगस्त (शनिवार)- महीने के दूसरे शनिवार की वजह से देशभर में बैंक अवकाश।
- 9 अगस्त (रविवार)- पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।
- 13 अगस्त- पैट्रियट्स डे की वजह से इंफाल में बैंक बंद.
- 15 अगस्त (शनिवार)- स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बैंकों की छुट्टी।
- 16 अगस्त (रविवार)- पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।
- 19 अगस्त- महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर जयंती की वजह से अगरतला में बैंक बंद।
- 22 अगस्त (शनिवार)- महीने का चौथे शनिवार की साप्ताहिक छुट्टी।
- 23 अगस्त (रविवार)- पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।
- 25 अगस्त- मिलाद-उन-नबी / पहला ओणम (कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे)।
- 26 अगस्त- ईद-ए-मिलाद / तिरुवोनम की वजह से दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल, बेंगलुरु समेत कई बड़े शहरों में बैंक बंद रहेंगे।
- 28 अगस्त- रक्षाबंधन / श्री नारायण गुरु जयंती की वजह से बैंक अवकाश।
- 30 अगस्त (रविवार)- पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।

एटीएम रहेंगे चालू, ऑनलाइन सर्विस भी नहीं होगी बंद- भले ही बैंकों के ताले लटके रहेंगे, लेकिन आपको घबराने की जरूरत नहीं है। डिजिटल बैंकिंग सेवाएं बिना रुकावट चलती रहेंगी। एटीएम कैश निकालने और जमा करने के लिए चालू रहेंगे। मोबाइल ऐप और इंटरनेट बैंकिंग से लेन-देन पहले की तरह आराम से कर सकेंगे। फंड ट्रांसफर के लिए आईएमपीएस और नीट जैसी सुविधा भी जारी रहेगी।

फ्लिपकार्ट की एंट्री से फूड डिलीवरी बाजार में हलचल, स्विगी-जोमैटो के शेयर धड़ाम

मुंबई, ।

भारत के ऑनलाइन फूड डिलीवरी बाजार में जुलाई 2026 के अंतिम सप्ताह में एक बड़ा बदलाव आया है। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट ने क्षेत्र में प्रवेश की घोषणा कर मौजूदा खिलाड़ियों स्विगी और जोमैटो की मूल कंपनी इटरनल के निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। इस घोषणा के बाद दोनों कंपनियों के शेयरों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जो बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा की आशंका को दिखाता है।

फ्लिपकार्ट ने अगले कुछ हफ्तों में बेंगलुरु में पायलट प्रोजेक्ट के साथ अपनी ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेवा शुरू करने की योजना बनाई है। इस कदम से निवेशकों में आशंका पैदा हो गई है कि अब तक इस क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखने वाली कंपनियों को भविष्य में कीमतों और कमीशन को लेकर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। फ्लिपकार्ट जैसी बड़ी पूंजी और तकनीकी क्षमता वाली कंपनी के आगमन से बाजार में डिस्काउंट और कमीशन वॉर तेज होने की उम्मीद है।

फ्लिपकार्ट की घोषणा के बाद स्विगी के शेयरों में इंट्राडे कारोबार के दौरान करीब 7 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि, इस गिरावट की एक वजह निवेशकों की मुनाफावसूली भी रही। इसके अतिरिक्त, स्विगी द्वारा विदेशी शेयरधारिता की सीमा को 49.5 प्रतिशत तक सीमित करने के प्रस्ताव ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव से कंपनी कुछ विदेशी सूचकांकों से बाहर हो सकती है, जिससे विदेशी निवेश में निकासी का जोखिम बढ़ सकता है।

जोमैटो की मूल कंपनी इटरनल पर भी फ्लिपकार्ट की संभावित एंट्री का असर दिखा, और उसके शेयरों में कारोबार के दौरान तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज हुई। निवेशकों का मानना है कि पूंजी और तकनीकी क्षमता से लैस फ्लिपकार्ट के बाजार में उतरने से मौजूदा कंपनियों के लिए ग्राहकों को बनाए रखना और अपनी बाजार हिस्सेदारी को सुरक्षित रखना अधिक चुनौतीपूर्ण होगा।

एनटीपीसी को घरेलू बाजार से 12,000 करोड़ जुटाने बोर्ड की हरी झंडी

कंपनी नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर के जरिए करेगी फंडरेज़, शेयरधारकों की मंजूरी अनिवार्य

नई दिल्ली ।

सरकारी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी (एनटीपीसी) ने अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी के बोर्ड ने घरेलू बाजार से 12,000 करोड़ रुपये तक की राशि जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। हालांकि, इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए पहले शेयरधारकों की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। यह फंड विभिन्न विस्तार परियोजनाओं और पूंजीगत खर्चों के लिए उपयोग किया जा सकता है। एनटीपीसी यह राशि नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) जारी करके जुटाएगी। कंपनी के पास सिक्योर्ड या अनसिक्योर्ड, टैक्सेबल या टैक्स-फ्री और क्यूमुलेटिव या नॉन-क्यूमुलेटिव एनसीडी जारी करने का विकल्प होगा, जो बाजार की परिस्थितियों और कंपनी की जरूरतों पर निर्भर करेगा। यह पूरा फंड घरेलू बाजार से प्राइवेट प्लेसमेंट के माध्यम से अधिकतम 12 अलग-अलग किश्तों (ट्रेंच) में जुटाया जाएगा, जिससे कंपनी अपनी जरूरत के हिसाब से पूंजी आकर्षित कर सकेगी। कंपनी के अनुसार, यह फंड जुटाने की योजना शेयरधारकों द्वारा विशेष प्रस्ताव के तहत मंजूर होने के बाद प्रभावी होगी। इसके बाद, कंपनी एक साल की अवधि तक या वित्त वर्ष 2027-28 की अगली सालाना आम बैठक तक, जो भी पहले हो, एनसीडी जारी कर सकेगी। प्रत्येक किश्त में जारी होने वाले एनसीडी की अवधि, ब्याज दर, सिक्योरिटी स्ट्रक्चर और लिस्टिंग जैसी शर्तें जारी करने के समय तय की जाएंगी।

आईफोन 18 प्रो सीरीज- सुधार पर जोर, कीमत बढ़ने की आशंका!

मुंबई ।

एप्पल की अगली पीढ़ी के आईफोन 18 प्रो सीरीज- को लेकर इंटरनेट पर अफवाहों का बाजार गर्म है। हालांकि कंपनी ने कोई पुष्टि नहीं की है, लीक रिपोर्ट्स में इसके संभावित डिज़ाइन, डिस्प्ले, प्रोसेसर और कैमरा से जुड़े अहम खुलासे हुए हैं।` रिपोर्ट के अनुसार आईफोन 18 प्रो का डिज़ाइन मौजूदा मॉडल जैसा ही रहेगा, लेकिन कुछ नए कलर ऑप्शन और छोटे डायनामिक आइलैंड देखने को मिल सकते हैं, जिसमें फेस आईडी सेंसर डिस्प्ले के नीचे होंगे। डिस्प्ले में नई तकनीक का इस्तेमाल होगा, जिससे बिजली की खपत कम होगी और बैटरी लाइफ बेहतर होगी। स्क्रीन का आकार पहले जैसा रहने की संभावना है। परफॉर्मेंस के लिए इसमें एप्पल का अगला ए20 प्रोसेसर मिलने की उम्मीद है, जो टीएसएमसी की 2 नैनोमीटर तकनीक पर आधारित होगा। यह चिपसेट मौजूदा मॉडल से तेज़ और ज़्यादा पावर एफिशिएंट होगा, जिससे एआई फीचर्स और मल्टीटास्किंग बेहतर होगी। कैमरे में वेरिएबल अपर्चर के साथ बेहतर मेन लेंस और सुधारित टेलीफोटो कैमरे की संभावना है, जिससे कम रोशनी में भी अच्छी तस्वीरें मिलेंगी। हालांकि, सबसे बड़ी चर्चा इसकी कीमत को लेकर है, जो मेमोरी और कच्चे माल की बढ़ती लागत के कारण पिछले मॉडल के मुकाबले बढ़ सकती है। यह सभी जानकारियां अभी लीक पर आधारित हैं, और एप्पल की आधिकारिक घोषणा के बाद ही पूरी तस्वीर साफ होगी।

जूनिपर ग्रीन एनर्जी आईपीओ का मूल्य दायरा तय

1800 करोड़ का निर्गम 214-225 रुपये प्रति शेयर के दायरे में

नई दिल्ली । नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी जूनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने सोमवार को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा घोषित कर दिया। यह निर्गम 30 जुलाई को खुलकर 3 अगस्त को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 214-225 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है, जिससे 1,800 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। ऊपरी मूल्य दायरे पर इसका बाजार पूंजीकरण करीब 12,802 करोड़ रुपये आंका गया है। यह आईपीओ पूरी तरह नए इक्विटी शेयरों का है। निर्गम का 50 फीसदी योग्य संस्थागत खरीदारों, 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों और 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित है।

मीराबाई ने रचा इतिहास, खेल महाशक्ति बनने की दस्तक

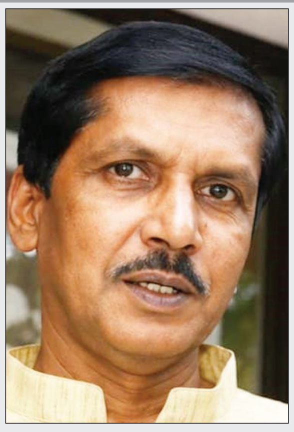

कुमार कृष्णन

मीराबाई चानू का स्वर्ण, ऋषिकांत सिंह और राजा मुथुपंडी के रजत तथा झंडू कुमार का कांस्य हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि भारत का खेल भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इन खिलाड़ियों ने केवल पदक नहीं जीते, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि प्रतिभा, परिश्रम और अवसर का संगम किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बन सकता है।

खेलों के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो केवल पदकों की संख्या से नहीं, बल्कि अपने सांकेतिक महत्व से याद रखे जाते हैं। वे किसी खिलाड़ी की व्यक्तिगत उपलब्धि से आगे बढ़कर पूरे राष्ट्र के आत्मविश्वास, उसकी सामूहिक आकांक्षाओं और भविष्य की दिशा का संकेत बन जाते हैं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू का स्वर्ण पदक ऐसा ही एक क्षण है। महिलाओं की 48 किलोग्राम स्पर्धा में 190 किलोग्राम भार उठाकर उन्होंने केवल स्वर्ण पदक ही नहीं जीता, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारतीय खेल अब प्रतिभा के भरोसे नहीं, बल्कि निरंतरता, वैज्ञानिक तैयारी और अदम्य आत्मविश्वास के नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं।

ग्लासगो में भारत के अभियान की शुरूआत जिस अंदाज में हुई, उसने यह संदेश दिया कि राष्ट्रमंडल खेलों में भारत अब केवल पदक तालिका में सम्मानजनक स्थान पाने का लक्ष्य लेकर नहीं उतरता, बल्कि अनेक स्पधाओं में प्रभुत्व स्थापित करने की क्षमता विकसित कर चुका है। भारोत्तोलन में पहले ही दिन स्वर्ण और दो रजत पदक इस विश्वास को और मजबूत करते हैं।

मीराबाई चानू ने स्नैच में 85 किलोग्राम तथा क्लीन एंड जर्क में 105 किलोग्राम भार उठाकर कुल 190 किलोग्राम का स्कोर बनाया। यह केवल स्वर्ण जीतने के लिए पर्याप्त नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से पूरे 22 किलोग्राम अधिक वजन उठाकर अपनी श्रेष्ठता निर्विवाद रूप से स्थापित कर दी। खेलों की दुनिया में ऐसी जीतें बहुत कम देखने को मिलती हैं, जहां विजेता और दूसरे स्थान के बीच इतना बड़ा अंतर हो। यह अंतर केवल ताकत का नहीं, बल्कि तैयारी, तकनीक और मानसिक दृढ़ता का भी होता है।

इस स्वर्ण के साथ मीराबाई ने राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतकर एक नई मिसाल कायम की। किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बार चैंपियन बनना कठिन होता है, लेकिन वर्षों तक अपने प्रदर्शन को उसी स्तर पर बनाए रखना उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। खेल इतिहास बताता है कि महान खिलाड़ी वही कहलाते हैं जो समय के साथ स्वयं को बार-बार साबित करते हैं। मीराबाई अब उसी श्रेणी में खड़ी दिखाई देती हैं।

उनकी यात्रा भारतीय खेलों की सबसे प्रेरक यात्राओं में से एक है। मणिपुर के छोटे से गांव नोंगपोक काकचिंग में जन्मी यह बेटी बचपन में सिर पर लकड़ियों के भारी गट्ठर उठाती थी। शायद उसी कठिन जीवन ने उनके कंधों को वह मजबूती दी, जिसने आगे चलकर विश्व मंच पर भारत का भार उठाने की क्षमता पैदा की। आर्थिक कठिनाइयों, सीमित संसाधनों, चोटों और असफलताओं के बावजूद उन्होंने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया। टोक्यो ओलंपिक का रजत पदक हो या विश्व चैंपियनशिप में सफलता–हर उपलब्धि के पीछे वर्षों का मौन संघर्ष छिपा हुआ है।

मीराबाई की जीत का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय महिला खेल आंदोलन की भी बड़ी सफलता है। कभी खेलों में महिलाओं की भागीदारी अपवाद मानी जाती थी। आज पी. वी. सिंधु, निकहत जरीन, साक्षी मलिक, लवलीना बोरगोहैन और मीराबाई चानू जैसी खिलाड़ी भारतीय खेलों की पहचान बन चुकी हैं। यह परिवर्तन केवल खेल के मैदान तक सीमित नहीं है; यह भारतीय समाज में महिलाओं के प्रति बदलती सोच और बढ़ते आत्मविश्वास का भी प्रमाण है।

ग्लासगो में भारत की सफलता केवल मीराबाई तक सीमित नहीं रही। पुरुषों की 60 किलोग्राम स्पर्धा में चनामबम ऋषिकांत सिंह ने रजत पदक जीतकर भारतीय अभियान को नई ऊर्जा दी। उन्होंने कुल 264 किलोग्राम वजन उठाया और स्नैच में 121 किलोग्राम का भार उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड स्थापित किया। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि रिकॉर्ड केवल जीत का प्रमाण नहीं होते, वे यह बताते हैं कि खिलाड़ी प्रतियोगिता के मानकों को बदलने की क्षमता रखता है।

ऋषिकांत सिंह का प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि भारतीय भारोत्तोलन में प्रतिभाओं की नई पीढ़ी तैयार हो चुकी है। अब भारत की सफलता किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रही। यह एक स्वस्थ खेल संस्कृति की पहचान है, जहां लगातार नए खिलाड़ी सामने आते हैं और अनुभवी खिलाड़ियों की विरासत को आगे बढ़ाते हैं।

इसी क्रम में राजा मुथुपंडी ने पुरुषों की 65 किलोग्राम स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत के खाते में एक और सफलता जोड़ दी। तीन पदकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारोत्तोलन अब भारत के लिए सबसे भरोसेमंद खेलों में शामिल हो चुका है। कभी यह खेल डोपिंग विवादों और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण चर्चा में रहता था। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ पर कई बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक प्रशिक्षण, पोषण, खेल विज्ञान, बेहतर निगरानी और खिलाड़ियों के अनुशासन ने इस खेल की तस्वीर बदल दी है। ग्लासगो की सफलता उसी परिवर्तन की कहानी है।

भारतीय दल के लिए यह भी उत्साहजनक रहा कि पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने कांस्य पदक जीतकर यह साबित किया कि भारत का पैरा खेल आंदोलन भी निरंतर मजबूत हो रहा है। यह उपलब्धि बताती है कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का नहीं, बल्कि मानसिक शक्ति और अदम्य संकल्प का भी नाम है।

इन सफलताओं का एक महत्वपूर्ण सामाजिक आयाम भी है। मीराबाई चानू और ऋषिकांत सिंह दोनों मणिपुर से आते हैं। पूर्वोत्तर भारत लंबे समय से देश को उत्कृष्ट खिलाड़ी देता रहा है। मुक्केबाजी में मैरी कॉम, भारोत्तोलन में मीराबाई और अब ऋषिकांत जैसे खिलाड़ी बताते हैं कि यह क्षेत्र भारतीय खेलों की नई ऊर्जा का स्रोत है। दुर्भाग्य से यह क्षेत्र लंबे समय तक विकास और खेल सुविधाओं के मामले में उपेक्षित रहा। फिर भी वहां की प्रतिभाओं ने यह सिद्ध कर दिया कि अवसर मिलने पर वे विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन कर सकती हैं। यह सरकारों के लिए भी संदेश है कि खेल अवसंरचना का विस्तार केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। भारतीय खेलों का परिदृश्य पिछले एक दशक में तेजी से बदला है। कभी क्रिकेट ही राष्ट्रीय खेल चेतना का पर्याय बन गया था, लेकिन अब बैडमिंटन, मुक्केबाजी, कुश्ती, निशानेबाजी, एथलेटिक्स, हॉकी और भारोत्तोलन जैसे खेल भी व्यापक जनसमर्थन प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवर्तन स्वस्थ लोकतांत्रिक खेल संस्कृति का संकेत है। जब किसी देश में अनेक खेलों के खिलाड़ी राष्ट्रीय नायक बनने लगते हैं, तब समझना चाहिए कि वहां खेलों की जड़ें गहरी हो रही हैं।

हालांकि इन सफलताओं के बीच कुछ गंभीर प्रश्न भी हैं। भारत जैसी विशाल आबादी वाले देश के लिए खेल अवसंरचना अभी भी अपर्याप्त है। गांवों और छोटे कस्बों में प्रतिभाओं की पहचान की व्यवस्था कमजोर है। प्रशिक्षकों की कमी, खेल विज्ञान का सीमित उपयोग, पोषण संबंधी असमानताएं और खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य पर कम ध्यान जैसी समस्याएं आज भी मौजूद हैं। यदि भारत वास्तव में खेल महाशक्ति बनना चाहता है, तो इन चुनौतियों का समाधान करना होगा। यह भी याद रखना होगा कि राष्ट्रमंडल खेलों की सफलता महत्वपूर्ण अवश्य है, लेकिन अंतिम कसौटी ओलंपिक है। विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा का स्तर कहीं अधिक ऊंचा होता है। इसलिए ग्लासगो के पदकों को उपलब्धि के साथ-साथ भविष्य की तैयारी के रूप में भी देखना चाहिए। मीराबाई स्वयं इस बात का उदाहरण हैं कि राष्ट्रमंडल खेलों की सफलता को ओलंपिक पदक में कैसे बदला जा सकता है। भारत आज 2036 ओलंपिक की मेजबानी का सपना देख रहा है। यदि यह सपना साकार होता है तो केवल आधुनिक स्टेडियम पर्याप्त नहीं होंगे। हमें लाखों बच्चों के भीतर खेल संस्कृति विकसित करनी होगी। विद्यालयों में खेल को परीक्षा जितना महत्व देना होगा। माता-पिता को भी यह स्वीकार करना होगा कि खेल केवल शौक नहीं, बल्कि सम्मानजनक पेशा और राष्ट्र निर्माण का माध्यम भी है।

खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं होते। वे समाज को अनुशासन, परिश्रम, टीम भावना और असफलताओं से जूझने का साहस सिखाते हैं। ऐसे समय में जब युवा पीढ़ी डिजिटल दुनिया में अधिक समय बिताती है, खेल उन्हें शारीरिक और मानसिक संतुलन प्रदान कर सकते हैं। इसलिए खेलों में निवेश केवल खिलाड़ियों पर खर्च नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य में निवेश है।

ग्लासगो में जब मीराबाई चानू के सम्मान में तिरंगा सबसे ऊपर लहराया और राष्ट्रगान की धुन गूंजी, तब वह केवल एक खिलाड़ी की जीत का क्षण नहीं था। वह उन लाखों भारतीय बच्चों के सपनों का भी उत्सव था जो छोटे-छोटे गांवों, पहाड़ों और कस्बों से निकलकर एक दिन विश्व मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं।

मीराबाई चानू का स्वर्ण, ऋषिकांत सिंह और राजा मुथुपंडी के रजत तथा झंडू कुमार का कांस्य हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि भारत का खेल भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इन खिलाड़ियों ने केवल पदक नहीं जीते, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि प्रतिभा, परिश्रम और अवसर का संगम किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बन सकता है।

ग्लासगो 2026 की यह शुरूआत भारतीय खेल इतिहास में केवल पदकों के लिए याद नहीं रखी जाएगी। इसे उस क्षण के रूप में भी याद किया जाएगा, जब भारत ने दुनिया से यह कहना शुरू किया कि वह खेलों में अब संभावनाओं का नहीं, उपलब्धियों का देश है। मीराबाई चानू की स्वर्णिम मुस्कान और भारतीय खिलाड़ियों का आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि भारत खेल महाशक्ति बनने की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आंदोलन की कामयाबी

नीट पेपर लीक और अन्य परीक्षाओं से जुड़ी अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों ने जो कई सप्ताह लंबा आंदोलन चलाया,उसकी तार्किक परिणति सबके सामने है। सरकार को छात्र आंदोलन के सामने झुकना पड़ा। जिसके फलस्वरूप शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ। एक बार फिर मोदी सरकार को आंदोलनकारियों के दबाव में फैसला लेना पड़ा। भाजपा के नेता कहते रहे हैं कि इस सरकार में मंत्रियों के इस्तीफे नहीं हुआ करते। युवाओं के इस आंदोलन ने किसान आंदोलन की याद ताजा कर दी, जब सरकार को किसानों के एक साल चले आंदोलन के बाद तीन कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। वहीं सरकार को उस संकट को स्वीकार करना पड़ा, जो भारतीय शिक्षा व्यवस्था में दशकों से शिकंजा कसे हुआ था। बहरहाल, सड़कों पर उतरे छात्रों के आंदोलन से साफ संदेश सामने आया कि अब भारत के युवा उस सिस्टम से जवाबदेही मांग कर रहे हैं, जो उनके भविष्य का निर्धारण करता है। एक और बात स्पष्ट रूप से सामने आई है कि युवाओं के इस आंदोलन ने देश के समक्ष मौजूदा दो सबसे बड़ी चुनौतियों- शिक्षा और बेरोजगारी को फिर सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। ऐसा नहीं है कि इन मुद्दों पर चर्चा पहले नहीं हुई। लेकिन यह महज नीतियां बनाने और चुनावी भाषणों में चर्चा तक सीमित रह गया था। विडंबना यह है कि देश में एक के बाद एक आई सरकारों ने कभी इस चुनौती का सीधे तौर पर मुकाबला

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैंः हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते होः प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं!ƒ झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

हरित भविष्य की राहः प्रकृति संरक्षण का संकल्प

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 28 जुलाई को जैव विविधता के संरक्षण, विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित किए जाने,पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की रक्षा करने के क्रम में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया जाता है।

आज विकास की होड़ में जगह-जगह कंक्रीट के जंगल खड़े किए जा रहे हैं और प्राकृतिक संसाधनों का जमकर दोहन किया जा रहा है। मानव अपने स्वार्थ और लालच के चक्कर में प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करना भूल सा गया है और प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जंगल कम होते चले जा रहे हैं और जलवायु परिवर्तन हो रहा है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है और ग्लेशियर पिघल रहे हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, वन, मिट्टी, वायु, वन्यजीव और जैव विविधता आदि सीमित हैं तथा इनके संरक्षण के बिना मानव जीवन और सतत विकास संभव नहीं है। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी और नैतिक कर्तव्य है। आज के समय में अनियंत्रित शहरीकरण, प्लास्टिक प्रदूषण, अंधाधुंध खनन और वनों की कटाई प्रकृति के सामने सबसे बड़ी चुनौतियाँ हैं। वास्तव में प्रकृति केवल हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन नहीं, बल्कि जीवन का मूल आधार है। यदि जंगल, नदियाँ, मिट्टी, वायु और वन्यजीव सुरक्षित रहेंगे, तभी मानव सभ्यता का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जल बचाने, अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने, प्लास्टिक का कम उपयोग करने तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। प्रकृति का सम्मान और संरक्षण ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे मूल्यवान विरासत है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर भारत में वनों की स्थिति की बात करें तो एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 21.76% भाग वन क्षेत्र है, जबकि वृक्ष आवरण लगभग 3.41% है। दोनों को मिलाकर वन एवं वृक्ष आवरण लगभग 25.17% है। कहना गलत नहीं होगा कि आज देश में विकास परियोजनाओं, सड़क एवं रेल निर्माण, खनन, शहरीकरण और अवैध कटाई के कारण कई क्षेत्रों में वनों पर दबाव बढ़ रहा है।वनों की कटाई से जैव विविधता घटती है, वन्यजीवों के आवास नष्ट होते हैं, मिट्टी का कटाव बढ़ता है और जलवायु परिवर्तन की समस्या गंभीर होती है।

आज प्रकृति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती प्लास्टिक प्रदूषण की है। यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो जानकारी मिलती है कि दुनिया में हर वर्ष 400 मिलियन टन (40 करोड़ टन) से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है। इसका बड़ा हिस्सा कचरे के रूप में पर्यावरण में पहुँच जाता है।यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही, तो 2050 तक गलत तरीके से प्रबंधित (रेंल्लीं) प्लास्टिक कचरा लगभग दोगुना होकर 12.1 करोड़ टन प्रति वर्ष तक पहुँच सकता है। भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के समक्ष एक बहुत ही गंभीर व बड़ी चुनौती है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में 2022-23 के दौरान लगभग 41.36 लाख टन (4.14 मिलियन टन) प्लास्टिक कचरा दर्ज किया गया। यह बहुत ही संवेदनशील है कि भारत से हर वर्ष लगभग 93 लाख टन (9.3 मिलियन टन) प्लास्टिक पर्यावरण में उत्सर्जित होता है, जो वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का लगभग 20% है। इतना ही नहीं,आज एआइ व इलैक्ट्रिक व्हीकल का दौर है।एआई और इलेक्ट्रिक व्हीकल के दौर में भी प्रदूषण की चुनौती बहुत बड़ी है। एआई के लिए विशाल डेटा सेंटरों को भारी मात्रा में बिजली और पानी की आवश्यकता होती है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों के निर्माण के लिए लिथियम, कोबाल्ट और निकेल जैसे खनिजों का बड़े पैमाने पर खनन किया जाता है, जिससे पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है। यदि इन बैटरियों का वैज्ञानिक ढंग से पुनर्चक्रण (रि-साइक्ल) न किया जाए, तो वे भविष्य में नए प्रकार के प्रदूषण का कारण बन सकती हैं।

ऐसे में आज जरूरत इस बात है कि हम धरती पर से सबसे पहले प्लास्टिक प्रदूषण को कम करें। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें। इतना ही नहीं, हरित ऊर्जा आज केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानवता की आवश्यकता बन चुकी है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जीवाश्म ईंधनों के सीमित भंडार को देखते हुए सौर, पवन, जल और जैव ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना समय की मांग है। हरित ऊर्जा न केवल कार्बन उत्सर्जन और वायु प्रदूषण को कम करती है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूत बनाती है। यदि हमें आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पृथ्वी देनी है, तो हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना और ऊर्जा की बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा।

अंत में यही कहूंगा कि प्रकृति संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय व सामूहिक भागीदारी से ही संभव है। इसके लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना और उनका संरक्षण करना, जल एवं ऊर्जा की बचत करना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) अपनाना, जैव विविधता और वन्यजीवों की रक्षा करना तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देना आवश्यक है। जब विकास और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित होगा तथा प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति को अपना दायित्व समझेगा, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और सुरक्षित पृथ्वी सुनिश्चित की जा सकेगी।

धर्मेंद्र प्रधान की सिर्फ मंत्री पद की कुर्सी गयी, राजनीतिक कद बरकरार है

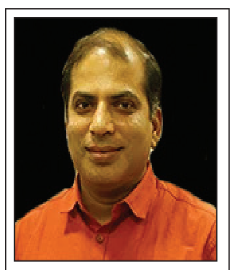

नीरज कुमार दुबे

भारतीय राजनीति में संदेश अक्सर शब्दों से नहीं, बल्कि प्रतीकों से दिए जाते हैं। संसद के मॉनसून सत्र में आज ऐसा ही एक प्रतीकात्मक दृश्य देखने को मिला। दो दिन पहले नीट पेपर लीक विवाद की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले धर्मेंद्र प्रधान जब संसद पहुंचे तो बीजेपी और एनडीए सांसदों ने उनका स्वागत विजेता की तरह किया। ₹धर्मेंद्र प्रधान जिंदाबाद₹ के नारों से संसद परिसर गूंज उठा, पारंपरिक टोपी और शॉल पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया और मुस्कुराते हुए प्रधान ने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन स्वीकार किया।

हीं से सियासत का नया अध्याय शुरू हो गया। विपक्ष ने सवाल दागा कि क्या यह इस्तीफे का सम्मान था या जवाबदेही का मजाक? कांग्रेस ने इसे उस नेता का महिमामंडन बताया जिसे देश की सबसे बड़ी परीक्षा से जुड़े कथित घोटाले के बाद पद छोड़ना पड़ा। धर्मेंद्र प्रधान के स्वागत समारोह पर कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने बिलकिस बानो मामले का हवाला देते हुए कहा कि यह उसी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा है जिसमें विवादों से घिरे लोगों का भी सार्वजनिक सम्मान किया जाता है। वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा सांसद प्रधान का स्वागत ऐसे किया जा रहा है कि मानो उन्होंने कोई बड़ी उपलब्धि हासिल की हो। उन्होंने आरोप लगाया कि देश ने पहले भी देखा है कि प्रधान ने अपने इस्तीफे में पेपर लीक के लिए माफी मांगने की बजाय छात्रों पर ही 'गुमराह होने' का आरोप लगाया था। रमेश ने कहा कि इसके बाद सभी केंद्रीय मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर प्रधान की 'वाहवाही' की। कांग्रेस महासचिव ने कहा, 'हमारा मानना है कि यह पूरा घटनाक्रम अत्यंत शर्मनाक है और देश के युवाओं का घोर अपमान है।'

हालांकि बीजेपी के लिए धर्मेंद्र प्रधान केवल पूर्व शिक्षा मंत्री नहीं हैं। वह पार्टी के सबसे भरोसेमंद संगठनकताओं में गिने जाते हैं। ओडिशा के एक राजनीतिक परिवार में जन्मे प्रधान ने छात्र राजनीति से शुरूआत की थी। एबीवीपी के कार्यकर्ता से लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, विधायक, सांसद और फिर केंद्रीय मंत्री बनने तक का उनका सफर संगठन की सीढ़ियां चढ़ते हुए तय हुआ। पेट्रोलियम मंत्री रहते हुए उज्ज्वला जैसी योजनाओं के विस्तार में उनकी अहम भूमिका रही, जबकि 2021 में उन्हें शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई।

ओडिशा में बीजेपी का संगठन खड़ा करने का श्रेय भी काफी हद तक धर्मेंद्र प्रधान को दिया जाता है। 2017 के पंचायत चुनावों से लेकर 2019 के लोकसभा चुनाव और फिर 2024 में बीजेडी को सत्ता से बेदखल कर बीजेपी की ऐतिहासिक जीत तक, उनकी रणनीति निर्णायक मानी जाती है। अमित शाह के करीबी राजनीतिक प्रबंधकों में उनकी गिनती होती रही है। पार्टी के भीतर उन्हें करिश्माई वक्ता से ज्यादा भरोसेमंद रणनीतिकार और संकटमोचक के रूप में देखा जाता है। लेकिन शिक्षा मंत्रालय का कार्यकाल उनके राजनीतिक जीवन का सबसे कठिन अध्याय साबित हुआ। नई शिक्षा नीति, मातृभाषा आधारित शिक्षा और पीएम-श्री स्कूल जैसी योजनाओं को आगे बढ़ाने के बावजूद उनका कार्यकाल लगातार विवादों में घिरा रहा। राष्ट्रीय परीक्षाओं में पेपर लीक के आरोप, एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप, तमिलनाडु के साथ तीन-भाषा फामूर्ले पर टकराव, 'हिंदी थोपने' के आरोप और शिक्षा संस्थानों के कथित भगवाकरण को लेकर विपक्ष के हमले लगातार उनका पीछा करते रहे। अंततः नीट विवाद वही मोड़ बन गया जिसने उन्हें पद छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

देखा जाये तो संसद में धर्मेंद्र प्रधान को मिले सम्मान ने यह संकेत भी दे दिया कि भाजपा उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ने नहीं देना चाहती। माना जा रहा है कि उन्हें जल्द ही पार्टी संगठन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष या महासचिव पद की जिम्मेदारी देने के अलावा उत्तर प्रदेश का चुनाव प्रभारी भी बनाया जा सकता है।

बहरहाल, सभी को यह समझना होगा कि भारतीय जनता पार्टी शायद उन पुराने कॉलेजों की तरह नहीं है, जहां लकड़ी की बेंचों पर सिर्फ लोकप्रिय नारे लिखे मिलते हैं। उसकी राजनीतिक शिक्षा सत्ता के कठिन संघर्षों से हुई है, जहां आज से ज्यादा कल की चिंता होती है। शायद इसी वजह से पार्टी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को अंत नहीं, बल्कि अगले अध्याय की शुरूआत की तरह पेश किया है। अब असली सवाल यह है कि क्या संसद में गूंजे धर्मेंद्र प्रधान 'जिंदाबाद' के नारे जनता के मन में उठे उन सवालों को भी दबा पाएंगे, जो लाखों छात्रों के भविष्य और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता से जुड़े हैं?

संक्षिप्त समाचार

नाटो मुख्यालय में जासूसी का शक

ब्रुसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम में नाटो के सैन्य मुख्यालय के भीतर कथित जासूसी के आरोप में एक कनाडाई महिला इंटर्न को गिरफ्तार किया गया है। बेल्जियम के संघीय अभियोजक कार्यालय ने शनिवार को बताया कि नाटो की सुरक्षा सेवाओं से सूचना मिलने के बाद जासूसी की जांच शुरू की गई। इसके तहत गुरुवार को संदिग्ध के घर और नाटो के विशाल सैन्य परिचालन केंद्र स्थित उसके कार्यस्थल पर छापेमारी की गई। इसके अगले दिन शुक्रवार को अधिकारियों ने उसे हिरासत में ले लिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, गिरफ्तार महिला चीनी मूल की कनाडाई नागरिक है और उस पर किसी तीसरे देश के लिए जासूसी करने तथा एक आपराधिक संगठन की सदस्य होने का संदेह है। फिलहाल जांच जारी है और अधिकारियों ने मामले से जुड़ी अन्य जानकारियां सार्वजनिक नहीं की हैं। इस घटना ने नाटो की सुरक्षा व्यवस्था और संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों की निगरानी को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। नाटो के 32 सदस्य देशों में कनाडा और बेल्जियम दोनों शामिल हैं। वर्ष 2021 में नाटो ने अपनी रणनीतिक समीक्षा में चीन को रूस और मध्य-पूर्व से जुड़े खतरों के साथ एक प्रमुख सुरक्षा चुनौती बताया था। जिस सैन्य मुख्यालय में यह मामला सामने आया, उसे सुप्रीम हेडक्वार्टर एलाइड पावर्स यूरोप कहा जाता है। यह बेल्जियम के दक्षिणी शहर मॉन्स में फ्रांस की सीमा के पास स्थित है और यहीं से नाटो की संयुक्त सैन्य रणनीति, अभियानों और परिचालन की योजना बनाई जाती है। वहीं, संगठन का राजनीतिक मुख्यालय ब्रुसेल्स में है, जहां सदस्य देशों के राजदूत रक्षा खर्च, ड्रोन घुसपैठ, साइबर सुरक्षा और अन्य रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं। ऐसे संवेदनशील सैन्य केंद्र में कथित जासूसी का मामला सामने आने से नाटो की आंतरिक सुरक्षा, खुफिया निगरानी और सदस्य देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को लेकर बहस तेज होने की संभावना है।

पेरू सड़क हादसे में पांच की मौत

लीमा, एजेंसी। दक्षिणी पेरू में शनिवार को दो बसों की आपस में टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई और 16 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह टक्कर चिली सीमा के पास टैकना शहर में दक्षिणी पैनअमेरिकन हाईवे पर हुई। हिपोलिटो उनानुए दे टैकना अस्पताल के निदेशक एडी विसेंट ने बताया कि अधिकांश घायल स्थिर हैं। एक 24 वर्षीय व्यक्ति कई फ्रैक्चर के साथ गंभीर हालत में है। टक्कर का कारण तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका है। किसान अगस्टिन चोकेकोटा ने कहा, एक बस के लेन से भटकने के बाद उनकी पिकअप भी चपेट में आ गई। विशेषज्ञों का मानना है कि पेरू में सड़क परिवहन की निगरानी कमजोर है। आपातकालीन सहायता भी धीमी और अव्यवस्थित है। इसका समाधान कानूनी सुधारों में है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2025 में 3,428 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए।

टेक्सास में भारतीय-अमेरिकी छात्र की आत्महत्या, परिवार ने मांगी कानूनी समीक्षा

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में एक 24 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी चिकित्सा छात्र वैभव दुग्गल ने जुलाई 2025 में आत्महत्या कर ली थी। शैक्षणिक अनुशासनात्मक कार्रवाई के बाद हुई इस घटना पर उनके परिवार ने कानूनी समीक्षा और प्रणालीगत नीतिगत सुधारों की मांग की है। परिवार ने संस्थागत विफलता और मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों की कमी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अपारदर्शी अनुशासनात्मक प्रक्रिया में उचित प्रक्रिया और पर्याप्त मानसिक स्वास्थ्य सहायता का अभाव था। इसी कारण वैभव को गंभीर मनोवैज्ञानिक परेशानी हुई, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। परिवार के वकालत अभियान ने जवाबदेही, स्वतंत्र समीक्षा और सुधार की मांग की है। यह मामला उच्च-दांव वाली व्यावसायिक शिक्षा में प्रणालीगत मुद्दों पर ध्यान आकर्षित कर रहा है। वकालत समूह अमेरिकी विश्वविद्यालयों में अनिवार्य उचित प्रक्रिया सुरक्षा, आघात-सूचित अनुशासनात्मक प्रक्रियाओं और एकीकृत मानसिक स्वास्थ्य प्रतिक्रियाओं की मांग कर रहे हैं।

50 वर्ष पुराना महाविनाश का सिद्धांत सवालों के घेरे में

वाशिंगटन, एजेंसी। चंद्रमा के शुरुआती इतिहास को लेकर वैज्ञानिकों की 50 वर्षों से चली आ रही अवधारणा अब नए सिरे से जांच के दायरे में आ गई है। चीन के चांग-ई-6 मिशन द्वारा पहली बार चंद्रमा के पृथ्वी से हमेशा छिपे रहने वाले दूरस्थ (फारसाइड) हिस्से से लाए गए चट्टानी नमूनों के अध्ययन में ऐसे प्रमाण मिले हैं। इसने लेट हेवी बॉम्बार्डमेंट सिद्धांत पर गंभीर सवाल खड़े किए। इसके अनुसार, चंद्रमा पर उल्कापिंडों की टक्करें किसी छोटे और विनाशकारी दौर में नहीं, बल्कि अरबों वर्षों तक धीरे-धीरे होती रहीं। शोधकर्ताओं ने कहा, यदि आगे के शोध भी इसकी पुष्टि करते हैं, तो न केवल चंद्रमा के विकासक्रम बल्कि प्रारंभिक पृथ्वी व जीवन की उत्पत्ति से जुड़ी वैज्ञानिक समय-रेखा पर भी नए सिरे से विचार करना पड़ सकता है।

ट्रंप को झटका, अमेरिकी अदालत ने एच-1बी वीजा पर फिर से भारी शुल्क लगाने की मांग ठुकराई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अपीलीय अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के खिलाफ दिए गए उस फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है, जिसमें अधीनस्थ अदालत ने उच्च कौशल वाले विदेशी कर्मचारियों के लिए एच-1बी वीजा पर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने के निर्णय को रद्द कर दिया था. बोस्टन स्थित 'फर्स्ट सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स' के तीन जजों की पीठ ने संघीय सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें अमेरिकी जिला न्यायाधीश लियो टी. सोरोकिन के आठ जून के फैसले पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था. सोरोकिन ने इस शुल्क को अवैध टैक्स बताते हुए रद्द कर दिया था, क्योंकि यह कांग्रेस की मंजूरी के बिना लगाया गया था. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल सितंबर में एक उद्घोषणा जारी कर नए एच-1बी वीजा प्राप्तकर्ताओं पर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने का निर्णय लिया था. एच-1बी वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को ऐसे विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जिनके पास विशेष क्षेत्रों में सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता होती है. अमेरिका की आईटी कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों से हजारों विशेषज्ञ कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए इसी वीजा पर निर्भर रहती हैं. अपीलीय अदालत ने 1989 में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि कार्यपालिका (सरकार) को यह स्पष्ट रूप से दिखाना होगा कि कांग्रेस ने उस पर वित्तीय बोझ चाहे उसे 'शुल्क' कहा जाए या 'कर', लगाने का विवेकाधिकार स्पष्ट शब्दों में प्रदान किया है. अदालत ने कहा, 'हालांकि, ट्रंप प्रशासन यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि इस मामले में कांग्रेस से स्पष्ट अधिकार मिलने की यह अनिवार्य शर्त क्यों लागू नहीं होनी चाहिए।

अदालत ने यह भी कहा कि प्रशासन यह साबित करने में विफल रहा कि अगर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी जाती है, तो वादी राज्यों को कोई गंभीर नुकसान नहीं होगा. अमेरिका हर साल 65,000 एच-1बी वीजा जारी करता है. इसके अलावा, उच्च शैक्षणिक योग्यता रखने वाले विदेशी पेशेवरों के लिए 20,000 अतिरिक्त वीजा भी जारी किए जाते हैं. इन वीजा पर वर्तमान में सामान्य रूप से 2,000 से 5,000 अमेरिकी डॉलर तक का शुल्क लिया जाता है. एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन वर्ष के लिए रोक लगाने का प्रस्ताव इस बीच, एक अमेरिकी सांसद ने सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें नए एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन वर्ष के लिए रोक लगाने तथा ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रत्येक एच-1बी आवेदन पर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर के शुल्क को कानून का हिस्सा बनाने का प्रस्ताव किया गया है. मोंटाना से रिपब्लिकन सीनेटर टिम शीही ने कहा कि अमेरिका को ऐसे वीजा जारी नहीं करने चाहिए, जिनसे अमेरिकी कामगारों के अधिकारों को कमजोर करना आसान हो जाए. उन्होंने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा, 'एच-1बी कार्यक्रम की शुरुआत विशेष कौशल वाले और ऐसे पदों पर कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए की गई थी जिन्हें भरना मुश्किल हो, न कि योग्य और मेहनती अमेरिकी कामगारों की जगह कम वेतन वाले विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने के लिए. ' विधेयक में नए एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन वर्ष के लिए रोक लगाने और इसके बाद इस कार्यक्रम को काफी अधिक कड़े नियमों और उच्च मानकों के साथ दोबारा शुरू करने का प्रस्ताव है।

कैस्पियन सागर में ईरानी जहाज पर यूक्रेन का हमला, तेहरान की खुली धमकी- अब भुगतने होंगे गंभीर नतीजे

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब केवल जमीनी सीमाओं तक सीमित नहीं रह गया है। यूक्रेन ने पहली बार कैस्पियन सागर में एक ईरानी जहाज को निशाना बनाकर संघर्ष को नया मोड़ दे दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, यह जहाज कथित तौर पर रूस के लिए सैन्य कार्गो ले जा रहा था। इस हमले के बाद ईरान और यूक्रेन के बीच कूटनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया है और तेहरान ने इस कार्रवाई को 'खुली आक्रामकता' करार दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक ऐसा कदम बताया है जो जंग की आग को और भड़का सकता है। तेहरान में तैनात यूक्रेन के ष्द्वड्डह्द्ध स्र'ड्डद्बद्गड्डद्बह्दद्वह्य को विरोध दर्ज कराने के लिए तलब किया गया है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि इस 'दुस्साहस' के लिए यूक्रेन और उसे उकसाने वाले उसके समर्थक देश पूरी तरह जिम्मेदार होंगे। हालांकि, हमले में जहाज को कितना नुकसान हुआ है, इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है। एक तरफ यूक्रेन ने समुद्र में पलटवार किया है, तो दूसरी तरफ रूस ने यूक्रेनी शहरों पर मिसाइलों की बरसात कर दी है। शनिवार रात रूस ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, जिसमें एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया।

गिलगित बाल्टिस्तान में भारी तबाही, अचानक आई बाढ़ से चौथे दिन भी संपर्क पूरी तरह कटा

इस्लामाबाद, एजेंसी। खबरों के अनुसार पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान (पीओजीबी) में आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड के कारण कई इलाकों का सड़क संपर्क लगातार चौथे दिन भी पूरी तरह से कटा हुआ है। बाढ़ से राष्ट्रीय राजमार्गों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे राहत और बहाली कार्य भी बहुत बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सड़कें बंद होने से हजारों स्थानीय निवासी और पर्यटक विभिन्न घाटियों में फंसे हुए हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को पेयजल, बिजली और संचार सेवाओं की भी भारी कमी का लगातार सामना करना पड़ रहा है। गिलगित-बाल्टिस्तान आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के महानिदेशक अताउर रहमान काकर ने इस गंभीर स्थिति पर अहम बयान दिया है। उन्होंने बताया कि 18 से 21 जुलाई के बीच क्षेत्र में रिकॉर्ड स्तर का तापमान दर्ज किया गया था। इस बढ़ती गर्मी से ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघले और कई स्थानों पर ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड की भयानक घटनाएं हुईं। नगर जिले की हिस्पर घाटी के निवासियों ने बताया कि सड़क संपर्क टूटने से मरीजों और छात्रों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घाटी में खाद्य सामग्री और जरूरी

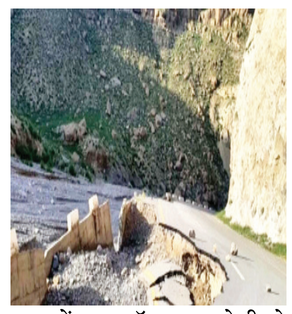

दवाइयों का स्टॉक बहुत तेजी से खत्म हो रहा है, जिससे हालात बिगड़ रहे हैं। वहीं, दियामेर, अस्तोर और घिजर जिलों के लोगों ने भी बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित होने की बड़ी शिकायत दर्ज कराई है। अस्तोर घाटी के परेशान लोगों ने स्थानीय प्रशासन पर राहत कार्यों की धीमी गति को लेकर अपनी गहरी चिंता जताई है। उनका कहना है कि घाटी का सड़क संपर्क पिछले तीन दिनों से पूरी तरह बाधित है, जिससे क्षेत्र अलग-थलग पड़ गया है। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भारी बारिश के कारण पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में अचानक आई इस बाढ़ ने बहुत व्यापक तबाही मचाई थी। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, 13 जुलाई को दियामेर जिले में छह स्थानों पर फ्लैश फ्लड की खौफनाक घटनाएं दर्ज की गई थीं। इस भयानक बाढ़ में कई मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि काराकोरम हाईवे के कई हिस्सों को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है।

बर्लिन पुलिस का दावा- इस्लामी कट्टरपंथी समूहों से जुड़ा है आरोपी, संदिग्ध की तलाश तेज

बर्लिन , एजेंसी। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के प्राइड कार्यक्रम के दौरान हुए हमले के मामले में पुलिस ने संदिग्ध की पहचान कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपी का संबंध बर्लिन में सक्रिय इस्लामी कट्टरपंथी समूहों या नेटवर्क से है। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी के लिए तेजी से छापेमारी की जा रही है। बर्लिन में शनिवार रात वार्षिक क्रिस्टोफर स्ट्रीट डे (प्राइड) कार्यक्रम के दौरान एक कार भीड़ में घुस गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हुए हैं। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद चालक कार छोड़कर फरार हो गया, जिसकी तलाश के लिए पुलिस ने बड़ा अभियान शुरू किया है। पुलिस अभी यह जांच कर रही है कि यह हादसा था या जानबूझकर किया गया हमला। वहीं, बर्लिन के मेयर काई वेगनर ने इसे शहर की आजादी और खुले समाज पर हमला बताया है। बर्लिन पुलिस के प्रवक्ता फ्लोरियन नाथ ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि जांच के शुरुआती चरण में ही संदिग्ध की पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि आरोपी का नाम फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है, लेकिन वह पहले से पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज है और बर्लिन का ही रहने वाला है। उन्होंने आगे कहा, 'हमने शुरुआती जांच के आधार पर एक संदिग्ध की पहचान कर ली है। वह बर्लिन में सक्रिय इस्लामी समूहों से जुड़ा हुआ है और पुलिस उसे पहले से जानती है'। उन्होंने बताया कि संदिग्ध की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है और उसकी तलाश पूरी तेजी से जारी है। हालांकि, पुलिस ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि हमले का मकसद क्या था और घटना में कितने लोग घायल हुए। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। बर्लिन का प्राइड कार्यक्रम हर साल बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी के साथ आयोजित किया जाता है। इस आयोजन में एलजीबीटीक्यू समुदाय के अधिकारों, समानता और विविधता के समर्थन में हजारों लोग शामिल होते हैं।

चीन पर टूटा टाइफून नोल का कहर, तीन लाख से अधिक लोगों को छोड़ना पड़ा घर; सैकड़ों उड़ानें रद्द

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिणी चीन के तटीय इलाकों में रविवार तड़के शक्तिशाली चक्रवाती तूफान नोल ने भीषण दस्तक दी। 145 किलोमीटर प्रति घंटे की तूफानी रफ्तार और मूसलाधार बारिश के साथ आए इस टाइफून ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। आपदा की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने ग्वांगडोंग प्रांत से अब तक 3,40,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाया है।

तड़के 3:50 बजे हुआ लैंडफॉल : चीन के राष्ट्रीय मौसम केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, टाइफून नोल रविवार सुबह स्थानीय समयानुसार लगभग 3:50 बजे दक्षिणी ग्वांगडोंग प्रांत के हुइझोउ शहर स्थित हुइडोंग काउंटी के तट से टकराया। लैंडफॉल के वक्त हवाओं की गति बेहद डरावनी थी। हालांकि, हांगकांग वेधशाला का कहना है कि जमीनी हिस्से से टकराने के बाद यह

तूफान धीरे-धीरे ग्वांगडोंग के अंदरूनी इलाकों की ओर बढ़ रहा है और इसकी तीव्रता में मामूली कमी दर्ज की गई है। तूफान का सबसे बड़ा असर यातायात व्यवस्था पर पड़ा है। हांगकांग एयरपोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, शनिवार और रविवार के बीच 150 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। वहीं, चाइना न्यूज सर्विस ने जानकारी दी कि सुरक्षा कारणों से ग्वांगडोंग प्रांत में रविवार को चलने वाली सभी ट्रेन सेवाओं को स्थगित कर दिया गया है। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, शनिवार दोपहर से ही लोगों को सुरक्षित निकालने का काम युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया था। नोल के असर से हांगकांग में शनिवार को एक निर्माणाधीन ऊंची इमारत का मचान गिर गया, हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। उधर, ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन ने बताया कि तूफान ताइवान के दक्षिण से गुजरते हुए भारी बारिश लेकर आया है, जिससे द्वीप के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में मौसम बिगड़ गया है। चीन के लिए जुलाई का महीना मौसम के लिहाज से काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। इस महीने की शुरुआत में टाइफून बावी ने पूर्वी चीन में कहर बरपाया था, जिसके कारण 20 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा था। उससे पहले 3 जुलाई को टाइफून मेसाक ने भी दक्षिणी चीन के तटों पर दस्तक दी थी। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि वीकेंड के दौरान ग्वांगडोंग और दक्षिण-पूर्वी फुजियान प्रांतों में भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। टाइफून नोल के प्रभाव से परिवहन सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। हांगकांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार और रविवार की 150 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई, जबकि गुआंगदोंग प्रांत में रविवार की कई ट्रेन सेवाएं भी स्थगित कर दी गईं। हांगकांग में तेज हवाओं के कारण एक ऊंची इमारत पर लगा मचान गिर गया।

धधक रहा यूरोप ! फ्रांस और स्पेन में तीन लाख से ज्यादा लोगों ने छोड़ा घर, जलकर खाक हुए लाखों हेक्टेयर जंगल

पेरिस, एजेंसी। यूरोप के कई देश इन दिनों भीषण गर्मी और जंगलों में लगी बेकाबू आग की चपेट में हैं। फ्रांस और स्पेन में हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि अब तक करीब 3,40,000 से अधिक लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी है। तेज हवाओं और रिकॉर्ड तापमान ने आग को बुझाने के प्रयासों को और भी मुश्किल बना दिया है, जिससे अधिकारी इस संकट को नियंत्रण से बाहर बता रहे हैं।

फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित बोर्दो शहर की ओर बढ़ रही आग ने अब प्रशासन की नींद उड़ा दी है। यहां के गिरोंडे और लैंडेस क्षेत्रों से अब तक लगभग 2,50,000 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। आग की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि धुएं की गंध 100 मील दूर तक महसूस की जा रही है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसे एक अभूतपूर्व स्थिति बताते हुए राहत कार्यों के लिए सेना को मैदान में उतार दिया है। आग की वजह से पैदा हुए सुरक्षा संकट के कारण दुनिया की मशहूर साइकिल रेस 'टूर डी फ्रांस' के अंतिम चरण के रूट को भी छोटा करना पड़ा है। दमकल अधिकारियों का कहना है कि आग इतनी भीषण है कि वह अपनी खुद की हवाएं और बवंडर पैदा कर रही है, जिससे इस पर काबू पाना लगभग असंभव हो रहा है।

स्पेन में भी स्थिति भयावह बनी हुई है, जहां सरकार ने आपातकाल घोषित कर दिया है। राजधानी मैड्रिड और आसपास के इलाकों से करीब 60,000 लोगों को विस्थापित किया गया है। वैलेंसिया क्षेत्र में आग की चपेट में आने से 70 वर्षीय एक व्यक्ति की कार में मौत होने की दुखद खबर भी सामने आई है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने स्वीकार किया है कि आने वाले समय में चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक स्पेन में 1,30,000 हेक्टेयर और फ्रांस में 98,000 हेक्टेयर जंगल जलकर खाक हो चुके हैं। यूरोपीय संघ की संकट प्रबंधन आयुक्त हाजा लहबीब ने चेतावनी दी है कि आग लगने का सिलसिला समय से पहले शुरू होने के कारण इस साल तबाही के पिछले सभी रिकॉर्ड टूट सकते हैं। इस महासंकट से निपटने के लिए यूरोपीय संघ ने एकजुटता दिखाते हुए मदद भेजी है।

ट्रंप के दो अफसरों को नहीं मिला वीजा, ब्राजील चुनाव में दखल देने की साजिश हुई नाकाम

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील ने ट्रंप प्रशासन के दो बड़े अधिकारियों को वीजा देने से साफ तौर पर इनकार कर दिया है। इन दोनों अमेरिकी अधिकारियों पर देश की चुनावी व्यवस्था और प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाने की बड़ी साजिश रचने का आरोप लगा है। सूत्रों के अनुसार यह माना जा रहा था कि अमेरिकी अधिकारियों का यह ब्राजील दौरा अक्टूबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को सीधे तौर पर प्रभावित करने की कोशिश थी। यह चुनाव वामपंथी राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा और ट्रंप समर्थक फ्लावियो बोल्सोनारो के बीच होगा। वीजा आवेदन खारिज होने वाले इस अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में डेमोक्रेसी, ह्यूमन राइट्स एंड लेबर के सहायक सचिव रिले एम. बार्न्स शामिल थे। उनके साथ डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी सैमुअल सैमसन भी ब्राजील जाने वाले थे, लेकिन शुक्रवार को उनके वीजा आवेदन ठुकरा दिए गए। एक ब्राजीलियाई अधिकारी ने बताया कि वीजा आवेदन खारिज करने का यह बड़ा फैसला खुफिया सबूतों के आधार पर लिया गया है। ये सबूत पूरी तरह से यह इशारा करते हैं कि वे चुनावी व्यवस्था को कमजोर करने और राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे थे। ब्राजील के इस बड़े चुनाव में हस्तक्षेप की यह सनसनीखेज कोशिश ऐसे समय में सामने आई है जब ट्रंप प्रशासन लैटिन अमेरिका में सक्रिय है। डोनाल्ड ट्रंप लैटिन अमेरिका के कई देशों में लगातार राजनीतिक घटनाक्रम को अपने अनुसार

प्रभावित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने हाल ही में कोलंबिया के राष्ट्रपति अबेलार्डो डे ला एस्प्रिएला और अर्जेंटीना के जेवियर मिलेई का भी खुलकर समर्थन किया था। इससे पहले वे चिली के जोस एंटोनियो कास्ट जैसे दक्षिणपंथी नेताओं का भी मंच से बहुत ही खुलकर अपना समर्थन कर चुके हैं। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने साल 2022 के चुनाव से पहले देश की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग व्यवस्था पर बार-बार सवाल उठाए थे। जायर बोल्सोनारो की यह पूरी रणनीति अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा साल 2020 के चुनाव के बाद अपनाए गए रुख से बिल्कुल मिलती है। उस ऐतिहासिक चुनाव में मौजूदा राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने बड़ी जीत दर्ज की थी जिसके बाद बोल्सोनारो को 2030 तक चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया। बाद में बोल्सोनारो को सत्ता में बने रहने की साजिश के आरोप में 27 साल की जेल हुई और वह हाउस अरेस्ट में हैं। अब ब्राजील में नए चुनावी चक्र की शुरुआत के साथ ही फ्लावियो बोल्सोनारो अपने पिता की पुरानी राजनीतिक विरासत को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने देश की चुनावी व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर एक बार फिर से भारी संदेह फैलाना शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में फिर से हुआ जोरदार धमाका, दो लोगों की मौत, जांच जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में एक बार फिर से अशांति और खौफ का माहौल है। शनिवार को उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में एक बहुत ही जोरदार धमाका हुआ है। इस भयानक धमाके में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है और पूरे इलाके में भारी दहशत फैल गई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस और सुरक्षाबलों ने मौके पर पहुंचकर अपनी जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि इस जानलेवा हमले के समय मौके पर एक स्थानीय नेता भी मौजूद थे जो बाल-बाल बच गए। पुलिस ने हमले में मारे गए दोनों लोगों के शवों को कब्जे में लेकर खार अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी तक किसी भी आतंकवादी संगठन ने इस बड़े और खौफनाक धमाके की जिम्मेदारी आधिकारिक रूप से नहीं ली है। धमाके के बाद से ही पूरे इलाके में भारी अफरा-तफरी और तनाव का माहौल स्पष्ट रूप से बना हुआ है।

बाजौर जिले में हुआ धमाका : यह दिल दहला देने वाली घटना अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में घटी है। सलारजई तहसील में स्थित ताली बांध के पास यह जोरदार धमाका हुआ जिसने सबको चौंका दिया। पुलिस के अनुसार इस दर्दनाक हादसे में अपनी जान गंवाने वाले दोनों लोग बाजौर जिले के ही रहने वाले थे। मारे गए लोगों की पहचान सुलेमान कारी और गुलाम के रूप में स्पष्ट तौर पर की गई है।

लगातार हो रहे हैं आतंकी हमले : उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत पिछले कुछ सालों से लगातार भारी अशांति का सामना कर रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह यहां बढ़ रही उग्रवादी हिंसा और अफगानिस्तान से लड़ाकों की सीमा-पार आवाजाही है। इलाके में बार-बार होने वाले सैन्य अभियानों के

कारण भी आम जनता को काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' यहां लगातार हिंसक हमलों को आसानी से अंजाम देता रहा है।

टीटीपी ने बढ़ाई मुश्किलें : पाकिस्तान की संघीय सरकार का साफ आरोप है कि आतंकी संगठन टीटीपी ने नवंबर 2022 में संघर्ष-विराम समझौता तोड़ दिया था। इसके बाद से ही अफगानिस्तान से सटे प्रांतों में आतंकी हमलों की संख्या में काफी ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई है। इन हमलों में न सिर्फ आम नागरिक बल्कि सुरक्षाबलों को भी अपना निशाना लगातार और बेरहमी से बनाया जा रहा है। सरकार और पुलिस इस पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए अपनी तरफ से लगातार कड़े प्रयास कर रही है।

पहले भी गई 15 जवानों की जान : इससे पहले 24 जुलाई को भी पाकिस्तान के इसी प्रांत में एक बहुत ही बड़ा आत्मघाती हमला हुआ था। बन्नू जिले में एक हमलावर ने विस्फोटकों से भरी अपनी गाड़ी सुरक्षा चौकी से सीधे टकरा दी थी। उस भयानक आत्मघाती हमले में सेना के 12 सैनिकों और 2 पुलिसकर्मियों सहित 15 सुरक्षाकर्मियों की दर्दनाक मौत हो गई थी। मृतकों में वन विभाग का एक पूर्व सरकारी अधिकारी भी शामिल था, जो आतंकवाद की भयावहता को साफ दर्शाता है।

काम करते-करते थक जाती हैं आपकी कलाइयां

तो रोजाना करे ये 6 स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज

क्या आप भी दिनभर काम करने के बाद अपनी कलाइयों के दर्द से परेशान रहते हैं? तो आप भी अब इन तरीकों से अपने कलाइयों की एक्सरसाइज कर कलाइयों के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं। अक्सर लोगों के साथ ऐसा कई बार होता है कि जब वह पूरा दिन कंप्यूटर और लैपटॉप पर काम करने के बाद शरीर में थकावट हो जाती है। इसके साथ ही लगातार काम करने से उनकी कलाइयों में दर्द महसूस होता है। जरूरी नहीं की काम की वजह से ही ऐसा हो कई बार ज्यादा बाइक चलाने से भी या फिर जिम करने से इस तरह का दर्द होने लगता है। इन सब चीजों से छुटकारा पाने के लिए आप रोजाना कलाइयों की एक्सरसाइज कर सकते हैं। यहां आपको कलाइयों के एक्सरसाइज के बारे में कुछ तरीके बताएंगे जो आपको आपकी कलाइयों के दर्द या फिर उसे आराम देने का काम करेगी।

कलाई को नीचे की ओर खीचें

आप अपने हाथ को अपने सामने लाकर सीधा करें और कलाई को नीचे की तरफ खींचें। आप अपने दूसरे हाथ से अपनी कलाई को नीचे की और खींचने की कोशिश करें। अपनी कलाई को करीब 20 से 30 सेकेंड खींचे रखे। ऐसा ही अपने दूसरे हाथ की कलाई को करें। यह आपकी कलाई की नसों को खोलने का काम करेगी और साथ ही आपकी कलाई को आराम देगी।

मुट्ठी बनाएं और आराम से खोलें

कलाई को आराम देने के लिए आप एक मुट्ठी बनाएं जिसे आप करीब 4 से 5 सेकेंड के बाद खोलें और अपनी उंगलियों को खींचें। इस एक्सरसाइज से आपकी उंगलियों पर भी असर होगा। और साथ ही आपकी उंगलियां का दर्द कम होगा और काम करने के लिए तैयार हो जाएंगी। उनमें किसी तरह की कोई थकावट महसूस नहीं होगी।

टेनिस बॉल का करें प्रयोग

अगर आपको लग रहा है की आपकी कलाई से आपको काफी थकावट महसूस हो रही है तो आप टेनिस बॉल के साथ एक्सरसाइज कर सकते हैं। यह एक्सरसाइज आपको रोजाना करनी चाहिए खासकर उन लोगों को जिनका रोजाना का काम कंप्यूटर या फिर लैपटॉप का होता है।

कलाई को चारों और घूमाएं

आप अगर अपनी कलाई को जकड़ा हुआ या फिर दर्द महसूस कर रहे हैं तो आपको अपनी कलाई को चारों और घुमाकर एक्सरसाइज करनी होगी। आप पहले तो अपनी कलाई में मुट्ठी बना लें। इसके बाद आप अपने हाथ को अपने सामने लाएं और धीरे-धीरे इसे चारों और घुमाएं। इस एक्सरसाइज में आप पहले अपनी कलाई को घड़ी की तरह घुमाएं फिर उल्टा घुमाना शुरू करें। इससे आपकी कलाइ को धीरे-धीरे आराम मिलेगा। और जकड़न को खत्म करने में मदद मिलेगी। अगर जिम करते समय आपको महसूस हो रहा है कि कलाई में दर्द या फिर कमजोर हो रही है यानी उतनी मजबूत नहीं है जितनी होनी चाहिए। तो आप जिम में ही कलाई की एक्सरसाइज कर सकते हैं।

जिम में करें कलाई की एक्सरसाइज

यह एक्सरसाइज खासतौर पर कलाइयों को मजबूत बनाती है। इसे करने के लिए पहले बैठ जाएं और अपने हाथ को जांघ पर रखते हुए हथेलियों को नीचे की तरफ रखें। अब 8-10 किलो वजन वाले डम्बल को हाथ से पकड़े और कलाइयों पर जोर डालते हुए उसे थोड़ा सा उठाने की कोशिश करें। इसे करते समय अपनी कोहनी को न उठाएं सिर्फ कलाइयों और हथेली का प्रयोग करें। इसे कम से कम 20 बार दोहराएं।

डम्बल के साथ करें एक्सरसाइज

कलाइयों को मजबूत करने के लिए आप 4-5 किलो के डंबल को हथेली पर रखें और फिर उंगलियों को अंदर की तरफ मोड़कर उसे पकड़कर हथेली से कलाई तक रोल कराएं। फिर उंगलियों को वापस शुरुआती पोजीशन में ले जाएं। इसे कम से कम 10-15 बार करें। यह आपकी कलाई को और मजबूत करने में मदद करेगी।

क्या जीवन बीमा बीच जिंदगी के संकट दूर करने में सहायक हो सकता है?

जीवन काल के मध्य में हर व्यक्ति संकट की स्थिति से गुजरता है, जब उम्मीदों का वास्तविकता से सामना होता है। सामान्य तौर पर, युवावस्था में भावनात्मक एवं वित्तीय दृष्टि से व्यक्ति काफी संतुष्ट रहता है लेकिन 30 की उम्र शुरू होने के बाद से 45 और 55 की उम्र के बीच संतुष्टि का स्तर लगातार घटता जाता है। यही वो समय होता है, जब व्यक्ति भावनात्मक, सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से अपने जीवन सफर के हासिल को लेकर मजबूती से सवाल करता है। और यदि इस तरह के विश्लेषण के बाद, उसके जीवन का हासिल उसकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं होने पर, उसे मानसिक तनाव हो सकता है।जानिए कैसे एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान उन्हें बेहतर प्रबंधन करने में मदद कर सकता है।

चिंता 1: क्या मैं अपने बच्चे केभविष्य की आर्थिक रूप से रक्षा कर सकूंगा?

हम जानते है कि एक कुलीन संस्थान में 2 साल का एमबीए कोर्स, जिसकी कीमत आज लगभग 6 लाख रुपए है, 20 साल बाद लगभग 40 लाख रुपए हो जाएगी। लेकिन अच्छी खबर यह है कि कई बीमा योजनाएं हैं जो आपके बच्चे की भविष्य की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए हैं। यह एक बच्चे की योजना, एक यूलिप या एक पारंपरिक मनी-बैक योजना हो, आप अपनी आवश्यकता के अनुकूल एक का चयन कर सकते हैं। यहां अनुशासित आवधिक भुगतानों के साथ आप बच्चे के भविष्य के लिए एक कोष जमा कर सकते हैं। यदि पॉलिसी की परिपक्वता से पहले आपके साथ कुछ होता है, तो लंबित प्रीमियम यह सुनिश्चित करने से छूट जाते हैं कि पॉलिसी जारी है, और आपके बच्चे के सपने सुरक्षित हैं।

चिंता 2: बहुत अधिक और सेवानिवृत्ति केबारे में नहीं सोचना?

आपको सेवानिवृत्ति के बाद कितने पैसे की आवश्यकता होगी? यह निश्चित रूप से चिंता का कारण बन सकता है। जीवन बीमा का उपयोग सेवानिवृत्ति की योजना के लिए कई तरीकों से किया जा सकता है। आप ऐसे उत्पादों का चयन कर सकते हैं जो जीवन रक्षा की पेशकश करते हुए, सेवानिवृत्ति के बाद की जरूरतों को पूरा करने के लिए नियमित आय पैदा करने में मदद करेंगे। एक संपूर्ण जीवन बीमा बचत योजना या एक गारंटीकृत रिटर्न योजना, ऐसी नीतियां हैं जो न केवल असामयिक मृत्यु के मामले में सुरक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि नियमित आय की पेशकश भी करेंगी या आय पोस्ट रिटायरमेंट में मदद करने के लिए एकमुश्त कॉर्पस बनाएंगी।

चिंता 3: चिकित्सा आपात स्थिति के लिए वित्त?

आप गंभीर बीमारी नीतियों या सवारों के लिए चुन सकते हैं जो कैंसर, दिल के दौरे या कई अंग विफलता जैसी बीमारियों के निदान पर पॉलिसीधारकों को नकद भुगतान की पेशकश करते हैं। ये योजनाएं आपको एकमुश्त भुगतान के साथ कम प्रीमियम पर उच्च कवर प्रदान करती हैं। वे न केवल आपके आय प्रतिस्थापन के रूप में कार्य करते हैं, बल्कि व्यय प्रबंधन करने में सहायता भी प्रदान करते हैं जैसे कि अस्पताल के दौरे, डॉक्टर के शुल्क, घर के किराए आदि पर खर्च किए गए पैसे।

चिंता 4: क्या होगा अगर मैं 40 के दशक में अपनी नौकरी खो दूं?

जीवन में कई घटनाएं हो सकती हैं, जिससे आय में कमी हो सकती है जैसे कि आर्थिक मंदी, स्वास्थ्य की समस्या, दुर्घटना के कारण आ शिक या स्थायी विकलांगता आदि के कारण जीवन बीमा पॉलिसियां हैं, जो आपकी आय को सुरक्षित करती हैं और मासिक भुगतान की गारंटी देती हैं। नौकरी छूटने के दौरान निर्दिष्ट अवधि। इसके अलावा, जीवन बीमा कवर के लिए गारंटीकृत बचत योजनाओं या व्यक्तिगत दुर्घटना और प्रीमियम की छूट जैसी सवारियां वित्तीय रूप से सहायता करने के लिए सुसज्जित होती हैं, जब कोई नौकरी छूट जाती है। देखें कि क्या आप इसे से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं, और अपने मध्य जीवन की चिंता से मुक्त जश्न मनाने के लिए एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान के साथ अंतर के भरें।

पराग राजा, चीफ डिस्ट्रिब्यूशन ऑफिसर, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस

काबुली चने की चाट

सामग्री

- 200 ग्राम काबुली चने या छोले
- 50 ग्राम मटर के दाने
- 1 मध्?यम आकार का प्याज
- 2 हरी मिर्च
- 2 चम्मच तेल
- 1 चुटकी सरसों
- 1 चुटकी उड़द की दाल
- मीठा नीम
- 1 चम्मच नींबू का रस
- स्वाद अनुसार नमक।

विधि

शाम की चाय के साथ चटपटी काबुली चना चाट बनाने के लिए सबसे पहले छोलों को 5 से 6 घंटे के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद अब छोलों में थोड़ा सा नमक और चुटकी भर सोड़ा डालकर उन्हें उबाल लें। अब मटर के दाने को गरम पानी में एक-दो बार उबालकर उसका पानी निथार लें। अब प्याज और हरी मिर्च बारीक काटकर एक कढ़ाई में तेल गरम करके उसमें उड़द की दाल, राई या सरसों में से एक चीज डालकर भून लें। अब इसमें मिर्च, मीठा नीम डालकर फ्राई करे लें। इसके बाद इसमें प्याज डालकर उसे नरम होने तक भूनने के बाद उसमें चने मिला दें। इस से थोड़ा नमक डालकर चनों को अच्छे से मिला लें। अब ऊपर से नींबू का रस धनिया काटकर बुरक दें। आपकी स्पाइसी काबुली चना चाट बनकर तैयार है। इसे शाम की चाय के सर्व करें।

सेब की चटनी

सामग्री

- हरे सेब- चार
- गुड़- एक बडा चम्मच (कतरा हुआ)
- जीरा- एक छोटा चम्मच
- सरसों- एक छोटा चम्मच
- मिर्च पाउडर- एक छोटा चम्मच
- गरम मसाला पाउडर- एक छोटा चम्मच
- आलिव/रिफाइंड ऑयल- एक बड़ा चम्मच
- काली मिर्च पाउडर- आधा छोटा चम्मच

विधि

सबसे पहले सेब का छिलका उतारकर उसे कद्दूकस कर लें। फिर एक पैन में ऑलिव ऑयल डालकर उसे गर्म करें। तेल गर्म होने पर उसमें सरसों डालकर भूनें। इसके बाद मिर्च, जीरा, गरम मसाला, काली मिर्च पाउडर डालें और उसे हल्का सा भूनें। मसाले भुनने के बाद सेब, नमक और गुड़ पैन में डालें और मध्यम आंच पर लगभग पन्द्रह मिनट तक पकाएं। जब चटनी थोड़ी गाढ़ी हो जाए, तो समझ जाएं कि यह तैयार हो गयी है। अब गैस को बंद कर दें। लीजिए, सेब की चटनी तैयार हुई। ठंडा होने पर इसे स्नैक्स अथवा भोजन के साथ परोसें। चाहें तो सेब की चटनी फ्रिज में रख कर 7-8 दिनों तक इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों को यह चटनी बेहद पसंद आएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगाा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ ज्ञ ज दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 5023

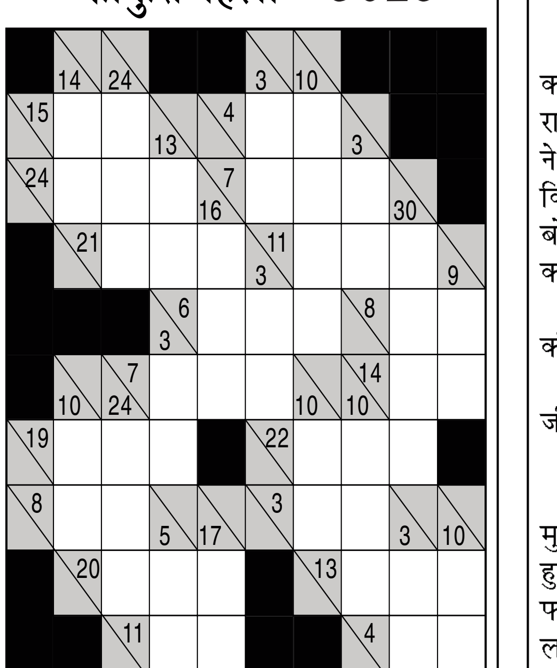

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

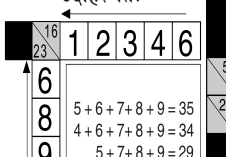

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 5022 का हल

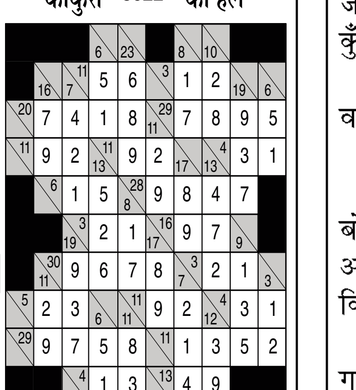

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

फिल्म वर्ग पहेली- 5023

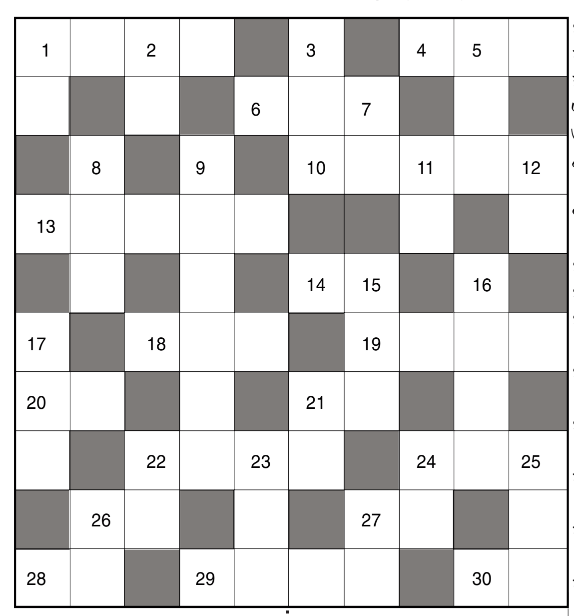

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5022

सूडोकु -5023

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5022 हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 5023

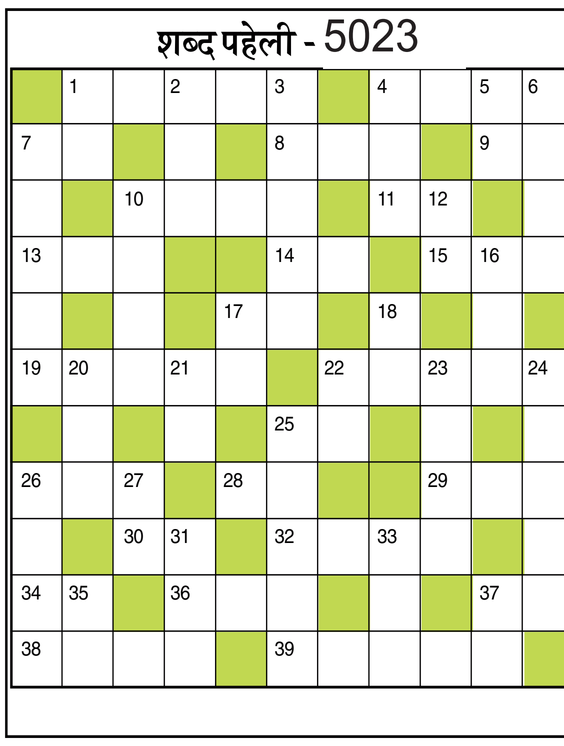

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -5022 का हल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रोडवेज की 144 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

एजेंसी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के अजमेर रोड स्थित हीरापुरा बस टर्मिनल से रोडवेज की 144 नई बसों को पूजन के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बस चालकों के साथ संवाद करते हुए ग्रुप फोटो भी खिंचवाई। मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार सभी संकल्पों एवं वादों को पूरा करते हुए जनकल्याण से जुड़े प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लगातार सार्वजनिक परिवहन सेवा का विस्तार किया जा रहा

है, ताकि आमजन को सुरक्षित, सुलभ और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध हो सके। हमारी सरकार की प्राथमिकता प्रदेश के हर कोने में परिवहन सुविधा पहुंचाना है। आज रवाना की गई 144 नई बसों के संचालन से प्रदेश के लाखों यात्रियों को बेहतर यात्रा सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रभावी प्रबंधन और पारदर्शी कार्यप्रणाली के कारण राजस्थान रोडवेज घाटे से निकलकर लाभ की स्थिति में पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने वित्तीय अनुशासन स्थापित कर रोडवेज कर्मचारियों को समय पर वेतन देना सुनिश्चित किया है।

जोधपुर में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के दीक्षारंभ सत्र में शामिल हुई उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

जोधपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जोधपुर स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के दीक्षारंभ सत्र 2026-27 में सहभागिता कर नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सावित्रीबाई फुले छात्रावास का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए दिया कुमारी ने उत्कृष्ट शिक्षा, संवैधानिक मूल्यों, नैतिक नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी ज्ञान, न्याय और नेतृत्व के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करते हुए देश को उत्कृष्ट विधि विशेषज्ञ और जिम्मेदार नागरिक प्रदान करती रहेगी। अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ-साथ करियर, व्यक्तित्व विकास और समसामयिक विषयों पर भी ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं और विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवाओं के विचार और सुझाव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रचार-प्रसार के युग में समाज तक प्रामाणिक जानकारी पहुंचाना अत्यंत आवश्यक : सुनील अम्बेकर

लखनऊ। वर्तमान सूचना एवं प्रचार-प्रसार के युग में समाज तक सही,तथ्यपरक एवं प्रामाणिक जानकारी पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि तथ्य आधारित संवाद ही भ्रामक सूचनाओं एवं फॉल्स नैरेटिव से समाज को सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उक्त विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अम्बेकर ने बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग और अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की मीडिया कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कही। श्री अम्बेकर ने मीडिया एवं शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का आह्वान किया कि वे तथ्यों की पुष्टि के उपरांत ही सूचनाओं का प्रसार करें तथा सकारात्मक, उत्तरदायी और राष्ट्रहितकारी संवाद को बढ़ावा दें। भारतीयता के विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था में भारतीय दृष्टिकोण, भारतीय जीवन-मूल्यों एवं सांस्कृतिक विरासत को समुचित स्थान देना समय की आवश्यकता है।

कर्नाटक विधानसभा का मानसून सत्र 13 अगस्त से, सूखे पर केंद्र से मदद के लिए सीएम ने बुलाई सांसदों की बैठक

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने घोषणा की कि राज्य विधानसभा का मानसून सत्र 13 अगस्त से शुरू होगा। राज्य सरकार सूखे की बिगड़ती स्थिति और विकास से जुड़े लंबित मुद्दों पर ध्यान देने की तैयारी कर रही है। डीके शिवकुमार ने यह भी बताया कि उन्होंने सूखे की स्थिति पर चर्चा करने और केंद्र से मदद मांगने के लिए 27 जुलाई को दिल्ली में कर्नाटक के सभी सांसदों की बैठक बुलाई है। उन्होंने बेंगलुरु में जवाहरलाल नेहरू तारामंडल के पास नेशनल मिलिट्री मेमोरियल के पास मीडियाकर्मियों से बात करते हुए यह जानकारी दी। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने कहा है कि भाजपा और जेडी(एस) मिलकर आगामी विधानसभा सत्र में जनता से जुड़े सभी अहम मुद्दे उठाएंगे और राज्य के लोगों पर असर डालने वाले मामलों पर सत्ताधारी कांग्रेस सरकार को जवाबदेह ठहराएंगे।

सीएम शिवकुमार ने 25 जुलाई को जन प्रतिनिधियों को लिखे एक पत्र में कहा कि कर्नाटक गंभीर सूखे का सामना कर रहा है और कई चुने हुए प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार से इस मामले को केंद्र सरकार के सामने उठाने का आग्रह किया है। यह बैठक सोमवार 27 जुलाई को शाम 6.30 बजे नई दिल्ली में कर्नाटक भवन-1 (कावेरी) में तय की गई है।

सभ्यता का प्राचीन और अनिवार्य स्तंभ है मातृत्वः डॉ मोहन भागवत

एजेंसी

हैदराबाद। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि सभ्यता के सबसे प्राचीन और अनिवार्य स्तंभों में से एक है मातृत्व, और इस बात पर जोर दिया कि परिवार और समाज में एक मां की भूमिका केंद्रीय बनी हुई है। हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित कोमाराम भीम आदिवासी भवन में विश्व मंगल सभा द्वारा आयोजित समकालीन मातृत्व पर एक सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सृष्टि की शुरुआत ही मातृत्व से होती है, और इसे एक ऐसी प्राकृतिक शक्ति के रूप में वर्णित किया जो जीवन और सामाजिक निरंतरता को बनाए रखती है। भागवत ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यता है, और मातृत्व की अपनी समझ में भी सबसे प्राचीन है। उन्होंने तर्क दिया कि देश का लंबा सामाजिक पतन तब शुरू हुआ

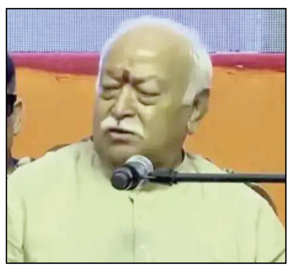

जब समाज मातृत्व के संदेश और उसके सभ्यतागत मूल्यों को भूल गया, जिससे विदेशी ताकतों को देश और मन दोनों पर हावी होने का मौका मिल गया। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक शासन ने भारतीयों को यह विश्वास दिलाकर इस आत्म-विस्मृति को और गहरा कर दिया कि स्वदेशी परंपराएं पुरानी और हीन हैं। उन्होंने कहा कि जो देश नारी को शक्ति स्वरूप बताकर पूजता था, उसी समाज ने देवी को दासी बनाकर घरों में कैद कर दिया। यह स्थिति बिल्कुल बदलनी चाहिए। युवा पीढ़ी की ओर रुख करते हुए, भागवत ने कहा कि जेन जेड (जेन-जी) वैश्विक रुझानों को तुरंत अपना लेती है, लेकिन अक्सर ऐसा बिना किसी शांत चिंतन के करती है। उन्होंने कहा कि युवा सवाल पूछते हैं, उनको उसका सम्यक उत्तर स्नेह और प्रेम से देना चाहिए। उनके साथ बिना किसी अंध आज्ञाकारिता के, बल्कि संवाद, तर्क, स्नेह और समय के साथ जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक घरों में सार्थक बातचीत में भारी गिरावट आई है, जिससे परिवार पहले से कमजोर हुए हैं। डॉ भागवत ने लिव-इन रिश्तों की भी आलोचना करते हुए कहा कि वे जिम्मेदारी लेने की अनिच्छा को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि विवाह और परिवार समाज की मूल सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक इकाइयां बने हुए हैं, और बाहरी मॉडलों का केवल इसलिए आँख मूंदकर अनुसरण नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उन्हें प्रगतिशील के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

बीआरएस नेताओं का 'चलो कर्नाटक' अभियान शुरू, अवैध बैराज हटाने की मांग

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के महबूबनगर जिले के भारत राष्ट्र समिति(बीआरएस)के नेताओं ने 'चलो कर्नाटक' कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसके तहत कर्नाटक द्वारा बनाए गए कथित अवैध बैराजों को हटाने और कृष्णा बेसिन पर नई परियोजनाओं को तुरंत रोकने की मांग की गई है। इसमें पूर्व मंत्रियों वी. श्रीनिवास गौड़ और सी. लक्ष्मा रेड्डी, पूर्व विधायकों चित्तम राम मोहन रेड्डी और आला वेंकटेश्वर रेड्डी, एमएलसी नवीन कुमार और पार्टी नेताओं इम्तियाज इशाक तथा वेंकटेश्वर रेड्डी के नेतृत्व में एक बड़ा काफिला कर्नाटक के लिए रवाना हुआ। इसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भी साथ थे। कर्नाटक रवाना होने से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री लक्ष्मा रेड्डी ने कहा कि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की कृष्णा, तुंगभद्रा और भीमा नदियों के पानी को मोड़ रहे हैं, जिससे तेलंगाना के सिंचाई हित प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के रूप में बीआरएस राज्य के जल अधिकारों की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार ने बीआरएस द्वारा पदयात्रा की घोषणा करने के बाद ही इस परियोजना की समीक्षा की। उन्होंने सिंचाई सलाहकार आदिनाथ दास की नियुक्ति की भी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश में काम करते समय उन्होंने तेलंगाना की सिंचाई परियोजनाओं का विरोध किया था।

जौनपुर के आशीष सोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से किया वर्चुअल संवाद, विश्व के सबसे ऊंचे डाकघर 'हिक्किम' का साझा किया अनुभव

एजेंसी

जौनपुर। यूपी के जौनपुर के बदलापुर ब्लॉक निवासी युवा छात्र आशीष सोनी ने एक विशेष वर्चुअल संवाद कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधे बातचीत कर जनपद का गौरव बढ़ाया। यह अवसर उन्हें युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्था 'मेरा युवा भारत' द्वारा गृह मंत्रालय और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के सहयोग से आयोजित 'विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम' के तहत मिला। देशभर से आयोजित इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए लगभग 2.7 लाख युवाओं ने क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया था, जिनमें से केवल 403 प्रतिभागियों का चयन किया गया। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद का प्रतिनिधित्व करने वाले आशीष सोनी भी इन चुनिंदा युवाओं में शामिल रहे जो इंटरमीडिएट के छात्र हैं। प्रतियोगिता में चयन होने के पश्चात आशीष की इच्छानुसार सरकारी कार्यक्रम तहत उन्होंने हिमाचल प्रदेश का दौरा किया। इस दौरान हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति की स्पीति घाटी स्थित काजा खास गांव में रहकर सीमावर्ती क्षेत्रों के जनजीवन, संस्कृति और विकास कार्यों का अनुभव प्राप्त किया। वर्चुअल संवाद के दौरान आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आशीष से विश्व के सबसे ऊंचे डाकघर हिक्किम

के अनुभव के बारे में जानकारी ली। आशीष ने बताया कि उन्होंने इसी डाकघर से प्रधानमंत्री के नाम एक पत्र भेजा था। उन्होंने यह भी बताया कि समुद्र तल से 15 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित इस दुर्गम क्षेत्र में भी क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली पूरी तरह सक्रिय है, जो डिजिटल इंडिया अभियान की सफलता का प्रमाण है। आशीष ने प्रधानमंत्री को स्वयं सहायता समूहों के साथ किए गए कार्यों तथा ग्रामीणों को दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के अपने अनुभव भी साझा किए। उन्होंने चिचम पुल के निर्माण से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों और विशेष रूप से रात्रिकालीन पर्यटन को मिले बढ़ावा का भी उल्लेख किया, जिसकी प्रधानमंत्री ने सराहना की। संवाद के बाद आशीष सोनी ने कहा कि प्रधानमंत्री से सीधे बातचीत करना उनके जीवन का अविस्मरणीय क्षण है। उन्होंने कहा कि यह अनुभव उन्हें राष्ट्र निर्माण और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए निरंतर प्रेरित करता रहेगा। 'मेरा युवा भारत' का यह कार्यक्रम युवाओं को 'विकसित भारत @2047' के संकल्प से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

मप्र के नरसिंहपुर में हाईवे पर सड़क हादसे में नहीं गई थी 5 लोगों की जान, कारोबारी रंजिश में हुई थी हत्या

एजेंसी

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में एक सप्ताह पहले जबलपुर-भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग-45 पर एक सड़क हादसे में हुई पांच लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि यह हादसा नहीं, बल्कि रेत के अवैध कारोबार में वर्चस्व की लड़ाई में रची गई सुनियोजित हत्या थी।

रेत कारोबारी राजेंद्र लोधी को रास्ते से हटाने के लिए कथित तौर पर उसकी गाड़ी को पहले से सड़क के दोनों ओर खड़े हाईवा से कुचलकर हादसे का रूप दिया गया था। पुलिस ने जांच के बाद मुख्य आरोपी शहपुरा जनपद पंचायत सदस्य आनंद पटेल समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीन आरोपी फिलहाल फरार हैं। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश के साथ हत्या की साजिश से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच में जुटी है। गौरतलब है कि नरसिंहपुर जिले के जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे-45 पर गत 19 जुलाई को एक बेकाबू हाईवा ने सड़क किनारे अपनी कार खड़ी करके सेल्फी ले रहे 6 युवकों को कुचल दिया था। इस हादसे में जबलपुर के पावला निवासी राजेंद्र

लोधी (28) की मौके पर मौत हो गई थी, जबकि वीरेंद्र लोधी (20), राजपाल लोधी (21), जयपाल लोधी (30) और नीरज लोधी (30) ने अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में दम तोड़ दिया था। वहीं, एक युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज जबलपुर में चल रहा है। पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आया कि राजेंद्र लोधी और आरोपी आनंद पटेल दोनों बेलखेड़ा क्षेत्र में अवैध रेत खनन और परिवहन के कारोबार से जुड़े थे। दोनों के बीच अवैध रेत कारोबार में वर्चस्व और आर्थिक हितों को लेकर विवाद था। जबलपुर के डॉ. अमित खरे की भी राजेंद्र से रुपये के लेनदेन को लेकर रंजिश थी, इसीलिए आनंद और डॉ. अमित खरे ने हत्या की साजिश रची। जबलपुर स्थित स्मार्ट सिटी अस्पताल के संचालक डॉ. अमित खरे ने मुख्य आरोपी को घटना को हादसा दिखाने व साक्ष्य छिपाने के तरीके बताए। घटना वाले दिन आरोपी राजा, अरविंद और भरत पटेल लगातार राजेंद्र लोधी की लोकेशन मुख्य आरोपी आनंद पटेल तक पहुंचा रहे थे। राजेंद्र साथियों के साथ जैसे ही वहां पहुंचा, हाईवा से उनकी गाड़ी को कुचल दिया।

नरसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा ने बताया कि वर्चस्व की लड़ाई को लेकर मुख्य आरोपी आनंद राजपूत और मृतक राजेंद्र पटेल के बीच व्यापार की पुरानी रंजिश थी।

मप्र के जबलपुर में युगप्रवर्तक डॉ. हेडगेवार महानाट्य का हुआ मंचन

एजेंसी

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में संस्कृति विभाग के सहयोग से रविवार देर शाम मानस भवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आद्य सरसंघचालक 'युगप्रवर्तक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार' विषय पर आधारित महानाट्य मंचन हुआ। नागपुर के 'नादब्रह्म' संस्था के कलाकारों ने डॉ. हेडगेवार' के जीवन के संघर्षों और विचारों को मंच पर जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मप्र उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति दिनेश कुमार पालीवाल, उद्योगपति एवं समाजसेवी एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश गुप्ता थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जैसे महान व्यक्तित्व के बारे में बोलना सौभाग्य के साथ-साथ जिम्मेदारी का विषय है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के कार्यों का सही मूल्यांकन उसके विचारों और उनके दीर्घकालीन प्रभाव से होता है। डॉ. हेडगेवार ने अपने 51 वर्ष के जीवन में मात्र 15 वर्षों के संघ कार्य के माध्यम से जिस संगठन की नींव रखी, वह आज विश्व के लिए आश्चर्य का विषय है।

मंत्री सिंह ने कहा कि डॉ. हेडगेवार के मन में बचपन से ही देश

की स्वतंत्रता और राष्ट्र निर्माण का संकल्प था। उन्होंने क्रांतिकारी के रूप में कार्य किया, शिक्षा के लिए कलकत्ता गए और स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। बाद में देश की आजादी के लिए कार्य किया तथा वर्ष 1930 में जंगल कानून के विरोध में सत्याग्रह करने पर एक वर्ष का कठोर कारावास भी भुगता। उन्होंने कहा कि डॉ. हेडगेवार केवल देश की स्वतंत्रता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि स्वतंत्र भारत के निर्माण को लेकर भी चिंतित थे। इसी उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की और अपना पूरा जीवन राष्ट्र निर्माण, चरित्र निर्माण तथा संगठन निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। उनके प्रयासों का परिणाम है कि आज संघ विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठनों में शामिल है। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि यदि हम डॉ. हेडगेवार के जीवन से थोड़ी भी प्रेरणा लेकर उसे अपने जीवन में अपनाएं, तो यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस महानाट्य के माध्यम से उनके जीवन और विचारों को समझना अधिक सहज होगा तथा यह प्रस्तुति समाज और राष्ट्र के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायक बनेगी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में आयोजकों ने बताया कि नागपुर के 'नादब्रह्म' द्वारा निर्मित 'युगप्रवर्तक डॉ. हेडगेवार' (संघ सृजन का भव्य नाट्य आविष्कार) महानाट्य का यह 57वां मंचन है तथा इसकी 151 प्रस्तुतियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक महाराष्ट्र, गोवा, राजस्थान, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों में इसका सफल मंचन हो चुका है। मध्य प्रदेश में यह इसका आठवां प्रदर्शन रहा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव कहा- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश विकास कर रहा

एजेंसी

झांसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव निवाड़ी में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण करने के बाद अपने आध्यात्मिक गुरु ऋतेश्वरमहाराज से मिलने झांसी सर्किट हाउस पहुंचे। यहां उन्होंने मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सभी मिलकर जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने में जुटे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दतिया उपचुनाव के मद्देनजर उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक की। हालांकि मीडिया द्वारा पूछे गए अन्य सवालों का जवाब दिए बिना वह वहां से रवाना हो गए। निवाड़ी में विकास कार्यों के लोकार्पण के बाद झांसी पहुंचे झांसी पहुंचने पर पुलिस लाइन से हेलीकॉप्टर से सर्किट हाउस पहुंचे मुख्यमंत्री का सदर विधायक पं. रवि शर्मा, बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा, भाजपा पार्षद सुनील नैनवानी सहित भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत किया।

सर्किट हाउस में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। यहां उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इसके बाद वह पुलिस लाइन से हेलीकॉप्टर द्वारा मध्यप्रदेश के सागर जिले के लिए रवाना हो गए। इससे पहले, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ओरछा पहुंचकर प्रसिद्ध रामराजा मंदिर में दर्शन किए और जहांगीर महल का भ्रमण किया। इसके बाद निवाड़ी में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 46 राजस्व स्टाफ आवास (निवाड़ी) तथा 29 राजस्व स्टाफ आवास (पृथ्वीपुर) का लोकार्पण किया।

दतिया में केन्द्रीय मंत्री शिवराज का चुनावी हुंकार, कांग्रेस पर साधा निशाना, भाजपा के लिए मांगा जनादेश

एजेंसी

दतिया/भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दतिया विधानसभा उपचुनाव के तहत बसई में भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए राजनीति सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और जनसेवा का संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जबकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास की नई गति प्राप्त कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि दतिया उपचुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत तय है। जनसभा को मध्यप्रदेश शासन के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने भी संबोधित किया।

'कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष की अपनी पार्टी में ही नहीं सुनवाई'

शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस पार्टी में उसके प्रदेश अध्यक्ष की ही

कोई पूछ-परख नहीं है, वह जनता का भला नहीं कर सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस भ्रम फैलाने और जनता को गुमराह करने की राजनीति करती है, जबकि भाजपा विकास और विश्वास की राजनीति करती है।

'कांग्रेस राज में ग्वालियर-चंबल अपहरण उद्योग का गढ़ था'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2003 से पहले मध्यप्रदेश, विशेषकर ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में डकैतों और अपहरण का आतंक था। दतिया, शिवपुरी और आसपास के क्षेत्रों में लोग शाम होने के बाद घरों से निकलने से डरते थे। उन्होंने कहा कि उस समय अपहरण एक तरह का उद्योग बन गया था। उन्होंने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने स्पष्ट घोषणा की थी कि मध्यप्रदेश की धरती पर या तो डाकू रहेंगे या शिवराज सिंह चौहान। इसके बाद एक वर्ष के भीतर डकैतों का सफाया कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन में कानून व्यवस्था चरमरा गई थी, जबकि भाजपा सरकार ने प्रदेश में सुरक्षा और सुशासन स्थापित किया।

मोदी-मोहन के नेतृत्व में विकास को मिली नई गति

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश को बदहाल सड़कें, बिजली संकट, पानी की समस्या और कमजोर शिक्षा व्यवस्था दी, जबकि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दतिया में मेडिकल कॉलेज, वेटरनरी कॉलेज, फिशरीज कॉलेज, एयर कनेक्टिविटी, सड़क नेटवर्क, अस्पतालों के उन्नयन और धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। मां पीतांबरा धाम के विकास के साथ बसई क्षेत्र में भी शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है।

भाषा पर पकड़ बनाने के लिए एकाग्रता, लगन और निरंतर अनुशासन जरूरीः रामबहादुर राय

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने कहा कि भाषा पर पकड़ बनाने के लिए एकाग्रता, लगन और निरंतर अनुशासन जरूरी है। रामबहादुर राय ने आज दिल्ली स्थित हिंदी भवन में दिवंगत प्रभात झा की दूसरी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी और दो पुस्तकों के लोकार्पण अवसर पर यह बात कही। प्रभात झा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राज्यसभा सांसद एवं 'कमल संदेश' के पूर्व संपादक थे।प्रभात झा की हस्तलिपि और भाषाई पकड़ की सराहना करते हुए रामबहादुर राय ने कहा, हिंदी और मैथिली पर उनका अद्भुत अधिकार था। भाषा सीखने के लिए जो आत्मिक अनुशासन और एकाग्रता चाहिए, वह प्रभात के जीवन में स्पष्ट झलकती थी। उन्होंने कहा कि प्रभात झा बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे, जिन्होंने पत्रकारिता के सत्य और राजनीतिक दल के अनुशासन के बीच उत्कृष्ट संतुलन बनाए रखा। वह संगठन के प्रति पूरी तरह समर्पित

रहने के साथ-साथ हमेशा स्वावलंबी रहे और अपने परिश्रम से परिवार का पालन-पोषण करते रहे।

इस दौरान उन्होंने आयोजकों को सुझाव दिया कि दिवंगत प्रभात झा की स्मृति में हर साल स्मारक व्याख्यानमाला का आयोजन और उनसे जुड़ी सामग्रियां तथा संग्रह एकत्रित कर अगली पुण्यतिथि पर भव्य प्रदर्शनी आयोजित की जानी चाहिए। उनकी निरंतरता को बनाए रखना बेहद जरूरी है। प्रभात झा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी ने कहा कि प्रभात झा एक सजग पत्रकार, संवेदनशील लेखक, कुशल संगठनकर्ता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने वाले कर्मयोगी थे। उनकी लेखनी में राष्ट्र का आत्मविश्वास और वाणी में भारत की सांस्कृतिक चेतना का स्पंदन स्पष्ट दिखाई देता था। प्रकाशित पुस्तक (प्रभात झा) केवल एक जीवनी नहीं बल्कि सार्वजनिक जीवन में मूल्यों और समर्पण का प्रेरक दस्तावेज है। 'कमल संदेश' के संपादक डॉ. शिवशक्ति नाथ बख्शी ने कहा कि दिवंगत प्रभात झा ने कभी पद या प्रचार की आकांक्षा नहीं की बल्कि अपने काम और समर्पण से संगठन में एक अमिट स्थान बनाया। भाजपा और संघ से जुड़े संगठनों में उनका योगदान एक मिसाल है। जिन दो पुस्तकों का लोकार्पण किया गया उनमें पहली पुस्तक 'प्रभात झाः व्यक्तित्व एवं कृतित्व' है और दूसरी पुस्तक 'नव भारत का न्याय दर्शन' है। इसके लेखक सुमित मिश्र हैं। इस बीच प्रभात झा पर बनी एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गयी। इसमें उनके जीवन, पत्रकारिता और सामाजिक-राजनीतिक योगदान को दिखाया गया।

समाज के अंतिम श्रमिक तक न्याय, सुरक्षा और सम्मान पहुंचाना ही संगठन का ध्येयः सुरेन्द्र

एजेंसी

रांची। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्य समिति बैठक की शुरुआत महिलोंग स्थित सरला बिरला विश्वविद्यालय के सभागार में हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ संगठन के अध्यक्ष एस. मल्लेशम, महामंत्री सुरेंद्र कुमार पांडे और भारतीय मजदूर संघ के पालक अधिकारी वी. भगया ने दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष एस. मल्लेशम ने कहा कि विश्व का श्रम जगत तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटलीकरण, गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था, उत्पादन प्रणालियों में बदलाव तथा वैश्विक आर्थिक चुनौतियां श्रमिक जगत के सामने नए प्रश्न खड़े कर रही हैं। ऐसे समय में भारतीय मजदूर संघ की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। वहीं, महामंत्री सुरेंद्र कुमार पांडे ने कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी कहा करते थे कि न्याय की

पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति की सहायता करना ही अंत्योदय है। यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि भारतीय मजदूर संघ की कार्यदिशा है। समाज के अंतिम श्रमिक तक न्याय, सुरक्षा और सम्मान पहुंचाना ही संगठन का ध्येय है। तीन दिवसीय कार्यसमिति बैठक में देश के सभी राज्यों और महासंघों से लगभग 150 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। तीन दिनों के इस कार्यक्रम में मजदूरों से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रस्ताव लाए जाएंगे। नए लेबर कोड को लेकर मजदूरों की स्थिति का मूल्यांकन करते हुए उस पर भी प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। कार्यसमिति बैठक के शुभारंभ पर अतिथियों का स्वागत प्रदेश अध्यक्ष बलिराम यादव, प्रदेश महामंत्री राजीव रंजन सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष चंदन कुमार प्रसाद और प्रदेश के अन्य पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने किया। इस मौके पर राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा, सुनील कुमार, अंगद उपाध्याय, रमाशंकर प्रसाद,

तमिलनाडु के सीएम विजय देंगे सिल्वर मेडल

जीतने वाले वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी को 30 लाख नकद इनाम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी के लिए 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा की है। मुथुपांडी ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता था। मुथुपांडी को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इनाम उनके शानदार प्रदर्शन के सम्मान में दिया जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि मेडल जीतने की यह उपलब्धि राज्य भर के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। मुथुपांडी ने कुल 286 किग्रा (126 किग्रा + 160 किग्रा) का भार उठाया। मुथुपांडी ने 125 किग्रा स्नैच के सफल प्रयास से शुरुआत की और फिर अपने दूसरे प्रयास में इसे बढ़ाकर 126 किग्रा कर दिया। वे अपने आखिरी प्रयास में 129 किग्रा का भार नहीं उठा पाए। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने सफलतापूर्वक 158 किग्रा और 160 किग्रा का भार उठाया, लेकिन अपने आखिरी प्रयास में 170 किग्रा उठाने में असफल रहे। इस प्रयास से उन्हें सिल्वर मेडल मिला। इस उपलब्धि को तमिलनाडु और भारत के लिए गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री विजय ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के जरिए युवा वेटलिफ्टर को बधाई दी। उन्होंने मुथुपांडी के प्रदर्शन को रिकॉर्ड बनाने वाली उपलब्धि बताया और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके दृढ़ संकल्प की सराहना की। 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार एथलीट की सफलता को राज्य के सर्वोच्च खेल पुरस्कारों में से एक से सम्मानित करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुथुपांडी की उपलब्धि उभरते हुए खिलाड़ियों को खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने और तमिलनाडु को और अधिक पहचान दिलाने के लिए प्रेरित करेगी। विजय ने कहा, मैं ग्लासगो में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर राजा मुथुपांडी को दिल से बधाई देता हूं। उनकी सफलता तमिलनाडु के लिए बहुत गर्व की बात है।

वैभव सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट प्लेयर

सचिन तेंदुलकर का भी रिकॉर्ड टूटा, इस साल टी-20 में 86 छक्के लगाए

हरारे (एजेंसी)। भारत ने तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सबसे ज्यादा 151 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे इंटरनेशनल क्रिकेट में यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट खिलाड़ी बन गए। हरारे में सूर्यवंशी ने 49 गेंद पर 81 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यवंशी इस साल टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा 86 छक्के लगा चुके हैं।

सूर्यवंशी ने पहला प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता: सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी ने अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान का रिकॉर्ड तोड़ा। मुजीब 16 साल 328 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे।

सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय: सूर्यवंशी 15 साल 121 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने। वे इंटरनेशनल में यह अवॉर्ड जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 17 साल 112 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। सूर्यवंशी ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी भी बने। सिएरा लिओन के एलुसिन तुरे इंटरनेशनल में प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 15 साल 74 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था।

सूर्यवंशी की इंटरनेशनल में दूसरी फिफ्टी: सूर्यवंशी ने 16 साल की उम्र से पहले इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में दूसरी फिफ्टी लगाई। उनके अलावा नेपाल के कुशल मल्ला ने 16 साल की उम्र से पहले एक बार 50+ स्कोर बनाया था।

सूर्यवंशी इस साल सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय: सूर्यवंशी एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 छक्के लगाने वाले भारतीयों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वे इस साल सभी टी-20 मैच मिलाकर 86 छक्के लगाकर लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। इस मामले में अभिषेक शर्मा पहले स्थान हैं। उन्होंने 2025 में 108 छक्के लगाए थे।टी-20 में कम से कम 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में सूर्यवंशी का प्रति बॉल सिक्स औसत सबसे बेहतर है।

दो बार के ओलंपियन साजन ने प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

ग्लास्गो (एजेंसी)। दो बार के ओलंपियन भारतीय तैराक साजन प्रकाश ने सोमवार को यहां एक मिनट 58.59 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर) में दूसरे स्थान पर रहते हुए राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। स्कॉटलैंड के डंकन स्कॉट एक मिनट 58.29 सेकेंड के साथ समय के साथ शीर्ष पर रहे। साजन अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से पीछे रहे। इस 31 वर्षीय भारतीय ने इसी साल सिंगापुर राष्ट्रीय आयु वर्ग तैराकी चैंपियनशिप में एक मिनट 57.09 सेकेंड का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप :

ईशा सिंह ने जीता गोल्ड, मनु भाकर को ब्रॉन्ज मेडल

हांगझू (चीन)(एजेंसी)। चीन के हांगझू में हो रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में भारतीय पिस्टल स्टार ईशा सिंह और मनु भाकर ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीते और प्रतियोगिता में भारत का शानदार सफर जारी रखा। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की प्रेस रिलीज के अनुसार ईशा ने फाइनल में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 40 हिट के साथ गोल्ड मेडल पक्का किया, जबकि पेरिस 2024 में दो ओलंपिक मेडल जीतने वाली मनु भाकर ने कड़े मुकाबले का सामना करते हुए एक अहम शूट-ऑफ जीता और 28 हिट के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन राउंड में ही बेहतरीन शुरुआत की। मनु भाकर 586-203 के शानदार स्कोर के साथ क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में टॉप पर रहीं, जबकि ईशा सिंह 585-183 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और आसानी से फाइनल में जगह बनाई। एशियाई खेलों की पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट राही सरनोबत ने 582-163 का स्कोर किया, जबकि सिमरनप्रीत कौर बराड़ (576-203) और अभिज्ञा अशोक पाटिल (573-163) ने रैंकिंग पॉइंट्स ओनली स्टेटस के तहत खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया।

इस सीजन की शुरुआत में म्यूनिख में वर्ल्ड कप में रिकॉर्ड-तोड़ गोल्ड मेडल जीतने के बाद मानसिक दबाव से उबरने के बारे में बात करते हुए ईशा सिंह ने कहा, यह मैच मेरे लिए बहुत दबाव वाला था क्योंकि मेरे पास पहले से ही एक मेडल था। आप अपने इवेंट में जितना बेहतर करते हैं, आपको उतनी ही ज्यादा प्रतिष्ठा का बोझ महसूस होता है जिसे आपको पार करना होता है। मुझे खुशी है कि मैं आज इससे उबर पाई और शुक्रगुजार हूं कि मुझमें इसे सहने की क्षमता थी। मुझे हांगझू में मुकाबला करना बहुत पसंद है। एशियाई खेलों के दौरान हुए मुकाबले को याद करते हुए, जहां मैंने चार मेडल जीते थे, मैं यहां वापस आने के लिए बहुत उत्साहित थी। फाइनल हॉल में रेंज, लाइटिंग और माहौल से वाकिफ होना निश्चित रूप से मेरे पक्ष में रहा।

मैच के बाद अपने प्रदर्शन और आने वाले सीजन के लिए मोमेंटम बनाने के बारे में बात करते हुए मनु भाकर ने कहा, यह मेडल बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक सीढ़ी की तरह काम करता है। इससे मुझे स्पष्टता मिलती है कि क्या काम कर रहा है और मैं किस दिशा में आगे बढ़ना चाहती हूं। मेडल निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास बढ़ाता है, लेकिन इस प्रतिस्पर्धी मैच से मुझे जो अनुभव मिला है, वह वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियाई खेलों जैसे बड़े आयोजनों की तैयारी में और भी अधिक मददगार साबित होगा।

हैदराबाद की 21 वर्षीय ईशा सिंह के लिए गोल्ड मेडल करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ता है। इससे पहले इस सीजन में म्यूनिख में ढ्रस्स्न वर्ल्ड कप में ईशा ने फाइनल में 43 हिट के साथ सीनियर और जूनियर दोनों वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रचा था। पेरिस 2024 ओलंपियन और अर्जुन अवार्डी, ईशा दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में अपनी जगह बना रही हैं।

मनु भाकर के लिए ब्रॉन्ज मेडल ग्लोबल स्टेज पर उनके शानदार प्रदर्शन को और मजबूत करता है, खासकर उनके ऐतिहासिक पेरिस 2024 ओलंपिक अभियान के बाद जहां वह खेलों के एक ही संस्करण में दो मेडल जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली एथलीट बनी थीं।

रन-अप में बदलाव का मिला फायदा, रवि बिश्नोई का जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में दमदार प्रदर्शन

हरारे (एजेंसी)। भारत के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से जीती गई टी20 सीरीज के बाद अपनी शानदार वापसी का राज बताया। बिश्नोई ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर हुई गलतियों के बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरु में अपनी रन-अप पर कड़ी मेहनत की और अब उसका सकारात्मक परिणाम मैदान पर देखने को मिल रहा है। जिम्बाब्वे दौरे पर बिश्नोई ने तीन विकेट झटके और भारत की क्लीन स्वीप में अहम भूमिका निभाई।

इंग्लैंड दौरे की गलती से लिया सबक

रवि बिश्नोई के लिए इंग्लैंड दौरा बेहद निराशाजनक रहा था। मैनचेस्टर टी20 में उन्होंने तीन बैक-फुट नो-बॉल फेंकी थीं और 60 रन खर्च किए थे। उस मुकाबले के बाद उनकी गेंदबाजी और खासकर रन-अप को लेकर सवाल उठे। इसके बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पूर्व स्पिनर सैराज बहुतुले और सुनील जोशी की निगरानी में अपनी तकनीक पर काम किया।

गलतियां सुधारीं, अब नतीजे सामने हैं

सीरीज खत्म होने के बाद रवि बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी की कमियों पर मेहनत की और कोचिंग स्टाफ से लगातार मदद मिली।रवि बिश्नोई ने कहा, मैंने उन चीजों पर काम किया जिनमें सुधार की जरूरत थी, क्योंकि मेरी गेंदबाजी में कुछ गलतियां आ गई थीं। अब उन पर काम करने का फायदा मिल रहा है और उसके नतीजे भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, कोचों ने मेरा काफी समर्थन किया और बताया कि मुझे किन पहलुओं पर काम करना है। मेरा रन-अप थोड़ा ज्यादा वाइड हो गया था, जो आमतौर पर नहीं होता, लेकिन दुर्भाग्य से इंग्लैंड वाले मैच में बार-बार ऐसा हुआ।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026

भारत को बड़ा झटका

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुरिंदरवीर सिंह का 100 मीटर हीट में सफर समाप्त

ग्लास्को (एजेंसी)। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत की सबसे बड़ी एथलेटिक्स पदक उम्मीदों में शामिल गुरिंदरवीर सिंह पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा के शुरुआती हीट से आगे नहीं बढ़ सके। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारतीय धावक सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे, जिससे भारत की एथलेटिक्स में पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

गुरिंदरवीर ने मई 2026 में रांची में आयोजित फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर इतिहास रचा था। वह 10.10 सेकंड से कम समय में 100 मीटर दौड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष धावक बने थे। इस प्रदर्शन के बाद उनसे राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें थीं, लेकिन अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके।

अब हाई जंप पर टिकी भारत की नजर

गुरिंदरवीर के बाहर होने के बाद अब भारतीय एथलेटिक्स दल की उम्मीदें पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा पर टिकी हैं। फाइनल में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे, पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर और आदर्श राम ज्योति शंकर भारत की चुनौती पेश करेंगे। सर्वेश कुशारे हाल ही में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में तीसरा स्थान हासिल कर शानदार फॉर्म का भी परिचय दिया था।

10.39 सेकंड का समय भी नहीं दिला सका सेमीफाइनल का टिकट

100 मीटर हीट में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.39 सेकंड का समय निकाला। हालांकि यह प्रदर्शन सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। सभी 11 हीट समाप्त होने के बाद गुरिंदरवीर 73 धावकों में 28वें स्थान पर रहे। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष 17 धावकों को जगह मिली। रिपोर्ट के अनुसार यदि गुरिंदरवीर 10.24 सेकंड का समय निकालते तो वह अगले दौर के लिए क्वालिफाई कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पहुंचे थे ग्लास्गो

गुरिंदरवीर ने फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था। उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाते हुए अनिमेष कुजूर के एक दिन पहले बने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था। इसी वजह से उन्हें ग्लास्गो में भारत के संभावित पदक विजेताओं में गिना जा रहा था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

सौम्य सरकार की 5 साल बाद वापसी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान नजमुल हुसैन शांतो को सौंपी गई है। बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सौम्य सरकार को शामिल किया गया है। सौम्य आखिरी बार 2021 में टेस्ट फॉर्मेट में खेले थे। दूसरी तरफ, 2023 की डब्ल्यूटीसी चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही इस सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर चुकी है।

पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम

नजमुल हुसैन शंतो (कप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन, मोमिनुल हक, मुशिफकुर रहीम, अमीत हसन, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उप-कप्तान), तैजुल इस्लाम, तास्किन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, इबादत हुसैन चौधरी, मुशिफक हसन।

सुनिधि के लिए नहीं रियलिटी शो

सुनिधि चौहान बॉलीवुड की सबसे चर्चित गायिकाओं में से एक हैं। गायिकी के अलावा वह कई सिंगिंग रियलिटी शोज को भी जज कर चुकी हैं। उनके फैंस जानना चाहते हैं कि उन्होंने शोज को जज करना क्यों छोड़ दिया है? इस पर गायिका ने बात की है।

सुनिधि चौहान ने शेखर टुनाइट शो में रियलिटी शोज को छोड़ने को लेकर कहा 'मैं बहुत लंबे समय तक इसका हिस्सा रही। लेकिन फिर मैंने इसे छोड़ दिया क्योंकि मुझे लगा कि यह मेरी जगह नहीं है।'

सुनिधि ने जताया एतराज

उन्होंने कहा यह बहुत दुखद बात है। पहले, ऑटो-ट्यून या मेलोडाइन का इस्तेमाल गानों में किसी खास इफेक्ट के लिए किया जाता था। लेकिन आप ऐसा रियलिटी शो में नहीं कर सकते, जहां आपको पूरी तरह से असली और बातचीत इस ओर भी बढ़ी कि लाइव परफॉर्मेंस के दौरान सिंगर्स को कभी-कभी किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

शेखर ने केके और सोनू निगम जैसे आर्टिस्ट्स से जुड़ी घटनाओं का जिक्र किया और सुनिधि से पूछा कि क्या उन्हें कभी स्टेज पर अपमानजनक या असहज व्यवहार का सामना करना पड़ा है। इस पर सुनिधि ने कहा 'मैं बहुत किस्मत वाली हूं क्योंकि आज तक मेरे साथ ऐसा बर्ताव नहीं हुआ है।

राम कपूर को पसंद करने की खबरों पर माधुरी ग्रोवर ने दी सफाई

रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' में अभिनेत्री माधुरी ग्रोवर और अभिनेता राम कपूर के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली, जिसके बाद कुछ लोगों ने यह कयास लगाना शुरू कर दिया कि शायद माधुरी राम कपूर को पसंद करने लगी हैं। अब शो से बाहर आने के बाद माधुरी ने इन सभी चर्चाओं पर खुलकर बात की है और कहा कि उनके और राम कपूर के बीच सिर्फ एक खास दोस्ती थी, जिसमें लंबी बातचीत, सीखने और एक-दूसरे को समझने का रिश्ता शामिल था। बातचीत में माधुरी ग्रोवर ने राम कपूर को लेकर चल रही खबरों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इन बातों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी चर्चाएं सिर्फ गलतफहमी की वजह से शुरू हुईं। हम दोनों के बीच एक बहुत अच्छा और अलग तरह का जुड़ाव था। शो के दौरान मैं राम कपूर से इंडस्ट्री, जिंदगी और उनके अनुभवों को लेकर लगातार सवाल पूछा करती थीं। माधुरी ने कहा, ' 'राम कपूर और मेरा बहुत अच्छा और खास बॉन्ड था। हमारे बेड एक-दूसरे के सामने थे, इसलिए बातचीत का मौका ज्यादा मिलता था। मैं सबसे ज्यादा सवाल पूछने वाली इंसान थी। मैं उनसे इंडस्ट्री, जिंदगी और कई चीजों को लेकर बहुत सारे सवाल करती थी और वह हर सवाल का धैर्य से जवाब देते थे।' ' उन्होंने कहा, ' 'दर्शकों ने शो में हमारी बातचीत का सिर्फ एक छोटा हिस्सा देखा, जबकि असल में हम दोनों के बीच कई घंटे तक लंबी बातें होती थीं। राम कपूर ने हमेशा मेरी बातों को ध्यान से सुना और हर सवाल का जवाब देने की कोशिश की।' ' माधुरी ग्रोवर ने बताया कि राम कपूर के साथ उनकी बातचीत सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह उनके अनुभवों से सीखने की कोशिश करती थीं। उन्होंने राम कपूर को इंडस्ट्री का अनुभवी कलाकार बताते हुए कहा कि उनके पास साझा करने के लिए बहुत कुछ है। बता दें कि माधुरी ग्रोवर 'लॉक अप: सच या सजा' के दूसरे सीजन से बाहर होने वाली हालिया कंटेस्टेंट हैं। शो के दौरान उनकी और राम कपूर की बातचीत दर्शकों को काफी पसंद आई थी। नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रहे इस रियलिटी शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कंटेस्टेंट नजर आ रहे हैं।

ऋतिक रोशन से प्रेरणा लेकर निभाया 'गुल्लक-5' में डॉ. पृथ्वी का किरदार

अभिनेता सिद्धार्थ मिश्रा टीवीएफ की लोकप्रिय वेब सीरीज 'गुल्लक -5' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस सीजन में उन्होंने डॉ. पृथ्वी दत्ता की भूमिका निभाई है, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। डॉ. पृथ्वी दत्ता की भूमिका को लेकर अभिनेता ने बताया कि निर्देशक अभय राउत ने उन्हें इस किरदार को निभाने के लिए फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में ऋतिक रोशन के किरदार से प्रेरणा (सीख) लेने की सलाह दी थी। सिद्धार्थ मिश्रा ने कहा, 'निर्देशक अभय राउत ने मुझे इस किरदार को निभाने के लिए बहुत आसान निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में ऋतिक रोशन के किरदार के अंदाज और व्यक्तित्व से प्रेरणा लेना, लेकिन उसकी नकल बिल्कुल नहीं करनी है।

अभिनेता ने कहा, 'डॉ. पृथ्वी दत्ता अपने काम को लेकर बेहद गंभीर और हमेशा नंबर 1 बनने की कोशिश करता है, लेकिन अपनी इसी महत्वाकांक्षा का असर उनकी निजी जिंदगी पर भी पड़ता है, जैसा कि 'गुल्लक 5' के आखिरी एपिसोड में देखने को मिलता है।' एक्टर ने बताया कि कई स्क्रिप्ट-रीडिंग सेशन ने उन्हें लिखे हुए सीन से आगे डॉ. पृथ्वी की पर्सनैलिटी को समझने में मदद की। उन्होंने कहा, 'कई बार स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद समझ में आया कि मेरा किरदार साफ-सफाई और सेहत को लेकर काफी सजग है। इस वजह से पहले सीन में अनु (अनंत जोशी द्वारा निभाया गया किरदार) से बात करते हुए मेरा डायलॉग आता है, 'यार, हाथ तो धो लिए हैं, लंच के बाद ही हाथ मिलाते हैं।'

अभिनेता ने बताया कि उन्होंने अपने किरदार की इसी खासियत को आजमाते हुए एक लाइन जोड़ी, जो स्क्रिप्ट में नहीं थी। उन्होंने बताया, 'मैंने जोड़ा था कि पृथ्वी, डॉ. प्रीति के केबिन का दरवाजा हाथ से नहीं बल्कि अपनी कोहनी से खोलता है, ताकि उसे कीटाणु न लगें। वह इसी अंदाज और सोच के साथ केबिन में आता है और पूरे सीन में यह बात नजर आती है। वहीं, पृथ्वी और डॉ. प्रीति एक-दूसरे से अलग होते हैं। पृथ्वी अपनी फिटनेस और सेहत को लेकर इतना सजग है, तो डॉ. प्रीति छोले-भटूरे और समोसे देखकर खुश हो जाती हैं।'

नैना सरीन ने बताया 'राख' में पारसी किरदार निभाने के लिए कैसे की तैयारी

अभिनेत्री नैना सरीन इन दिनों अपनी सीरीज 'राख' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में उन्होंने एक पारसी महिला का किरदार निभाया है, जिसकी तैयारी को लेकर उन्होंने अपना अनुभव साझा किया है।

ऑडिशन और किरदार की तैयारी

नैना ने बताया कि जब उन्हें इस सीरीज 'राख' के लिए ऑडिशन का बुलावा आया, तो उनका सीन काफी छोटा था। इसके बावजूद उन्हें समझ आ गया था कि यह किरदार कहानी के लिए बहुत जरूरी है। रोल को पूरी सच्चाई से निभाने के लिए उन्होंने पारसी बोलने के तरीके से लकर पहनावे तक का ध्यान रखा।

बोलने और पहनावे का खास तरीका

नैना ने सीरीज 'राख' के लिए पारसी लोगों के बोलने के अंदाज को समझने के लिए कई वीडियो देखे। इसके अलावा उन्होंने पहनावे पर भी ध्यान दिया। चूंकि यह कहानी पुराने दौर पर आधारित है, इसलिए वह ऑडिशन देने भी उसी जमाने के कपड़ों में गईं।

शूटिंग के दौरान आईं कई चुनौतियां

नैना के अनुसार, इस रोल के लिए खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करना सबसे बड़ी चुनौती थी। सीन्स को बेहतरीन बनाने के लिए कई बार रीटेक लेने पड़े, जिसमें काफी ऊर्जा लगती थी। हर बड़े सीन की शूटिंग से पहले वह डायरेक्टर और अपने को-एक्टर्स के साथ मिलकर सीन को अच्छे से समझती थीं। सेट पर एक इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर भी मौजूद थे, जिन्होंने शूटिंग के दौरान कलाकारों की सुविधा और सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा।

'राख' सीरीज के बारे में

इस सीरीज में नैना सरीन के अलावा अली फजल, सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर जैसे बड़े सितारे नजर आ रहे हैं। यह पूरे 8 एपिसोड वाली एक क्राइम थ्रिलर सीरीज है। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो चुकी है।

टीवी छोड़ना सबसे बड़ा दांव था, आज उसी फैसले पर गर्व है

एक वक्त था, जब ज्यादातर लोग राघव जुयाल को डांसर, एंकर या टीवी चेहरे के तौर पर जानते थे। फिर साल 2024 में आई फिल्म 'किल'। इसमें निभाए उनके किरदार ने न सिर्फ ऑडियंस को चौंकाया, बल्कि इंडस्ट्री को भी उन्हें नए नजरिए से देखने पर मजबूर कर दिया। अब राघव पहली बार फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' में लीड हीरो बनकर बड़े पर्दे पर आ रहे हैं। हालांकि, इस पूरे सफर में अगर कोई चीज उन्हें सबसे ज्यादा खुशी देती है, तो वह माता-पिता के चेहरे पर दिखने वाला गर्व है। बातचीत में राघव ने अपने 16 साल लंबे संघर्ष, 'किल' के बाद बदली पहचान, मलयालम अभिनेता फहद फासिल के मैसेज, पहली लीड फिल्म और परिवार के साथ जुड़ी भावुक यादों पर खुलकर बात की।

'किल' के बाद पहली बार लगा कि लोगों की नजर बदल गई

राघव कहते हैं कि संघर्ष उन्होंने पहले भी किया था, लेकिन 'किल' के बाद पहली बार उन्हें महसूस हुआ कि लोग उन्हें अलग नजर से देखने लगे हैं। 'जब आप एक कदम आगे बढ़ते हो तो सबको प्रूव करना पड़ता है। मां-बाप को भी और इंडस्ट्री को भी। मुझे भी प्रूव करना पड़ा। 'किल' के बाद मेरे लिए लोगों का परसेप्शन रातों-रात बदल गया। ऐसा बदलाव मैंने अपने एक्सपीरियंस में पहले कभी नहीं देखा था। कपिल शर्मा भाई ने भी मुझसे कहा था कि 'जो परसेप्शन चेंज तू कर रहा है, वो बहुत अलग है।' टीवी इंडस्ट्री के जितने भी लोग थे, सबने फोन किया। सब कह रहे थे कि पता नहीं क्यों, लेकिन ऐसा लग रहा था कि हमने भी ये क्रैक कर दिया। वो इमोशन मेरे लिए बहुत बड़ा था।'

16 साल तक साइड में रहा, लेकिन खुद पर भरोसा नहीं छोड़ा

राघव मानते हैं कि उनके करियर की सबसे बड़ी ताकत टैलेंट से पहले आत्मविश्वास रहा। 'यही चीज मुझे मोटिवेट करती रही कि मैं हमेशा अपने ऊपर भरोसा करता रहा। इतने साल साइड में रहा, लेकिन मेरे अंदर से कभी ये चीज नहीं गई कि मुझे यही बनना है। मैं कभी मीडियोकर माइंडसेट में नहीं रहा। 16 साल बहुत लंबा वक्त होता है, लेकिन जब तुम अंदर से सोच लेते हो कि तुम यही हो, तो धीरे-धीरे बाहर भी वही होने लगता है।'

टीवी छोड़ना सबसे बड़ा दांव था

राघव बताते हैं कि जब उन्होंने टीवी छोड़कर फिल्मों पर दांव लगाया, तब यह फैसला आसान नहीं था। 'जब मैं देहरादून से मुंबई आया था, तब मम्मी-पापा को भी नहीं पता था कि यहां क्या होगा। उस समय उनका सपोर्ट वैसा नहीं था, क्योंकि उन्हें इस दुनिया की समझ नहीं थी। लेकिन बाद में जब मैंने टीवी छोड़ने का रिस्क लिया, तब मैं खुद हैरान था कि वो मेरे साथ खड़े रहे। पैसे भी खत्म होने लगे थे, फिर भी उन्होंने मेरा साथ नहीं छोड़ा।

आज वो सबसे ज्यादा खुश हैं। रोज लोगों को बताते हैं कि फिल्म आ रही है।' उनके चेहरे की खुशी देखकर लगता है कि 16 साल की मेहनत आखिर रंग ले आई।'

अब बारी लोगों को हंसाने की......

संघर्ष और सफलता की बातें करने के बाद राघव अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' पर आते हैं। उनके मुताबिक, फिल्म का नाम भी आम बोलचाल की उसी भाषा से निकला है, जो छोटे शहरों की पहचान है। 'फिल्म का टाइटल 'भाई तेरा स्टार है' है। हर शहर में हर कोई अपने लेवल का एक स्टार होता है। एक कहने की बात होती है- 'अरे भाई, तेरा स्टार है... मैं कर दूंगा।' छोटा सा भी काम हो तो लोग बोल देते हैं- 'अरे भाई, तेरा भाई स्टार है यार, मैं कर दूंगा... टेंशन मत ले।' बस वहीं से यह टाइटल आया।

फिल्म में मेरा किरदार अजय अपने आपको बहुत कमाल का एक्टर समझता है, लेकिन असल में वह बिल्कुल टैलेंटेड नहीं है। बहुत खराब एक्टिंग करता है और सोचता है कि आगे जाकर बहुत बड़ा सुपरस्टार बनेगा। पैसों के चक्कर में फंस जाता है और फिर हर जगह अपनी खराब एक्टिंग से बचने की कोशिश करता है। यही उसकी सबसे बड़ी कॉमेडी है।'

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग– एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग – इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग – यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन – आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन – इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।